सेंसेक्स	80,235.59
निफ्टी	24,487.40
सोना	1,01,400
चांदी	1,15,000
डॉलर	87.58

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
बुधवार 13 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण 04/5 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 319
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

15 अगस्त पर ट्रेनों में धमाके की धमकी

अमृतसर। विदेश में बैठे सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर धमकी भरी वीडियो जारी की है। इस बार उसने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली जाने वाली ट्रेनों को बम से उड़ाने की बात कही है। आतंकी पन्नू ने कहा है कि लोग दिल्ली जाने वाली ट्रेन में सोच समझकर सफर करें। इसके साथ ही उसने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को भी जान से मारने की धमकी दी है। पन्नू ने अपने एक साथी जश्नप्रीत सिंह के एनकाउंटर के विरोध में धमकी भरी यह वीडियो जारी की है। वीडियो में पन्नू कह रहा है कि 15 अगस्त के मौके पर लोग दिल्ली जाने वाली ट्रेन में सोच समझ कर चढ़े। इसके साथ ही फरीदकोट में मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से तिरंगा फहराए जाने के कार्यक्रम में शामिल न होने की बात कही है। पन्नू ने कहा कि जश्नप्रीत सिंह के एनकाउंटर मामले में सरकार की ओर से गोली चलाई गई है जिसका जवाब गोली से दिया जाएगा।

धोनी की अर्जी पर सुनवाई होगी

चेन्नई। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के 100 करोड़ रुपए मानहानि केस में मद्रास हाई कोर्ट ने सुनवाई करने के आदेश दिए हैं। धोनी का बयान एडवोकेट कमिश्नर के माध्यम से रिकॉर्ड किया जाएगा, ताकि भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति से बचा जा सके।

धोनी ने 2014 में यह केस दर्ज किया था, जिसमें दो प्रमुख मीडिया चैनलों से हर्जाने की मांग की गई थी। आरोप था कि 2013 के आईपीएल सट्टेबाजी घोटाले पर टीवी डिबेट के दौरान उनके खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी की गई थी। जस्टिस सीवी कार्तिकेयन ने एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया है, जो धोनी की ओर से सबूत और बयान दर्ज करेंगे। धोनी ने हलफनामे में कहा कि वे कोर्ट और कमिश्नर के निर्देशों का पालन करेंगे और चाहते हैं कि ट्रायल में देरी न हो।

कार्गो प्लेन के इंजन में लगी आग

चेन्नई। मलेशिया के कुआलालंपुर से चेन्नई आ रहे इंटरनेशनल कार्गो प्लेन के इंजन में आग लग गई। हालांकि इसमें किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लैंडिंग के दौरान प्लेन के चौथे इंजन में आग लग गई, जिसके बाद पायलटों ने एयरपोर्ट अधिकारियों का खबर दी। हालांकि प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग नहीं हुई, लेकिन पायलटों ने विमान को सुरक्षित उतार लिया। प्लेन के उतरने के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड की गाडियों ने आग बुझा दी। आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

कुछ ना कहना

वोटर वेरिफिकेशन पर हंगामा- विपक्षी सांसद मिंता देवी की तस्वीर वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे; दावा- यह 124 साल की फर्स्ट टाइम वोटर

सांसदों ने लोकसभा में कागज फाड़े...चेयर की ओर फेंके

पीठासीन बोले- विपक्ष के उपनेता के इशारे पर ऐसा हुआ

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर मंगलवार को भी विपक्ष ने हंगामा किया। इसके चलते लोकसभा और राज्यसभा स्थगित कर दी गई। शाम 4:30 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा होने लगा। विपक्षी सांसदों ने कागज फाड़कर स्पीकर की कुर्सी की ओर फेंके गए। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल सदन की कार्यवाही चला रहे थे। उन्होंने कहा कि उपनेता (विपक्ष) की ओर से इशारा किया गया। इसके बाद कागज फाड़कर चेयर की ओर फेंके गए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आपने सदन की गरिमा गिराई है। देश आपको माफ नहीं करेगा। आपके क्षेत्र के लोग आपसे दुखी होंगे। इसके बाद लोकसभा सोमवार 18 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रियंका गांधी समेत इंडिया ब्लॉक के सांसद मकर द्वार पर मिंता देवी के नाम और तस्वीर वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे। विपक्ष का दावा है कि मिंता देवी बिहार चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट में 124 साल की फर्स्ट टाइम वोटर हैं। हालांकि चुनाव आयोग से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि सीवान के दरौंदा विधानसभा की वोटर के रूप में रजिस्टर्ड मिंता देवी की उम्र 124 नहीं बल्कि 35 साल थी। उनके आवेदन में गलती के कारण उनकी उम्र में बदलाव किया गया। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद कांग्रेस सांसद के सुरेश ने कहा कि मिंता देवी, वोट चोरी का प्रतीक हैं। हम सदन के अंदर और बाहर एसआईआर का मुद्दा उठा रहे हैं। अगर अंदर सदन काम नहीं कर रहा है, तो हमें बाहर आंदोलन करना होगा।

मंत्रियों के आवास पर वोट बनाए गए

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि चर्चा के बिना संसद की कार्यवाही चलाने का मतलब है कि आपको लोकतंत्र में इतने बड़े चुनावी घोटाले की कोई चिंता नहीं है। इससे यह भी साबित होता है कि भाजपा इस खेल में शामिल है। दिल्ली में हमने सबूत दिए थे। केंद्रीय मंत्रियों के आवास पर 35-35 वोट बनाए गए। दिल्ली में एक बड़ा चुनावी भ्रष्टाचार हुआ। हमने शिकायत की है। हमने सबूत पेश किए, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने महाराष्ट्र, हरियाणा और देश के अन्य राज्यों में भी ऐसा ही किया। इस पर चर्चा होनी चाहिए।

परंपरा के खिलाफ सदन चलाया जा रहा

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने कह कि नकली वोट बनाए जा रहे हैं और असली वोट काटे जा रहे हैं। असली मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। हमने सदन से वॉकआउट किया क्योंकि सरकार न तो चर्चा करा रही है और न ही कोई आश्वासन दे रही है। सदन चल रहा है, हर दिन शोर-शराबे में बिल पारित किए जा रहे हैं। यह संसदीय परंपराओं के खिलाफ है।

हमारे विशेषाधिकार हनन हुआ

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि संसद सत्र के चौथे सप्ताह का आखिरी दिन है। एसआईआर पर चर्चा के लिए 21 स्थगन नोटिस दिए गए। 300 सांसदों को चुनाव आयोग से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। उन्हें हिरासत में लेकर संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाया गया और यहां बिल पारित किए गए। यह हमारा विशेषाधिकार हनन है। उन्हें हमारी बात सुननी चाहिए और निर्णय लेना चाहिए। खडगे जी ने कहा कि एसआईआर में पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीब सवर्णों के नाम हटा दिए जाएंगे। हमें स्वतंत्रता संग्राम के बाद मतदान का अधिकार मिला। यह हमें बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान ने दिया है। सरकार सुनने को तैयार नहीं है। ऐसे में हमारे पास क्या विकल्प बचा है? एसआईआर ने सदन का बहिष्कार किया।

एमपी सरकार सो रही है क्या

ओबीसी के 13 प्रतिशत होल्ड पदों पर 6 साल में क्या किया

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी भर्तियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 13 प्रतिशत पद होल्ड होने के मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने मामले में एमपी सरकार को फटकार लगाई है। ओबीसी महासभा के वकील वरुण ठाकुर ने बताया- कोर्ट ने कहा कि एमपी सरकार सो रही है क्या? ओबीसी के 13 प्रतिशत होल्ड पदों पर 6 साल में क्या किया?

एडवोकेट ठाकुर ने बताया कि याचिका एमपीपीएससी के चयनित अभ्यर्थियों ने लगाई है, जिनको नियुक्ति नहीं दी जा रही है। मामले में मध्यप्रदेश सरकार ने 29 सितंबर 2022 को एक नोटिफिकेशन जारी किया था, इसे कोर्ट में चैलेंज किया गया है। सरकार ने कोर्ट में कहा था कि हम भी रिजर्वेशन देना चाहते हैं। ऐसे में ऑर्डिनेंस पर जो स्टे है, उसे वेकेंट किया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि सबसे बड़ी बात ये है कि मप्र सरकार के जो जनप्रतिनिधि कहते हैं कि हम ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, उनके वकील सुनवाई में जब पहुंचते हैं, जब ऑर्डर डिक्टेट हो जाता है। फिर ये नेता कहते हैं कि ऑर्डिनेंस पर स्टे वेकेंट नहीं होने से प्रशासनिक परेशानियां आ रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के चयनित अभ्यर्थियों की तरफ से कोर्ट के सामने पक्ष रखा। कोर्ट ने इस मामले को अति महत्वपूर्ण मानते हुए टॉप ऑफ द बोर्ड में लिस्टेड किया है। 23 सितंबर को इसे पहले नंबर पर सुनवाई के लिए रखा है। ये 13 प्रतिशत होल्ड वाले मामले में सभी याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई होगी।

अंतिम सुनवाई 22 सितंबर को

ओबीसी महासभा के वकील वरुण ठाकुर ने बताया कि कोर्ट ने इस मामले को अति महत्वपूर्ण मानते हुए टॉप ऑफ द बोर्ड में लिस्टेड किया है। 22 सितंबर को इसे पहले नंबर पर सुनवाई के लिए रखा है। ये 13 प्रतिशत होल्ड वाले मामले में सभी याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि याचिका एमपीपीएससी के चयनित अभ्यर्थियों ने लगाई है, जिनको नियुक्ति नहीं दी जा रही है। मामले में मध्यप्रदेश सरकार ने 29 सितंबर 2022 को एक नोटिफिकेशन जारी किया था, इसे कोर्ट में चैलेंज किया गया है।

18541 करोड़ की योजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी

चार नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट, लखनऊ मेट्रो का विस्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को तीन बड़े फैसले लिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 18,541 करोड़ रुपये की योजनाओं की मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने देश में चार नए सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं पर करीब 4,594 रुपये खर्च किए जाएंगे। ये परियोजनाएं ओडिसा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में शुरू होंगे।

कैबिनैट ने दूसरा बड़ा फैसला लखनऊ मेट्रो के बारे में लिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने 5,801 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले लखनऊ मेट्रो के फेज वन बी परियोजना को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही सरकार ने 8,146 करोड़ की लागत वाली क्लीन ग्रोथ-टाटो-2 हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 700 मेगावाट बिजली पैदा करेगी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट में लिए गए इन फैसलों की जानकारी दी।

लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना का विस्तार

केंद्रीय कैबिनेट ने लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के चरण-1बी को मंजूरी दे दी है। इसके तहत 12 स्टेशनों के साथ 11.165 किलोमीटर लंबा गलियारा तैयार किया जाएगा। परियोजना के तहत सक्रिय मेट्रो रेल नेटवर्क को 34 किलोमीटर तक विस्तारित करने की योजना है। इस परियोजना का लक्ष्य पुराने लखनऊ के प्रमुख क्षेत्रों को मेट्रो नेटवर्क में शामिल करना है। इन इलाकों में शामिल हैं- अमीनाबाद, यहियागंज, पांडेगंज और चौक जैसे वाणिज्यिक केंद्र। इस परियोजना के बाद मेट्रो नेटवर्क से किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (मेडिकल कॉलेज) व प्रमुख पर्यटक आकर्षण, जैसे इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, भूल भुलैया, घंटाघर और रूमी दरवाजा भी जुड़ जाएंगे।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव मंजूर, पद से हटाने की कार्रवाई शुरू

यशवंत वर्मा के आरोपों की 3 सदस्यीय कमेटी करेगी जांच

नई दिल्ली। कैश कांड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। स्पीकर ने कहा कि मुझे रविशंकर प्रसाद और विपक्ष के नेता समेत कुल 146 सदस्यों के हस्ताक्षर से प्रस्ताव मिला है। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने की मांग है। स्पीकर ने जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी का ऐलान किया। इसमें सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के 1-1 जज और 1 कानूनविद शामिल हैं। कमेटी जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की जांच करेगी और एक रिपोर्ट तैयार कर लोकसभा स्पीकर को सौंपेगी। फिर उस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ओम बिरला ने सदन में जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों का भी जिक्र किया और कहा कि जांच कमेटी को जल्द काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने न्यायाधीश जांच अधिनियम के प्रावधानों का अध्ययन किया है। हमने सुप्रीम कोर्ट के घोषित कानूनों के साथ-साथ कई अन्य फैसलों की जानकारी भी रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने शिकायत को गंभीर प्रकृति का पाया है। इनहाउस प्रक्रिया का पालन किया। सीजेआई ने इस मामले पर विचार करने के बाद जस्टिस वर्मा की प्रतिक्रिया और दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की प्रतिक्रिया पर राय बनाई कि इस पर गहन जांच जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने भेजा था प्रस्ताव

जस्टिस वर्मा को भ्रष्टाचार के आरोपों में पद से हटाने का प्रस्ताव तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भेजा था। जुलाई में लोकसभा में उन्हें पद से हटाने के लिए महाभियोग के प्रस्ताव पर चर्चा हुई।

सुप्रीम कोर्ट से लगा था जस्टिस वर्मा को झटका...

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने इन-हाउस जांच रिपोर्ट को चुनौती दी थी। इस रिपोर्ट में उनके पद से हटाने की सिफारिश की गई थी। मामला उस समय सुर्खियों में आया था जब इस साल की शुरुआत में जस्टिस वर्मा के आवास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कहा कि इन-हाउस कमेटी का गठन और जांच प्रक्रिया में कोई गैरकानूनी पहलू नहीं पाया गया। कोर्ट ने साफ किया कि कमेटी की कार्यवाही संविधान के दायरे में रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिया निर्देश

सजा पूरी कर चुके कैदी तुरंत रिहा करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चिंता जताई कि कई कैदी अपनी सजा पूरी करने के बाद भी जेल में बंद हैं। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि ऐसे सभी कैदियों को तुरंत रिहा किया जाए, जो अपनी सजा पूरी कर चुके हैं और किसी अन्य मामले में दोषी नहीं हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव उर्फ पहलवान की रिहाई का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि यादव ने मार्च 2024 में 20 साल की सजा पूरी कर ली थी, इसलिए उन्हें उसी समय रिहा कर देना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस आदेश की कॉपी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को भेजी जाए, ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं कोई कैदी अपनी सजा की अवधि से ज्यादा समय से जेल में तो नहीं है। कोर्ट ने 29 जुलाई को सुखदेव पहलवान की रिहाई का आदेश दिया था। लेकिन सजा समीक्षा बोर्ड ने उसके आचरण का हवाला देते हुए उसकी रिहाई पर रोक लगा दी थी।

आरक्षण का हो आर्थिक आधार पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। देश में एससी और एसटी को आरक्षण की सुविधा आर्थिक आधार पर मिलना चाहिए। इस आशय को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। इस पर सुनवाई करने को सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। याचिका में सरकारी नौकरियों में आरक्षण की अधिक न्यायसंगत व्यवस्था के लिए नीतियां बनाने का केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने रमाशंकर प्रजापति और यमुना प्रसाद की जनहित याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया है और 10 अक्टूबर तक जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मसले पर सुनवाई करने के लिए सहमति देने के बाद देश में आरक्षण पर नई बहस छिड़ सकती है।

अब छिड़ सकती है नई बहस

पीठ ने भी याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वह भारी विरोध का सामना करने के लिए तैयार रहें, क्योंकि इस जनहित याचिका के दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। याचिकाकर्ताओं ने अधिवक्ता संदीप सिंह के माध्यम से जनहित याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि यह दृष्टिकोण संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 को मजबूत करेगा और मौजूदा आरक्षण सीमा में बिना किसी छेड़छाड़ के समान अवसर सुनिश्चित करेगा। याचिका में कहा गया है कि दशकों से आरक्षण के बावजूद, आर्थिक रूप से सबसे वंचित लोग अकसर पीछे छूट जाते हैं और आरक्षित श्रेणियों के अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति वाले लोग इसका लाभ उठाते हैं लेकिन आय के आधार पर प्राथमिकता देने से यह सुनिश्चित होगा कि मदद वहीं से शुरू हो जहां आज इसकी सबसे अधिक जरूरत है। जनहित याचिका में कहा गया है, अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों से संबंधित याचिकाकर्ता, वर्तमान याचिका के माध्यम से इन समुदायों के भीतर आर्थिक असमानताओं को उजागर करना चाहते हैं, जिसके कारण मौजूदा आरक्षण नीतियों के तहत लाभों का असमान वितरण हुआ है।

ममता सरकार ने नहीं मानी आयोग की बात, दोनों अधिकारियों को निलंबित करने से मना किया

कोलकाता। ममता सरकार ने चुनाव आयोग के आदेश पर जवाब देकर दो अधिकारियों को चुनाव ड्यूटी से हटाया है, लेकिन उन्हें निलंबित करने से मना कर दिया है। ये दोनों अधिकारी मतदाता सूची तैयार करने में कथित अनियमितताओं के आरोपी हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा है कि इन अधिकारियों को निलंबित करना बहुत कठोर कदम होगा, क्योंकि उन्होंने लगातार ईमानदारी और क्षमता दिखाई है। उन्होंने बताया कि ममता सरकार ने इन अधिकारियों को निलंबित करने के बजाय उन्हें चुनाव और निर्वाचक पुनरीक्षण की ड्यूटी से हटा दिया है।

इसके अलावा, ममता सरकार ने मामले की आंतरिक जांच भी शुरू कर दी है और मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया की समीक्षा हो रही है। चुनाव आयोग ने पांच अधिकारियों को निलंबित करने और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था, इसमें दो अधिकारी देबोत्तम दत्ता चौधरी और बिप्लब सरकार पश्चिम बंगाल लोकसेवा (कार्यकारी) रैंक के हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आवारा कुत्तों को लेकर दिए निर्देश पर राहुल गांधी बोले-

ये बेज़ुबान कोई समस्या नहीं, जिन्हें मिटाने की सोच अमानवीय है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आवारा कुत्तों को लेकर दिए निर्देश पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि आवारा कुत्तों को किसी समस्या की तरह मिटाने की सोच अमानवीय है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का सुप्रीम कोर्ट का निर्देश दशकों से चली आ रही मानवीय और विज्ञान-समर्थित नीति से एक कदम पीछे है। ये बेजुबान कोई समस्या नहीं हैं जिन्हें मिटाया जा सके। आश्रय, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल सड़कों को बिना किसी क्रूरता के सुरक्षित रख सकते हैं। कंबल हटाना क्रूर, अदूरदर्शी है और हमारी करुणा को खत्म करता है। हम यह तय कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण साथ-साथ चलें।

बता दें सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक को लेकर चिंता जताई थी। कोर्ट ने नगर निगम दिल्ली और न्यू दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल को तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी आवारा कुत्तों को पकड़ने और हटाने का निर्देश दिया है। यह फैसला बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा तय करने के लिए लिया गया है, जो इन कुत्तों के

हमले और रेबीज जैसी खतरनाक बीमारी के शिकार हो रहे हैं।

कोर्ट ने साफ कहा कि दिल्ली-एनसीआर के हर इलाके से आवारा कुत्तों को उठाना शुरू किया जाए और उन्हें किसी अन्य सुरक्षित जगह पर शिफ्ट किया जाए। इस प्रक्रिया में किसी भी संगठन या व्यक्ति की ओर से बाधा डालने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर कोई कुत्तों को जबरदस्ती पकड़ने में रुकावट डालता है, तो उसे खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि इसके पीछे की वजह हाल के दिनों में दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के बढ़ते हमले हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह खतरा और गंभीर है। रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी का खतरा भी बढ़ रहा है।

हाईकोर्ट की फटकार- गाजा युद्ध को लेकर पुणे में प्रदर्शन हो सकता है तो मुंबई में क्यों नहीं

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस को फटकार लगाते हुए पूछा है कि जब गाजा युद्ध को लेकर पुणे में प्रदर्शन हो सकता है तो मुंबई में क्यों नहीं हो सकता है। बता दें कि कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया मार्क्सिस्ट (सीपीएम) ने गाजा युद्ध को लेकर शहर में प्रदर्शन की इजाजत मांगी थी।वामपंथी दल मुंबई के आजाद मैदान में एक प्रदर्शन करना चाहते थे। गाजा में चल रह युद्ध और सीजफायर की मांग को लेकर वे दुनियाभर के संगठनों का साथ देने के लिए एक रैली करना चाहते थे।

याचिकाकर्ताओं का कहना था कि नरसंहार का सामना कर रहे फिलिस्तीनियों के लिए वे आवाज उठाना चाहते हैं। उनकी मांग है कि गाजा के लोगों तक मानवीय सहायता निर्बाध तरीके से पहुंचनी चाहिए। जस्टिस रवींद्र वी घुगे और जस्टिस गौतम अंखाड़ की बेंच ने पुलिस से कहा कि इसी तरह के प्रदर्शन की इजाजत पुणे में दे दी गई थी। बेंच ने कहा, यह हमारे देश की नहीं बल्कि किसी और देश की समस्या है इसके बावजूद वे प्रदर्शन करना चाहते हैं।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

90 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 12 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 90 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे। जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के ग्राम नेवरगांव के निवासी अजबलाल पिछोड़े बीपीएल सर्वे सूची में नाम जोड़ने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि एक वर्ष पहले ग्राम पंचात रोशना में आयोजित शिविर में उसके द्वारा बीपीएल सूची में नाम जोड़ने के लिए आवेदन दिया गया था। पटवारी द्वारा जांच करने पर उसे पात्र पाया गया, लेकिन आज तक उसका नाम बीपीएल सूची में नही जोड़ा गया है। उसकी पत्नी की आयु भी 63 वर्ष की हो चुकी है और वह दोनो पति पत्नी शारीरिक रूप से कमजोर हो गए है। जिसके कारण उन्हें पालन पोषण में परेशानी हो रही है। अत- उसका नाम बीपीएल सूची में जोड़ा जाए, जिससे उसे शासन की योजनाओ का लाभ मिल सके। इस प्रकरण में बालाघाट तहसीलदार को कार्यवाही करने कहा गया है। खैरलांजी तहसील के ग्राम सालेबर्डी का प्रभुलाल चचाने भारी वर्षा के कारण मकान क्षतिग्रस्त होने पर राहत राशि नही मिलने की शिकायत लेकर आया था। उसका कहना था कि उसके द्वारा ग्राम के पटवारी को मकान गिरने की सूचना दी गई है लेकिन उसके द्वारा अब तक कोई सर्वे नही किया गया है। इस प्रकरण में तहसीलदार खैरलांजी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। कटंगी तहसील के ग्राम मानेगांव का निवासी महेंद्र राउत शिकायत लेकर आया था कि भारतीय स्टेट बैंक तिरोड़ी शाखा द्वारा उसे मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत स्वीकृत ऋण राशि प्रदान नही की जा रही है। महेंद्र का कहना था कि उसे बर्तन दुकान के लिए 05 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है, लेकिन बैंक द्वारा ऋण नही दिये जाने से वह अपना व्यवसाय प्रारंभ नही कर पा रहा है। अत: उसे शीघ्र ऋण राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को कार्यवाही करने कहा गया है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम सालेबर्डी निवासी उमेंद्र खोडपे शिकायत लेकर आए थे कि उसकी पत्नी वंदना ने 24 जनवरी 2022 को जिला चिकित्सालय बालाघाट में प्रथम प्रसव में पुत्र और 02 अप्रैल 2024 को द्वितीय प्रसव में पुत्री को जन्म दिया है। लेकिन उसे अब तक शासन से मिलने वाली प्रसूति सहायता की राशि नही मिली है। जबकि वह मप्र भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल भोपाल का पंजीकृत श्रमिक है। अत- उसे शीघ्र यह सहायता राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में सांदीपनी विद्यालय वारासिवनी से सेवानिवृत्त हुए गोपाल प्रसाद दुबे शिकायत लेकर आए थे कि वे 31 दिसम्बर 2024 को सेवानिवृत्त हो गए है, लेकिन अब तक उन्हें अवकाश नगदीकरण, समयमान वेतन, यात्रा भत्ता का भुगतान नही किया गया है। जिसके कारण उसे आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अत: उसे बकाया राशि का शीघ्र भुगतान कराया जाए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। किरनापुर तहसील के ग्राम मोहगांव खुर्द का चम्हारू जी काटेकर शिकायत लेकर आया था कि उसे पिछले 01 वर्ष से पेंशन नही मिल रही है। कारण पता करने पर बताया गया कि आधार कार्ड में उसकी आयु 42 वर्ष है, जिसके कारण उसे पेंशन नही मिल रही है। स्कूल की अंकसूची एवं जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार उसकी आयु 74 वर्ष हो चुकी है। उसके आधार कार्ड में सुधान नही होने के कारण वह 01 वर्ष से पेंशन के लाभ से वंचित है। अत: उसे शीघ्र पेंशन राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में जनपद पंचायत किरनापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में संजय निकुंज हट्टा से सेवानिवृत्त श्रमिक रेखलाल बावनउके शिकायत लेकर आया था कि वह 1984 से 2020 तक 35 वर्ष 11 माह की सेवा के उपरांत सेवानिृत्त कर दिया गया है। उसका अंतिम वेतन 20 हजार 320 रुपये का है लेकिन सहायक संचालक उद्यान द्वारा उसे सम्पूर्ण उपदान की राशि का भुगतान नही किया गया है। इस पर उसके द्वारा श्रम पदाधिकारी को आवेदन दिया गया था, जिसमें उनके द्वारा मार्च 2025 में सहायक संचालक उद्यान को 01 लाख 92 हजार 535 रुपये उपदान राशि भुगतान करने का आदेश दिया गया है, लेकिन उसे अब तक इस राशि का भुगतान नही किया गया है। इस प्रकरण में सहायक संचालक उद्यान को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। ऐसी ही शिकायत कटंगी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत चिकमारा से सचिव के पद से 30 जून 2021 को सेवानिवृत्त हुए धीरज सिंह पारधी लेकर आए थे। उनका कहना था कि श्रम पदाधिकारी द्वारा जनपद सीईओ को 05 लाख 26 हजार 175 रुपये उपदान राशि भुगतान का आदेश 27 जनवरी 2025 को दिया गया है, लेकिन अब तक उसे यह राशि नही दी गई है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम बिरसोला का संजय कातुरे शिकायत लेकर आया था कि राष्ट्रीय उसने आजीविका मिशन के अंतर्गत उसे बकरी पालन योजना में 100 मादा बकरी व 05 नर बकरे के लिए ऑनलाईन आवेदन किया है। उसे 20 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया है। जिसमें 10 लाख रुपये शासन का अनुदान है। उसका प्रकरण सेंट्रल बैंक खैरी भटेरा शाखा में आ गया है, लेकिन शाखा प्रबंधक द्वारा उसे 20 लाख रुपये की सिक्योरिटी राशि जमा करने कहा जा रहा है। वह यह राशि जमा करने में सक्षम नही है। अत: उसकी इस समस्या का निराकरण किया जाए। इस प्रकरण में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवा को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वार्ड न.31 सरेखा बालाघाट निवासी विरेंद्र भंडारकर शिकायत लेकर आया था कि उसकी बकरी के पिछले पैर में छोटा सा फ्रैक्चर होने पर वह उपचार के लिए पशु चिकित्सालय बालाघाट लेकर गया था। वहां पर डॉ. पूजा धुर्वे द्वारा बकरी के पैर में लापरवाही पूर्वक पक्का बैंडेज कर दिया गया। जिसके कारण बकरी का पैर खराब हो गया और पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा ऑपरेशन करके बकरी का पैर काट दिया गया है। डॉ. पूजा धुर्वे द्वारा की गई लापरवाही पर कार्यवाही के लिए उसने सीएम हेल्पलाईन शिकायत दर्ज कराया है, लेकिन डॉ. धुर्वे द्वारा इस शिकायत को वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। अत: बकरी के पैर को काटने के लिए जिम्मेदार डॉ. पूजा धुर्वे पर कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवा को कार्यवाही करने कहा गया है।

लोक निर्माण विभाग में भृत्य के पद पर कार्यरत अनिल गुजर शिकायत लेकर आया था कि उसके आधार कार्ड की जन्म तिथि में सुधार नही होने के कारण वह आईएफएमएस में समग्र को आधार से लिंक नही कर पा रहा है। जिसके कारण उसे पूर्व माह से वेतन नही मिला है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। अत- उसे शीघ्र वेतन दिलाया जाए। इस प्रकरण में लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को कार्यवाही करने कहा गया है। लालबर्रा विकासखंड के ग्राम भांडामुर्री का दिनेश माहले शिकायत लेकर आया था कि उसकी पत्नी शांताबाई माहले की 29 नवम्बर 2019 को मृत्यु हो गई है। लेकिन मृत्यु के 03 वर्ष बाद ग्राम पंचायत के प्रभारी सचिव संतोष जुगनाके एवं सरपंच छाया मेश्राम द्वारा शांताबाई के नाम से प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर फर्जी तरीके से उसकी राशि का गबन किया गया है। मृतक शांताबाई के नाम से आवास में मजदूरी भुगतान के लिए 18 से 31 जुलाई 2024 तक का मस्टर तैयार कर 8505 रुपये का भुगतान किया गया है। अत- इसकी जांच कर दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लालबर्रा को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

शराब के नशे में पिता द्वारा फटकार लगाने से गुस्साये युवक ने खाया कीटनाशक

लामता थाने के ग्राम कछुरना की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शराब के नशे में पिता द्वारा डांट फटकार लगाने से गुस्साये एक युवक ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। यह युवक निकेश पिता शिवलाल मरावी 17 वर्ष ग्राम कछुरना थाना लामता निवासी है। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार निकेश मरावी खेती किसानी करता है। निकेश ने पिछले वर्ष कक्षा नवी की पढ़ाई करने के बाद छोड़ दिया था। 12 अगस्त को 3-00 बजे करीब निकेश अपने घर में था। उसी समय उसका पिता शिवलाल और मां गांव से ही शराब पीकर घर आए और घर में किसी बात को लेकर दोनों लड़ाई झगड़ा करने लगे थे। निकेश ने उन्हें लड़ाई झगड़ा करने से मना किया। तभी निकेश को उसके पिता ने डांट फटकार लगा दिया था। जिसके मानसिक तनाव में आकर निकेश ने घर में रखी कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया और खाट में सो गया था। निकेश को कीटनाशक दवाई का सेवन करते हुए उसकी माँ ने देखी और रोने लगी, रोते हुए घर के बाहर निकली ।आवाज सुनकर मोहल्ले पड़ोस के लोग आए तब निकेश को उसके दोस्त रवि मरकाम और तपेश उइके ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। बताया गया है कि निकेश का पिता शिवलाल मरावी आए दिन शराब पीकर घर में लड़ाई झगड़ा करते रहता है। जिसके कारण घर में परिवार वालों को परेशानी होती रहती है। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक सूर्यकांत मरकाम ने निकेश मरावी का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लामता भिजवा दी है।

आम सूचना

मैं मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी अपने पक्षकार श्री पंकज कुमार पिता श्री सुखराम घोरमारे जाति माना निवासी ग्राम कालीमाटी तह: लांजी जिला बालाघाट की ओर से अधिकृत होकर आम जनता को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार के एकमेव स्वामित्व व आधिपत्य की मौंजा ग्राम कोसमी प.ह.नं. १८/४६,रा.नि.मं.बालाघाट १ तह: व जिला बालाघाट में स्थित खसरा नं. १९८/३/१/१/२ रकबा ०.०२२ हे. परिवर्तित भूमि स्थित है। इस भूमि को मेरे पक्षकार ने विक्रेता श्री लिखीराम पिता श्री हंसलाल उपवंशी से दिनांक २१/१०/२०१९ को क्रय किया है और विक्रय पत्र का पंजीयन उपपंजीयन कार्यालय बालाघाट में हुआ जिसका ई.पंजीयन क्रमांक एमपी ०११६७२०१९ ए १७१४६०२ है। किंतु इस भूमि का विक्रय पत्र दिनांक २१/१०/२०१९ असल कंही गुम हो चुका है जो बहुत कोशिश करने के बाद भी प्राप्त नही हुआ है। यह कि वर्णित भूमि को मेरे पक्षकार के द्वारा भारतीय स्टेट बैंक में बंधक रखे जाने हेतु प्रस्तावित किया गया है अत: इस भूमि व विक्रय पत्र दिनांक २१/१०/२०१९ के संबंध में किसी भी बैंक, संस्था या व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह ७ दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में प्रस्तुत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नही की जायेगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है
दिनांक १२/०८/२०२५

प्रेषक- मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता
सिविल कोर्ट वारासिवनी

कार्यालय ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा
जनपद पंचायत बालाघाट तहसील बालाघाट
जिला बालाघाट (म.प्र)

निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत केशलेवाडा में नवीन पंचायत भवन निर्माण सामग्री हेतु निविदा वर्ष 2025 के लिए आमंत्रित की जाती है ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा मे वर्ष 2025 मे स्टांप शुल्क से नवीन पंचायत भवन निर्माण सामग्री रेत, सीमेंट, गिट्टी ,लोहा ,इलेक्ट्रॉनिक उपकरण , टाइल्स सहित अन्य आवश्यक निर्माण सामग्री एवं सभी उपकरण लगाने के लिए निविदा प्रकाशन तिथि के 3 दिनों के भीतर निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता की फर्म रजिस्टर्ड होना आवश्यक है निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

श्री राधेश्याम मते — सरपंच
श्री संतोष बिसेन — उपसरपंच
श्रीमती साधना नगपुरे — सचिव
श्री संतोष बम्बुरे — सहायक सचिव
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा

भेंडारा में शौचालय का विवाद एक महिला को उसके पति सास और नंनद ने लाठी हाथ बुक्के से की मारपीट

घायल महिला टिलेश्वरी विश्वकर्मा जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। महज शौचालय के विवाद को लेकर एक महिला को उसके पति सास और नंनद ने हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट कर घायल कर दिए। घरेलू विवाद के चलते यह घटना 11 अगस्त की रात्रि रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भेंडारा में हुई। मारपीट में

घायल महिला टिलेश्वरी पति भूपेंद्र विश्वकर्मा 40 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार टिलेश्वरी विश्वकर्मा का कपड़े सिलाई का काम करती है वही उसका पति भूपेंद्र विश्वकर्मा स्वयं का ट्रैक्टर चलाता है। जिनके दो बच्चे हैं जिनमें 12 वर्ष की एक बेटी है और 5 वर्ष का बेटा है। बताया गया है कि घरेलू विवाद के चलते टिलेश्वरी विश्वकर्मा 2 वर्ष से अलग रहती है और उसका पति भूपेंद्र विश्वकर्मा अपने माता-पिता के साथ में रहता है। टिलेश्वरी के घर में दो शौचालय है। जिनमें एक शौचालय खराब हो चुका है। जिसके कारण टिलेश्वरी और उसके बच्चों को शौच के लिए बाहर जाना पड़ता था। और बच्चों को परेशानी होती थी। गर्मी में टिलेश्वरी ने शौचालय को बना ली थी किंतु बारिश के मौसम में वह शौचालय खराब हो चुका था। टिलेश्वरी ने परिवार वालों को कई बार शौचालय को बनवाने के लिए बोली किंतु उन्होंने इस और कोई ध्यान नहीं दिए। जिसके कारण टिलेश्वरी और उसके बच्चों को शौचालय जाने में परेशानी होने लगी थी।। 11 अगस्त की रात्रि 9:00 बजे करीब टिलेश्वरी के छोटे बेटे को शौच लगने के कारण टिलेश्वरी ने उसे रोड किनारे बंधी तरफ शौच के लिए बैठा दी थी। इसी को लेकर टिलेश्वरी को उसकी सास तेजन बाई उसे चरित्र को लेकर के अश्लील गालियां देने लगी थी। टिलेश्वरी ने बोली कि ये सब गालियां तुम अपने बेटे को ही दो। मुझे नहीं , टिलेश्वरी के यह कहते ही उसकी सास तेजन बाई आवेश में आएगी। दोनों सास बहू के बीच जमकर विवाद होने लगा। तभी टिलेश्वरी को उसके पति भूपेंद्र विश्वकर्मा सास तेजन बाई विश्वकर्मा और नंनद लेखादेवी विश्वकर्मा ने हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट मारपीट करने लगे। टिलेश्वरी के चिल्लाने की आवाज सुनकर मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। मारपीट में घायल टिलेश्वरी को 108 एंबुलेंस से खैरलांजी के अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया था। जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

पति सास और नंनद ने मारपीट किए-टिलेश्वरी विश्वकर्मा

टिलेश्वरी विश्वकर्मा ने बताई कि घर में दो टॉयलेट है। एक टॉयलेट एक साल से खराब है। परिवार वालों को इस टॉयलेट को सुधारने के लिए बोली किंतु ध्यान नहीं दिया गया। कल रात बच्चे को घर के सामने बैठा दी थी इसी को लेकर के सास पति नंनद ने मारपीट किए। इसके पहले भी पति सास ननंद ने मारपीट किये और घर से निकाल दिए थे। वह 2 साल से बच्चों को लेकर अलग रह रही है।

वार्ड नं. 33 में शराब बिक्री की न दी जाए अनुमति

नवजीवन नशा मुक्ति समिति ने सौपा ज्ञापन, महिलाएं बोली कुछ लोग लाइसेंस लेकर दुकान खोलने की कह रहे बात

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 33 को नशा मुक्ति वार्ड बनने और नशे की गिरफ्त में आ चुके युवाओं को नशे से बचने के लिए वार्ड नंबर 33 की महिलाओं द्वारा करीब 1 वर्ष पूर्व नवजीवन नशा मुक्ति समिति का गठन किया गया था।जिसके माध्यम से महिलाएं शराब की अवैध ब्रिकी करने वालों, शराब बनाने वालों और शराब पीने वालों के खिलाफ पुलिस से कार्यवाही कराकर उन्हें नशे से दूर रहने की नसीहत देतीं है। तो वहीं महिलाएं रात रात भर जगाकर गांव का भ्रमण कर, ग्रामीणों को नशे से दूर रखने का प्रयास करती है। जिसकी वजह से वार्ड नंबर 33 में करीब 10 माह से शराब की खरीदी बिक्री और उसके सेवन पर पूरी तरीके से रोक लग गई है।लेकिन अब समिति की महिलाओं को वार्ड में शराब की दुकान खुलने का डर सताने लगा है।समिति की महिलाओं के अनुसार वार्ड में कुछ लोगों द्वारा सरकारी लाइसेंस बनाकर वार्ड में शराब दुकान खोलने और उसकी बिक्री करने की बात कही जा रही है।जिससे महिलाएं परेशान है। जिन्होंने इस पूरे मामले को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपा है।इस ज्ञापन में उन्होंने उनके वार्ड नंबर 33 में शराब दुकान खोलने की अनुमति न देने और वार्ड के लिए किसी तरह का लाइसेंस जारी न किए जाने की गुहार लगाई है। नवजीवन नशा मुक्ति समिति जिला अध्यक्ष पूर्णिमा राउत सहित समिति की अन्य पदाधिकारी, सदस्य महिलाओं का आरोप है कि अक्सर जिन गांव या वार्ड में नशा मुक्ति अभियान के तहत शराब की खरीदी बिक्री और उसके सेवन पर रोक लगाई जाती है।उस गांव या वार्ड के कुछ लोग लाइसेंस बनाकर शराब की दुकान खोल लेते हैं जिससे महिलाओं द्वारा चलाया जाने वाला नशा मुक्ति अभियान असफल हो जाता है और गांव के लोग पुन: नशे के आदी होने लगते हैं. ।जिसकी आशंका को भागते हुए उनके द्वारा यह ज्ञापन सौपा गया है।जिसमें शराब बिक्री के लिए लाइसेंस व उनके वार्ड में कहीं पर भी शराब दुकान खोलने की अनुमति न दिए जाने की गुहार लगाई जा रही है।

भविष्य में भी वार्ड में स्थापित न हो शराब दुकान-पूर्णिमा

इस दौरान पूर्णिमा राऊत ने बताया कि हमारे क्षेत्र में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति पर रोक लगाने व वार्ड में अवैध रूप से विक्रय की जा रही शराब पर प्रतिबंध लगाने नवजीवन नशा मुक्ति संगठन का गठन किया गया है। जिसमें वार्ड के जनप्रतिनिधि व सभी प्रबुद्धजनों का भी पूर्ण सहयोग मिल रहा है। संगठन द्वारा वार्ड में चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान को सफलता भी मिली है। वार्ड में अवैध शराब बिक्री पर रोक लगा है व सार्वजनिक स्थानों व खुले स्थानों पर शराब का सेवन करने वालों पर कार्यवाही किये जाने से इस पर अंकुश लगा है। वार्ड में शराब की बिक्री होने से लोगों के घर परिवार व क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा था। मंदिर के समीप व नदी तट पर नशेडियों का जमावड़ा लगा रहता था। जिससे महिलाएं व लड़कियां मंदिर व नदी घूमने आने में संकोच करते थे। उन्होंने बताया कि हमारे संगठन को पुलिस प्रशासन का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। हमारी कलेक्टर व पुलिस प्रशासन से मांग है कि वार्ड में शराब बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा रहे और भविष्य में शराब दुकान स्थापित न हो।

आजादी के अमृत महोत्सव पर निकाली गई तिरंगा रैली

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खैरलांजी एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत तिरंगा रैली निकाल कर हर घर घर तिरंगा के नारे लगाते हुए विद्यालय प्रांगण से प्रारंभ कर सालेटेका रोड़ होते हुए आंबेडकर चौक से जनपद पंचायत होते हुए विद्यालय प्रांगण पर शपथ दिलाई गई। साथ ही रैली के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को नारे के माध्यम से तिरंगे का महत्व एवं आजादी का महत्व का संदेश दिया गया । और हमारे देश को सुरक्षित रखने के लिए हमारे सैनिक शक्ति का किस प्रकार योगदान रहता है और वह किस प्रकार से हमारे देश को सुरक्षित रखती है यह विद्यार्थियों को बताया गया। दिव्या मोहारे ने बताया की यह अभियान मध्य प्रदेश शासन के द्वारा २ अगस्त से १५ अगस्त तक हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव के रूप में चलाया जा रहा है। इसके तहत रंगोली प्रतियोगिता आसन एवं निबंध प्रतियोगिता कराई जा रही है। इस अवसर पर दीपिका उके, भुवनेश्वरी बिसेन ,रत्नेश गुप्ता ,मनोज बिसेन ,कपिल अठराहे ,कोमल प्रसाद लिल्हारे, ढेकचंद ठाकुर, दुर्गेश्वरी बिसेन ,जय नारायण बिसेन, त्रिवेणी कटरे ,सविता पांचे ,विजय बघेले ,उत्तम मेश्राम ,कांता धनवंतरी मौजूद रहे।

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

वार्ड की समस्याओं को लेकर वार्ड पार्षद ने नगर पालिका के सामने दिया धरना

नपा. अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी के मौखिक आश्वासन पर धरना हुआ स्थगित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वार्ड में मूलभूत सुविधाएं नहीं दिए जाने और वार्ड में निर्माण कार्य नही किये जाने के कारण वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष डहरवाल द्वारा नगर पालिका के गेट के सामने अनिश्चितकाल के लिए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया गया हैं। आशुतोष ने बताया कि 11 और 12 अगस्त की दरमियां रात्रि में जब वह धरना प्रदर्शन के लिए टेंट लगा रहा था तो नगर पालिका द्वारा उनके टेंट को हटा दिया गया था। किंतु पुनः उन्होंने 12 अगस्त की सुबह गेट के सामने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

आपको बता दे कि बीते दिनों ही वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष डहरवाल द्वारा वार्ड में विकास कार्य नहीं होने और वार्ड की समस्याओं की सुनवाई नहीं होने के कारण नगर पालिका के गेट के सामने अनिश्चितकाल के लिए धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी गयी थी ।उसके बावजूद भी नगर पालिका द्वारा मूलभूत सुविधाएं और नियमित रूप से कचरा का उठाव नहीं होने के कारण अब 12 अगस्त से नगर पालिका के सामने टेंट लगाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया गया है । पार्षद आशुतोष डहरवाल द्वारा बताया गया कि उन्होंने पहले आवेदन और निवेदन कर नगर पालिका में अपनी समस्याएं और वार्ड के विकास कार्यों को लेकर ज्ञापन दिया था । कई बार परिषद की बैठक में भी उन्होंने वार्ड के मुद्दों को परिषद की बैठक में रखा था । 3 वर्षों बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हुई। इसलिए वह 12 अगस्त से अनिश्चित समय के लिए धरने पर बैठ गये हैं । आशुतोष ने यह भी बताया कि उनके इस धरने को प्रभावित करने के लिए नगर पालिका द्वारा उनके टेंट को हटा दिया गया था ।बावजूद भी उन्होंने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया हैं । उन्हें उनके ही पक्ष के पुरे नगर पालिका के 11 पार्षदों का समर्थन नहीं मिला है। उनके साथ अभी कुछ ही पार्षद धरने में बैठ रहे हैं।

कांग्रेस पार्षदों का नहीं मिला पूरा समर्थन

नगर पालिका में कांग्रेस के 11 पार्षद है। जिसमें कांग्रेस पार्षद आसुतोष को पूरे कांग्रेसी पार्षदों का समर्थन नहीं मिला ।धरना प्रदर्शन में कुछ ही कांग्रेस के पार्षद दिखाई दिए। जबकि कुछ अन्य पार्षदों ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि आशुतोष द्वारा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ यह प्रदर्शन किया जा रहा हैं । इस कारण वह उनके धरना प्रदर्शन में सम्मिलित नहीं हुए। यदि आशुतोष नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ धरना प्रदर्शन करते तो वह अवश्य उनके प्रदर्शन में शामिल होते।

आश्वासन पर समाप्त हुआ धरना

पार्षद आशुतोष द्वारा दूरभाष पर जानकारी देते हुए शाम 6:00 बजे बताया गया कि उन्होंने अपना धरना रोक दिया है। उन्हें शाम को नगर पालिका अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा धरना स्थल में पहुंचकर मौखिक रूप से आश्वासन दिया गया है , कि उनकी प्रमुख समस्या को एक सप्ताह के अंदर समाधान कर दिया जाएगा । इस मिले मौखिक आश्वासन पर उन्होंने अभी धरने को स्थगित कर दिया है ।यदि एक सप्ताह बाद उनकी मांगे पूरी नहीं होती तो वह पुनः अपना धरना प्रदर्शन शुरू कर देंगे।

शहीद जवानों को समर्पित भव्य तिरंगा यात्रा आज

भारत माता, वीरांगनाओं की झांकियां रहेंगी मुख्य आकर्षण का केंद्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । देशभक्ति के रंग में रंगने और शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से बालाघाट टैलेंट संस्था एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार 13 अगस्त को नगर मुख्यालय में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है। यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए वीर जवानों के बलिदान को समर्पित होगी। जिसकी सम्पूर्ण तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर 12 अगस्त मंगलवार को सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इसमें बालाघाट टैलेंट संस्था के अध्यक्ष तपेश असाटी, सचिव आशीष मिश्रा एवं संरक्षक रमेश रंगलानी ने बताया कि यात्रा का शुभारंभ हनुमान चौक से होगा,जिसके लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।जिला प्रशासन के सहयोग से इस आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

ऐतिहासिक व सांस्कृतिक झांकियां रहेंगी मुख्य आकर्षण का केंद्र

आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पदाधिकारी ने बताया कि इस तिरंगा यात्रा में आकर्षण का मुख्य केंद्र ऐतिहासिक व सांस्कृतिक झांकियां होंगी, जिनमें भारत माता, रानी अवंती बाई, रानी दुर्गावती और महारानी लक्ष्मीबाई की भव्य झलक देखने को मिलेगी।

देशभक्ति गीतों और नारों से गूंजेगा माहौल

आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान बताया गया कि बुधवार को नगर में आयोजित तिरंगा रैली के दौरान हजारों की संख्या में स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राएं, पुलिस अधीक्षक, कलेक्टर, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक संस्थाएं और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष सेठिया ने भी तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन न केवल शहीदों के प्रति सम्मान है, बल्कि युवा पीढ़ी को देशभक्ति का संदेश भी देगा।तिरंगा यात्रा से पूरे नगर में देशभक्ति का ज्वार उमड़ेगा और शहीदों की शौर्य गाथाएं जन-जन तक पहुंचेंगी।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस ने किया पुतला दहन

भाजपा सरकार पर चुनाव में वोट चोरी का लगाया आरोप

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।वोटर लिस्ट में वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आवाज उठाते हुये भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया था। जिसमें राहुल गांधी की प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने गिरफ्तारी की थी। राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदेश ही नहीं जिले स्तर पर भी कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है । इसी क्रम में 12 अगस्त को स्थानीय हनुमान चौक में कांग्रेस पदाधिकारी द्वारा पुतला दहन किया गया । भाजपा सरकार पर चुनाव के समय वोट चोरी करने का आरोप लगाया गया । कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा सबसे पहले कांग्रेस कार्यालय से वोट चोर मुर्दाबाद के नारे लगा हुआ पुतला हनुमान चौक में रैली के रूप में लाया गया और यहां पुतला दहन करते हुए जमकर नारेबाजी की गई। आपको बता दे कि वोटर वेरीफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी के मामले की गूंज मंगलवार को बालाघाट में भी सुनाई दी। कांग्रेस ने इन विषयों सहित कांग्रेस नेताओ की गिरफ्तारी पर आक्रोश जाहिर करते हुए केन्द्र सरकार का पुतला फूंका। कांग्रेस कार्यालय से कांग्रेस केन्द्र सरकार का पुतला लेकर निकले, जिसमें चुनाव आयोग का भी पोस्टर लगा था। कांग्रेस झंडे के साथ कांग्रेसी, राहुल गांधी, जिंदाबाद के नारे लगाते हुए हनुमान चौक पहुंचे। यहां उन्होंने पुतला दहन किया। हालांकि दहन के बाद

नगरपालिका फायर वाहन ने औपचारिकता निभाते हुए जल रहे पुतले पर पानी की बौछार की। जिससे कई कांग्रेसी भीग गए। कांग्रेस शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने बताया कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में संविधान और चुनाव जीतकर, सरकारे सत्ता में बैठती है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार, लोकतंत्र का गला घोंट रही है। चुनाव में वोटो की चोरी हो रही है, जिसका खुलासा, गत दिनो, हमारे नेता राहुल गांधी कर चुके है, जिसमें बताया गया कि किस प्रकार एक ही घरो में बड़ी संख्या में वोटर को बताया गया लेकिन वहां, उतने वोटर नहीं थे। जिसे देखने के बाद भी चुनाव आयोग, खामोश है, जो प्रदर्शित करता है कि चुनाव आयोग, सरकार के हाथो बिक चुका है। मोदी सरकार ने संवैधानिक और जांच संस्थाओं का गला दबाकर, उसे अपने कब्जे में कर लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो वोट चोरी का पर्दाफाश किया और मामले में कार्यवाही को लेकर महागठबंधन, जब शांतिपूर्ण पैदल मार्च करते हुए चुनाव आयोग के पास जा रहा था। उस दौरान, मोदी सरकार ने कार्यवाही करते हुए, कांग्रेस और महागठबंधन के नेताओं को गिरफ्तार किया। जिसका कांग्रेस विरोध दर्ज करती है। कांग्रेस मांग करती है कि वोटो की चोरी से बनी सरकार तत्काल इस्तीफा दे। इस पुतला दहन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता और कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय हनुमान चौक में भी यातायात पुलिस के साथ कोतवाली थाने का पुलिस बल भी नजर आया ।

स्कूल में बैठक व्यवस्था की मांग को लेकर कक्षा छोड़कर छात्र पहुंचे जनसुनवाई में आवेदन देने

स्कूल में मूलभूत सुविधा दिए जाने की करी मांग, पूरा मामला लामता क्षेत्र की कुकड़ा शासकीय हाईस्कूल का

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लामता के कुकड़ा शासकीय हाईस्कूल के लगभग आधा दर्जन से अधिक बच्चे मंगलवार को लगने वाली जनसुनवाई में जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने जनसुनवाई में आवेदन देते हुए बताया कि उनकी स्कूल में बैठक व्यवस्था सही नहीं है। उन्हें आज भी जमीन पर बैठकर ही पढ़ाई करना पड़ता है। जबकि स्कूल भवन जर्जर होने के कारण कक्षा में नमी बनी हुई है । अधिक बारिश होने पर भवन की छत से पानी गिरता है और उनकी ड्रेस खराब हो जाती है। उन्होंने कलेक्टर से गुहार लगाई है कि स्कूल में बैठक व्यवस्था के साथ मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जाए। आपको बता दे की भले ही शिक्षा विभाग शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए कई योजनाएं और कई प्रयास कर रहा हो, किंतु अभी भी जमीनी स्तर पर स्कूल भवनों की स्थिति और छात्र-छात्राओं को दी जाने वाली सुविधाएं आज भी छात्र-छात्राओं तक नहीं पहुंच रही है। यही कारण है कि आज छात्र अपनी कक्षाओं को अटेंड करने की जगह बच्चे पढ़ाई छोड़कर अपनी मांग का आवेदन देने जिला मुख्यालय पहुंच रहे हैं । जिसका एक छोटा उदाहरण 12 अगस्त को लगने वाली जनसुनवाई को देखने मिला। यहां स्कूल के आधा दर्जन से अधिक बच्चे अपनी कक्षा छोड़कर अपनी समस्या का आवेदन देने जिला मुख्यालय पहुंचे पूरा मामला जिले की लामता के कुकड़ा शासकीय हाईस्कूल में पिछले 15 साल से बच्चों को बैठने के लिए फर्नीचर उपलब्ध नही हो सका है और न ही इतने वर्षों में यहां कोई सफाईकर्मी नियुक्त हो सका है। मंगलवार को इस स्कूल के कुछ विद्यार्थी प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराने कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने इस संबंध में कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थी अक्षत बिसेन और परिजन अभय पिछोड़े ने बताया कि कुकड़ा शासकीय हाईस्कूल का संचालन लगभग 14-15 वर्षों से हो रहा है लेकिन आज तक शाला में छात्रों को बैठने के लिए फर्नीचर उपलब्ध नहीं है। न ही शाला में कोई सफाई कर्मचारी है। वर्षाकाल में अधिक वर्षा होने पर जमीन पर नमी रहती है। छोटे-छोटे जीव जंतु इस क्षेत्र में विचरण करते हैं। इससे विद्यार्थियों को हमेशा डर का सामना करना पड़ता है। चूंकि ये स्कूल नदी के किनारे स्थित है, इसलिए यहां पढ़ने वाले बच्चों को अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने संबंधित विभाग और जिला कलेक्टर से मांग करी है, कि उनकी स्कूल में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ बैठक व्यवस्था पीने के लिए साफ पानी की व्यवस्था जल्द से जल्द की जाए ।

24 घन्टे के भीतर मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार- दो मोटरसाइकिल जप्त

गिरफ्तार आरोपी रोहित राजपूत से पूछताछ की जा रही है, इस आरोपी ने छिंदवाड़ा से भी की थी एक मोटरसाइकिल चोरी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । लामता पुलिस ने ढूटी बांध से चोरी गई एक मोटरसाइकिल को 24 घन्टे के भीतर लामता स्थित एक खंडहर से जप्त की तो इस मोटरसाइकिल चोरी करने के आरोप में एक युवक को भी गिरफ्तार कर लिए। गिरफ्तार युवक रोहित पिता सुरेंद्र राजपूत 22 वर्ष नंबर 1 लामता निवासी है। युवक के मेमोरेंडम पर पिछले वर्ष अक्टूबर 2024 में चोरी गई मोटरसाइकिल थाना कोतवाली छिंदवाड़ा से जप्त की गई है। दोनों मोटरसाइकिल की कीमत 1लाख 20 हजार रुपये बताई गई है। इस मामले गिरफ्तार रोहित राजपूत से अन्य चोरी के संबंध में पूछताछ की जा रही है। लामता पुलिस के मुताबिक 7 अगस्त को सफीउल्लाह कुरैशी अपने दोस्त सेफ उर्फ शोएब अली के साथ एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल एमपी 50 एम के 5705 में ढूटी डेम मछली पकड़ने के लिए गए थे। दोपहर 3:00 बजे करीब सफीअल्लाह कुरैशी ने अपनी मोटरसाइकिल को मंदिर के पास खड़ी कर दी थी और मछली पकड़ने के लिए चले गए थे। शाम 6:00 बजे जब मछली पकड़ने के बाद वापस आए तो देखे मंदिर के पास मोटरसाइकिल नहीं थी। सतीउल्लाह कुरैशी ने अपने दोस्त सेफ उर्फ शोएब अली के साथ मोटरसाइकिल कीखोजबीन में किये। किंतु मोटरसाइकिल का पता नहीं चला। 11 अगस्त को सफीउल्लाह कुरैशी द्वारा की गई रिपोर्ट पर लामता पुलिस थाने में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 303(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था और अपराध दर्ज होने के बाद से मोटरसाइकिल की तलाश शुरू की गई थी। इस दौरान 11 अगस्त को लामता के पट्रोल पम्प के स्थित पत्ता गोदाम के खंडहर में यह मोटरसाइकिल पाई गई। जिसे बरामद किया गया। पूछताछ में पता चला की इस मोटरसाइकिल को रोहित राजपूत ने ढूटी डेम से चुरा कर लाया था। रोहित राजपूत को पूछताछ करने पर उसने इस मोटरसाइकिल की चोरी करना कबूल किया और उसी के मेमोरेंडम मे पिछले वर्ष अक्टूबर माह 2024 में छिंदवाड़ा कोतवाली क्षेत्र से चोरी गई एक मोटरसाइकिल जप्त की गई। मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 28 एन ए 0266 अनिल पंचेश्वर 20 वर्ष वार्ड नंबर 11 लामता निवासी की है। छिंदवाड़ा कोतवाली में इस मोटरसाइकिल चोरी करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध 303(3) भारतीय न्याय संहिता

के तहत अपराध दर्ज किया गया था।जप्त की गई दोनों मोटरसाइकिल की कीमत 1 लाख 20हजार रुपये। इस मोटरसाइकिल की चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार रोहित राजपूत से पूछताछ की जा रही है।

रोहित से दोनों मोटरसाइकिल जप्त कर ली गई- लामता थाना प्रभारी नितिन पटले

लामता थाना प्रभारी नितिन पटले ने बताये की ढूटी डेम से चोरी गई मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स लामता के सफीउल्लाह कुरैशी की है । मोटरसाइकिल की काफी तलाश करने पर भी नहीं मिले पर 11 अगस्त को रिपोर्ट की गई थी। सूचनासंकलन के दौरान दो-तीन सफेक्ट थे उन्हें अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। रोहित राजपूत ने ढूटी डेम से मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया वहीं पूछताछ में इस आरोपी ने अनिल पंचेश्वर लामता निवासी की मोटरसाइकिल छिंदवाड़ा से चोरी करना बताया। दोनों मोटरसाइकिल जप्त कर ली गई है और रोहित राजपूत से अन्य आपराधिक प्रकरण में चोरी गए माल के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

कीटनाशक दवा सेवन में आने से बेहोश कृषक की जिला अस्पताल में मौत

लामता थाने के ग्राम अलीपुर निवासी है कृषक गोविंद प्रसाद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । खेत में कीटनाशक दवाई दवाई का छिड़काव करते समय कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से बेहोश एक कृषक की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई है। मृतक कृषक गोविंद प्रसाद पिता झाम सिंह उइके 55 वर्ष ग्राम अलीपुर थाना लामता निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस कृषक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोविंद प्रसाद अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते थे जिसके परिवार में पत्नी एक लड़का एक लड़की है। लड़का राजकुमार की शादी हो चुकी है। वह भी अपने पिता गोविंद प्रसाद के साथ खेती किसानी करता है। बताया गया है कि 11 अगस्त को दो पर 3:00 बजे करीब गोविंद प्रसाद अपने खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए गया था और शाम 5:30 कृषक गोविंद प्रसाद खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के बाद अपने घर पहुंचा और कुछ अच्छा नहीं लगने पर वह खाना खाकर सो गया था। रात्रि 8:00 बजे करीब अचानक कृषक गोविंद प्रसाद की तबीयत खराब हो गई और उसे चक्कर आने लगे थे। तब परिजनों ने उसे लामता के अस्पताल में भर्ती किए थे। लामता के अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बात कृषक गोविंद प्रसाद को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान रात्रि 2:00 बजे करीब कृषक गोविंद प्रसाद की मौत हो गई। 12 अगस्त को सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक कृषक प्रसाद गोविंद प्रसाद का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय अचानक कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से कृषक गोविंद प्रसाद अस्वस्थ हो गया जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लामता भिजवा दी है।

चेताने पर भी नही जागा सड़क विभाग, जिला पंचायत सभापति ने सड़क में बने गड्ढों का करवाया मरम्मत कार्य

बालाघाट से सिवनी, लालबर्रा से अमोली-समनापुर मार्ग का निर्माण करवाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से गुजरे बालाघाट से सिवनी हाई मार्ग में विश्राम गृह से लेकर मजार तक एवं लालबर्रा बस स्टैण्ड से लेकर अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के 600 मीटर तक सड़क पूरी तरह से खराब हो चुकी थी एवं जगह-जगह बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन गये थे। जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही आये दिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही थी एवं किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। वहीं 15 अगस्त के अवसर पर स्कूलों से बच्चों की निकलने वाली रैली भी इसी खस्ताहाल सड़क से बस स्टैण्ड में आने वाली थी, जिससे स्कूली ब%चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता था। इसलिए गत दिवस जिला पंचायत बालाघाट में आयोजित सामान्य प्रशासन समिति की बैठक में जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, सहकारिता एवं उद्योग समिति के सभापति झामसिंह नागेश्वर के द्वारा एमपीआरडीसी (सड़क) विभाग को मानपुर पुलिया से मजार तक एवं लालबर्रा बस स्टैण्ड से अमोली पहुंच मार्ग में बने गड्ढों का 11 अगस्त तक मरम्मत कार्य करवाने की मांग किये थे और नियत तिथि में काम नही होने पर स्वयं के व्यय पर गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाने की बात कही गई थी। इस तरह से सड़क विभाग को चेताने के बाद भी सड़क विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने सड़क की इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिये जिससे जिला पंचायत सभापति एवं क्षेत्रीयजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं सड़क विभाग के द्वारा सड़क में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य नही करवाने पर जनहित में जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर के द्वारा स्वयं के व्यय पर मंगलवार को लालबर्रा विश्राम गृह से लेकर मजार तक एवं लालबर्रा बस स्टैण्ड से लेकर अमोली स्थित जनपद स्कूल के आगे तक सड़क में बने जानलेवा गड्ढों में गिट्टी, सीमेन्ट का मलबा डलवाकर जेसीबी मशीन से सड़क एवं गड्ढों का मरम्मत कार्य करवाया गया है और यह कार्य वैकल्पिक व्यवस्था के तहत करवाई गई है। वहीं सड़क में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य हो जाने से अब आवागमन में सुविधा होगी। लेकिन यह स्थाई समाधान नही है, कुछ दिनों में समस्या जस की तस हो सकती है किन्तु वर्तमान समय में यह मरम्मत कार्य आवागमन करने वालों के लिए सुविधाजनक होगी। जबकि इस कार्य को सड़क विभाग को करवाना था लेकिन जिला पंचायत सभापति श्री ठाकरे, श्री नागेश्वर के सहयोग से किया गया है जिसकी सभी ने सराहना भी की है। वहीं लंबे समय से बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग एवं लालबर्रा से अमोली-समनापुर के 600 मीटर की अधुरी सड़क का निर्माण करवाने की मांग की जा रही है। लेकिन प्रशासन के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिसके कारण खस्ताहाल सड़क से आने-जाने वाले राहगीरों एवं स्कूली बच्चों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

प्रशासन बरत रहा है लापरवाही - झामसिंह

सहकारिता एवं उद्योग समिति सभापति झामसिंह नागेश्वर ने बताया कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग एक व्यस्ततम मार्ग है और इस मार्ग से रोजाना बड़े-छोटे वाहन गुजरते है एवं सड़क का खस्ताहाल हो चुका है, जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके है एवं 15 अगस्त समीप आ चुका है। जिसको ध्यान में रखते हुए गत दिवस आयोजित बैठक में एमपीआरडीसी के अधिकारियों को ठेकेदार के माध्यम से सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की बात कही गई थी। लेकिन उन्होने कोई काम नही किया है, इस तरह से प्रशासन लापरवाही बरत रहा है। इसलिए जनहित में गड्ढों में मलबा डलवाकर विश्राम गृह से लेकर मजार एवं लालबर्रा बस स्टैण्ड से अमोली पहुंच मार्ग का मरम्मत कार्य करवाया गया है। श्री नागेश्वर ने बताया कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग का निर्माण हेतु सर्वे कार्य जारी है एवं लालबर्रा से अमोली तक 600 मीटर की अधुरी सड़क निर्माण के लिए एमपीआरडीसी विभाग के द्वारा 2 करोड़ रूपये का प्रपोजल तैयार कर शासन को भेजा गया है, शासन से राशि स्वीकृत होने के बाद सड़क एवं नाली का निर्माण किया जायेगा।

महाविद्यालय से हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत निकाली गई बाईक रैली

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा कार्यक्रम, हर घर स्वच्छता'' स्वतंत्रता का उत्सव स्व'छता के संग अभियान क्रियान्वयन के अंतर्गत 12 अगस्त को बाईक रैली निकालकर हर घर तिरंगा झंडा फहराने एवं स्वच्छता बनाये रखने का संदेश दिया। यह तिरंगा यात्रा बाईक रैली महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में महाविद्यालय से प्रारंभ हुई जो नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए पुन: महाविद्यालय पहुंची जहां रैली का समापन किया गया। इस तिरंगा यात्रा बाईक रैली दौरान देशभक्ति एवं वीर शहीदों, भारत माता की जय, वन्दे-मातरम, सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्ता हमारा जैसे ओजपूर्ण नारों के माध्यम से जयकारा लगाते हुए राष्ट्रीय प्रेम की भावना आम जनमानस में जाग्रत की गई तथा सेल्फी पाइंट में तिरंगे के साथ विद्यार्थियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा सेल्फी भी ली गई। इस तिरंगा यात्रा बाईक रैली में नेहरू युवा केन्द्र के लव पटेल का भी महाविद्यालय को सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, सुमन बरवा, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या परते, डॉ. ऋषिकेष पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन, संदीप चौरसिया श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, कु. सोनम हरिनखेड़े एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

सांदीपनी स्कूल से निकाली गई तिरंगा यात्रा एवं जनजागरूकता रैली

रैली निकालकर हर घर तिरंगा फहराने का दिया गया संदेश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के द्वारा 12 अगस्त को शाम 4 बजे तिरंगा यात्रा एवं स्व'छता जनजागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली स्कूल से प्रारंभ हुई जो नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए पुन: स्कूल पहुंचकर समाप्त हुई। इस तिरंगा यात्रा रैली के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने देश प्रेम की भावना जाग्रत करने के लिए राष्ट्रीय पर्व स्वततंता दिवस के अवसर पर घर-घर तिरंगा फहराने एवं अपने घरों व आसपास स्व'छता बनाये रखने का संदेश दिया। चर्चा में सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि शासन के द्वारा हर घर तिरंगा, हर घर स्वछता अभियान चलाया जा रहा है। इसी निर्देश के परिपालन में मंगलवार को लालबर्रा सांदीपनी स्कूल से तिरंगा यात्रा एवं स्वच्छता जनजागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली नगर मुख्यालय का भ्रमण करते हुए वापस स्कूल पहुंची। इस रैली के माध्यम से लोगों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का संदेश दिया गया है। ताकि लोगों में देशभक्ति की भावना जाग्रत हो सके एवं राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ सके। साथ ही अपने आसपास स्वच्छता बनाये रखने के प्रति जागरूक भी किया गया है। इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कनकी पंचायत को विधायक अनुभा मुंजारे ने दी पानी टैंकर की सौगात, सरपंच से जताया आभार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कनकी को विधायक अनुभा मुंजारे ने पानी टैंकर की सौगात दी है और यह विधायक निधि से प्रदाय किया गया है। वहीं कनकी पंचायत को पानी टैंकर मिलने से अब पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों को सार्वजनिक कार्यों में सहायता मिलेगी। साथ ही आगजनी सहित अन्य कार्यों में भी पानी उपलब्ध करवाने में मदद मिल सकेगी। वहीं कनकी बड़ी पंचायत है और यहां पर पानी टैंकर की आवश्यकता बनी हुई थी। इसी के चलते विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा के विधायक निधि से पानी टैंकर प्रदाय कर सरपंच दुर्गाप्रसाद पगरवार के सुपुर्द कर दिया है। वहीं कनकी सरपंच दुर्गा पगरवार ने भी पानी टैंकर की सौगात देने पर विधायक श्रीमती मुंजारे का आभार व्यक्त करते हुए इसी तरह ग्राम विकास में सहयोग करने की अपेक्षा की है। विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने प्रेसनोट जारी करते हुए कहा कि ग्रामीण आबादी क्षेत्र में कई तरह की आवश्यकता है, छोटी आवश्यकताएं होती है लेकिन वह बड़े काम की चीज होती है। पंचायत के पास इतना संसाधन नहीं रहता कि वह अपने ओर से उसे तैयार कर सके या प्राप्त कर सके। इसी को ध्यान में रखते हुए विधायक निधि से ग्राम पंचायत कनकी को पानी टैंकर उपलब्ध करवाया गया है। ताकि पानी के टैंकर का उपयोग ग्रामीणों को उनके सार्वजनिक कार्यों में उपयोग हो सके और ग्राम में पानी आपूर्ति में यह टैंकर मददगार हो सकता है। आगे श्रीमती मुंजारे ने कहा कि हमारा प्रयास है कि विधानसभा क्षेत्र की अन्य ग्राम पंचायतों को भी पानी टैंकर प्रदाय किया जाये और इसके लिये शीघ्र ही व्यवस्था बनाई जा रही है। जिससे कि बाद में अन्य पंचायतों को भी उनकी आवश्यकता के अनुसार टैंकर उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही यह भी कहा कि जब भी वह अपने क्षेत्र के भ्रमण पर पहुंचती है तो कुछ ऐसी आवश्यकताओं को महसूस करती है। कुछ स्थानों पर उनके संज्ञान में जानकारी लाकर मांग की जाती है। अग्नि दुर्घटना, मांगलिक कार्यक्रमों जैसे शादी, हवन पूजन, कथा पूजन, गृहप्रवेश के अलावा सामाजिक कार्यक्रमों और मंडई मेले तथा तेरहवी कार्यक्रम सहित अन्य में पानी की उपलब्धता चुनौती रहती है। ग्राम पंचायत में इसकी उपलब्धता होने से निश्चित ही कुछ हद तक मदद मिल सकेगी या पानी उपलब्ध हो सकेगा। कनकी सरपंच दुर्गाप्रसाद पगरवार ने बताया कि कनकी बड़ी पंचायत है और विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने अपने विधायक निधि से पानी टैंकर उपलब्ध करवाया है, जो पंचायत को प्राप्त हो चुका है, जिसका उपयोग जनहित में किया जायेगा। सरपंच श्री पगरवार ने विधायक अनुभा मुंजारे से मिले पानी टैंकर के सहयोग के लिए ग्राम पंचायत व ग्रामवासियों की ओर से आभार जताया है।

तहसीलदार और नायब तहसीलदार की हड़ताल सातवें दिन भी जारी

न्यायालयीन व गैर न्यायालयीन कार्यों के विभाजन का कर रहे विरोध, अनिश्चितकालीन हड़ताल में तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार के जाने से राजस्व कार्य हो रहे प्रभावित, क्षेत्रीयजन परेशान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। म.प्र. कनिष्ठ राजस्व अधिकारी संघ के आव्हान पर गत 6 अगस्त से शुरू हुई तहसीलदार और नायब तहसीलदारों की अनिश्चितकालीन हड़ताल 12 अगस्त को सातवें दिन भी जारी रही। हड़ताल की वजह से लालबर्रा तहसील में गत 7 दिनों से तहसील कार्यालय में प्रकरणों की सुनवाई नही हो पा रही है और राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे है एवं अधिकांश राजस्व कार्य ठप्प पड़े हैं। जिससे अधिवक्तागण एवं पक्षकार परेशान होते नजर आ रहे है एवं दुर-दराज से आने वाले ग्रामीणजनों को भी बिना काम करवाये बैरंग वापस लौटना पड़ रहा है। वहीं तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार न्यायालयीन व गैर न्यायालयीन कार्यों के विभाजन को लेकर विरोध कर रहे है। जिसे वापस लिये जाने की मांग को लेकर 7 दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे है। लेकिन अब तक सरकार के द्वारा उनकी मांगों को पूरा नही किया गया है जिससे तहसीलदारों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि गत दिनों म.प्र. सरकार के द्वारा तहसीलदारों के कार्यों का विभाजन करते हुए प्रशासनिक एवं न्यायिक कार्य तहसीलदारों को आपस में बांट दिया गया था। जिसका तहसीलदार संगठन ने विरोध किया और यही वजह है कि गत 6 अगस्त से तहसीलदार संगठन के द्वारा जिला मुख्यालय में शासकीय वाहन को जमा कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये है और उनकी हड़ताल को 7 दिन बीत चुके है। लेकिन अब तक तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों की हड़ताल समाप्त नहीं हुई है। जिसके कारण राजस्व न्यायालय में होने वाले न्यायालयीन कार्य सीमांकन, बटवारा व नामांतरण सहित अन्य राजस्व के कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जो निरंतर पेशियां चलती थी। उनमें भी पक्षकारों को रोजाना तारीख पर तारीख ही मिल पा रही है, उनके कार्य पूर्ण नहीं हो पा रहे हैं। जिससे पक्षकार एवं अधिवक्तागण खासा परेशान नजर आ रहे है। वहीं पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं ने शासन से तहसीलदारों की मांग को सुनकर समाधान करने की मांग की है ताकि जल्द से जल्द हड़ताल समाप्त हो और लोगों को राजस्व न्यायालय से उनके प्रकरणों का समाधान जल्द से जल्द मिल सके।

पक्षकारों को सबसे अधिक हो रही परेशानी - केवल

अधि. केवल उके ने बताया कि तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों की 7 दिनों से हड़ताल जारी है, जिसके कारण राजस्व न्यायालय में होने वाले न्यायालयीन कार्य प्रभावित हो चुके है, पक्षकार न्यायालय पहुंच रहे है। लेकिन उनका काम नही हो पा रहा है ,जिससे वे मायूस होकर बिना काम करवाये वापस जा रहे है एवं जिनकी पेशी है उनकी तारीख बढ़ते जा रही है। जिससे पक्षकार सबसे अधिक परेशान है।

राजस्व संबंधित सभी कार्य हो चुके है प्रभावित - संदेश

अधि. संदेश इंदुरकर ने बताया कि तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार के द्वारा कार्य विभाजन के विरोध में गत 6 अगस्त से हड़ताल की जा रही है जिससे राजस्व संबंधित सभी कार्य प्रभावित हो चुके है। वहीं न्यायालयीन कार्य है वह राजस्व कर्मचारियों के भरोसे चल रहा है, जिनके द्वारा पक्षकारों को सिर्फ तारीख दी जा रही है। ऐसी स्थिति में दूर-दराज से जो पक्षकार न्यायालय पहुंचते हैं उन्हें परेशान व मायूस होकर वापस लौटना पड़ रहा है और तहसील कार्यालय का चक्कर काट रहे है, शासन-प्रशासन से मांग है कि तहसीलदारों की समस्या का समाधान कर जल्द हड़ताल स्थगित करवाये ताकि न्यायालयीन कार्य सुचारू रूप से हो सके।

लालबर्रा भाजपा मंडल का तिरंगा रैली आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी से भाजपा मंडल लालबर्रा के द्वारा 13 अगस्त को दोपहर 2 बजे से तिरंगा रैली निकाली जायेगी। चर्चा में भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि शासन के द्वारा हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत भाजपा मंडल लालबर्रा के द्वारा पनबिहरी से 13 अगस्त को दोपहर 2 बजे तिरंगा रैली निकाली जायेगी और यह तिरंगा रैली पनबिहरी, शांति नगर का भ्रमण करते हुए लालबर्रा बस स्टैण्ड पहुंचेगी जहां रैली का समापन किया जायेगा। इस तिरंगा रैली में पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहेगें। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने की है।

अतिक्रमण हटाने नहीं पंहुचा अमला पुलिस बैरंग लौटी

अतिक्रमणकर्ता के पक्ष में उतरे ग्रामीणजन जताया विरोध

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ८ चंदोरी स्थित रामप्रसाद पिता कल्लू कुंभरे के मकान का अतिक्रमण हटाने के लिए १२ अगस्त को पक्षकार पुलिस बल के साथ पहुंचे। परंतु राजस्व एवं न्यायालय अमला अनुपस्थित होने से उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। यह अतिक्रमण हटाने का आदेश वारासिवनी न्यायालय की प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड नेहा बाथरी की अदालत ने आदेश जारी किया था। यह दूसरी बार हैं जिसमें मौके पर राजस्व विभाग न्यायालय के अधिकारी नदारत रहे जिसके कारण पुलिस असमर्थ दिखाई दी। वहीं ग्रामीणों के द्वारा मौके पर अतिक्रमणकर्ता का साथ देते हुए पूर्वजों से उक्त मकान होना बताया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार वार्ड नंबर ८ चंदोरी में नवल किशोर कुंभरे और रामप्रसाद कुंभरे पूर्वजों से निवास करते हैं। जहां पर उनके मकान के पास की जमीन अजहर कुरैशी के द्वारा कोई मालती बाई के पास से खरीदी गई थी। जिसमें अजहर कुरैशी के द्वारा कोर्ट में प्रकरण दायर किया गया था जो वारासिवनी न्यायालय में चल रहा था। जिसमें पूर्व में आदेश हो चुका था जिसके तहत प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड नेहा बाथरी के द्वारा आदेश जारी किया गया था। उस समय अतिक्रमण नही हटाने के बाद पुनः दूसरा आदेश जारी किया गया की कब्जा हटाकर अजहर कुरैशी को कब्जा दिलाया जायें। जिसके तहत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे जहां पर पटवारी के द्वारा उपस्थित होकर सामान्य तौर पर नाप दिया गया। वह वहां से निकल गया। जहां पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एकत्रित होकर वह अतिक्रमणकर्ता की तरफ से प्रशासन से सवाल जवाब करते हुए नजर आए की यह मकान हमारे द्वारा पूर्वजों से देखा जा रहा है कि यह लोग यहीं रहते हैं। ऐसे में क्या हो गया और यह उनकी जमीन नहीं है तो आज तक यह कहां थे वहीं पटवारी विक्रेता को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान ग्रामीणों का काफी विरोध देखने को मिला तो वहीं जेसीबी आकर खड़ी रही। जहां पर ग्रामीणों का विरोध एवं न्यायलय राजस्व अमले की अनुपस्थिति को देखते हुए। संबंधित न्यायालय को जानकारी देकर पुलिस अधिकारी सहित पक्षकार वापस लौट गए तो वहीं जेसीबी मशीन भी बैरंग लौट गई। पीड़ित नितिन कुंभरे ने बताया कि यह हमारे पूर्वजों की जमीन थी। अब कोई मालती की यह जमीन बता रहे हैं कि उससे इन्होंने खरीदी है। इतने वर्षों से यहां रह रहे हैं तो सरकार क्या कर रही थी यह हमारी जमीन है इन्होने हमारा नंबर बदल दिया है अब वह ढाबे के पास बता रहे हैं। यह जो हो रहा है बहुत गलत है हमें न्याय मिलना चाहिए जमीन हमारी है। हमें प्रधानमंत्री आवास मिला है वहां सब हमारे दस्तावेज देखे गए थे। हमारी आखिरी यही मांग है कि हमें हमारी जमीन निकाल कर दी जाए और इस संबंध में हमारे द्वारा विभिन्न कार्यालय में शिकायत भी की गई है। अजहर कुरैशी ने बताया कि यहां पर हमारे द्वारा जमीन खरीदी गई है जिसमें कुछ अतिक्रमण है न्यायालय से हम जीते हैं आज यह हटाया जाना था। परंतु राजस्व और न्यायालय के कुछ अधिकारी कर्मचारी नहीं आए हैं जिस कारण नहीं हटा पाए हैं। घटना स्थल की जानकारी हमारे द्वारा न्यायालय को दे दी गई है अब उनके द्वारा आगे जो कार्यवाही की जायें।

न्यायालय में छत का प्लास्टर गिरने से रीडर घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी न्यायालय में स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी देवांश यादव की अदालत में १२ अगस्त की दोपहर करीब ३.३० बजे छत का प्लास्टर गिरने से रीडर घायल हो गया। जिनका उपचार सिविल अस्पताल में कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिदिन की तरह न्यायालय की कार्यवाही संचालित की जा रही थी। जिसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी देवांश यादव की अदालत में लगातार पक्षकारों का आना जाना चालू था। तो वहीं न्यायाधीश के द्वारा अपनी कार्यवाही की जा रही थी इसी बीच दोपहर करीब ३.३० बजे अचानक

छत के प्लास्टर का एक बड़ा हिस्सा नीचे गिर गया। इस दौरान यह अच्छा रहा की वह मलमा सीधे सिविल रीडर दीपक रहाँगडाले के ऊपर नहीं गिरा। पहले वह मलमा अलमारी पर गिरा और उसका कुछ हिस्सा दीपक रहाँगडाले के सिर पर गिरा। ऐसे में मौके पर यह देख सब लोग स्तब्ध रह गये छत की सरिया दिखने लगी। तो वहीं सिविल रीडर दीपक रहाँगडाले घायल हो गये उन्हें तत्काल न्यायलय कर्मचारियों के साथ अधिवक्ता अमित अग्रवाल के द्वारा सिविल अस्पताल वारासिवनी में लाकर उपचार करवाया गया। जहां पर रीडर के सर पर मामूली चोट आने पर उसका उपचार कर उन्हें घर भेज दिया गया। किंतु यदि यह मलमा डायरेक्ट सिर पर गिरता तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी।

शासकीय महाविद्यालय में तिरंगा रैली का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय में शासन के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान के अंतर्गत एक विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय परिवार समस्त सदस्य गण एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अभियान की परिकल्पना सामूहिक उत्सव और नागरिक एकता की भावना पर आधारित है। जिसमें स्वतंत्रता के सार को स्वच्छता और सुजलता की संकल्प के साथ जोड़ा गया है। इसी के तहत इस रैली के माध्यम से जन सामान्य को घर घर जाकर तिरंगा वितरण किया गया एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

इस तिरंगा रैली में एनसीसी के छात्र छात्राओं की विशेष भूमिका रही। एनएसएस के छात्र छात्राओं का भी सराहनीय योगदान रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस एस गेड़ाम एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. हेमंत कुमार मण्डाले व डी एल एडे के द्वारा झंडा दिखाकर रैली को रवाना किया गया। इस तिरंगा रैली का आयोजन नोडल अधिकारी विकास साहू के द्वारा किया गया। तिरंगा रैली में डॉ. तपेश चौरे, पंकज वाहने, डॉ. पवन सिंह, विजय दांदरे, युगलकिशोर लॉंजेवार, एन एस पटले, राजेन्द्र राजवाड़े, पवन नागेश्वर, अविनाश भवरे उपस्थित रहे।

नपा में याद किये गये प्रथम नपाध्यक्ष स्व.कस्तुरचंद वर्मा

प्रदीप जायसवाल के मार्गदर्शन में नपा परिषद को नगर के विकास के लिए जाना जायेगा-सरिता दांदरे

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका परिषद में १२ अगस्त को नगर के प्रथम नगर पालिका अध्यक्ष स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.कस्तुरचंद वर्मा की पुण्य तिथि मनाकर उन्हे याद किया गया। यह कार्यक्रम नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, पार्षद संदीप मिश्रा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके सहित अन्य गणमान्य जनो की मौजूदगी में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा नपा परिसर में स्थित स्व. कस्तुरचंद वर्मा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर श्रध्दांजली अर्पित की गई। इस श्रद्धांजलि के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नगर के प्रथम नगर पालिका अध्यक्ष स्व.कस्तुरचंद वर्मा के जीवन पर प्रकाश डालकर उनके जीवन के बारे में विस्तार से बताया गया। कि वारासिवनी का गौरवशाली इतिहास रहा है वीरों की नगरी है वारासिवनी नगर के ९२ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जिसमें कस्तुरचंद वर्मा, शहीद दशाराम फुलमारी भी है। स्व. श्री वर्मा नपा के प्रथम अध्यक्ष थे जिन्होने लगातार १७ वर्ष तक सेवा की एवं वारासिवनी की बसाहट इन्होने की है जिसकी सभी तारिफ करते है। इस अवसर पर इस अवसर पर राकेश वर्मा, धर्मेश जोशी सहित अन्य नगर पालिका अधिकारी कर्मचारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। वहीं नगर

पालिका परिषद में विधायक विवेक पटेल दोपहर में अचानक पहुंचे। जिनके द्वारा नगर पालिका परिसर में लगी स्वर्गीय कस्तूरचंद वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय कस्तूरचंद वर्मा एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे साथ ही पहले अध्यक्ष थे। आज जो भी शासकीय कार्यालय दिख रहे हैं वह उनकी बसावट है वाटर फिल्टर से बिना मशीन के पानी आता है यह उनकी सोच थी। मेरे अध्यक्ष कार्यकाल में उनकी प्रतिमा यहां पर लगाई गई आज हम उन्हें याद करते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष सरिता मनोज दादरे ने कहा कि हमने प्रथम नगर पालिका अध्यक्ष स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय कस्तूरचंद वर्मा को देखा तो नहीं परंतु उनके बारे में हमारे नेता पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल व अन्य लोगों से सुना है कि नगर की बसाहट उनके हाथ की है। इतना प्यारा नगर जिसकी तारीफ बालाघाट व अन्य स्थानों के लोग करते हैं इसके प्रत्येक भवन और स्थान का चयन उनके द्वारा किया गया है। उन्होंने नगर को १७ वर्ष सेवा दी और वारासिवनी का मूल विकास उस दौरान हुआ था। श्रीमती दांदरे ने कहां की स्वर्गीय श्री वर्मा के समय जिस प्रकार से नगर का विकास हुआ था वैसा पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल के कार्यकाल में नगर का विकास हुआ था। परंतु अब हमारी परिषद है जिसमें हमारे नेता प्रदीप जायसवाल का मार्गदर्शन है और निश्चित रूप से इस परिषद को भी नगर के विकास के लिए जाना जाए। ऐसा कार्य श्री जायसवाल के नेतृत्व में हमारे द्वारा करने का प्रयास रहेगा। स्वर्गीय श्री वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें शत शत नमन करते है।

सफलता पाने के लिये अनुशासन और कडी मेहनत करना जरूरी है-फरखंदा कुरैशी

आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी में सम्मान समारोह आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। आइड़ियल पब्लिक स्कूल चंदोरी में फरखंदा कुरैशी आइएएस का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होने बच्चो को बिहार के गहलौर गांव के एक माउंटेन मैन गरीब मजदूर दशरथ मांझी की कहानी से परिचय कराते हुये कहा की उन्होने हथौडा व छेनी से पहाड़ काटकर सड़क बना दी थी। अत जब हमने लक्ष्य तय कर लिया तो फिर कोई भी बाधा उसे पाने से नही रोक सकती है। आईएएस फरखंदा कुरैशी का बच्चो ने स्वंय की बैंड पार्टी से स्काउट गाईड के साथ स्वागत किया। पश्चात विधालय परिवार की ओर से अब्दूल रब कुरैशी सहित समूचे स्टाफ ने शाल श्रीफल व प्रतिक चिन्ह से सम्मान किया। आइएएस फरखंदा कुरैशी ने कहा की अपनी प्रतिभा से न्याय करना बेहद जरूरी है। प्रतिभा शिक्षा के अलावा अन्य सांस्कृतिक, खेलकूद, नृत्य अनेको विषयो में रहती है। बस उसे निखारने के लिये अनुशासन के साथ कडी मेहनत बेहद जरूरी है हमे अपनी तुलना से कभी नही करना है। हमने अगर किसी बडे लक्ष्य को सोच लिया है तो उसे पाने के लिये मेहनत रूपी जूनून ही हमे सफलता की दिशा दिखाता है। स्वंय उनका संघर्ष पांच साल से अधिक का रहा है। पर आज बालाघाट जिले के नाम के साथ जब वे महानगरो में विशेष आमंत्रण में जाती है तो उन्हे गौरव के पल महसूस होते है। सम्मान समारोह मे वेंदाशी सुधीर शर्मा, श्रष्टी बिसेन व अब्दूल आहाद कुरैशी ने अंग्रेजी में गीत व भाषण में प्रदर्शित कर उनकी सफलता व संघर्षो को एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर स्कुल संचालक अब्दूल रब कुरैशी ने कहा की उन्हे महसूस हो रहा है की शिक्षकगणो की मेहनत से हमारे विधालय में भी फरखंदा कुरैशी आइएएस की तरह बच्चे सफ लता हासिल करेगें। आज उन्होने जिस शैली में सफ लता के टिप्स बच्चो से साझा किये वह बेहद प्रभावशाली अवश्य साबित होगें।

सरकार के आदेश के विरोध में तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने विधायक विवेक पटेल को सौंपा ज्ञापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सरकार के आदेश के बाद कलेक्टर ने जिले में न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन कार्यों के लिए तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को नियुक्त किया है। लेकिन इस आदेश को मनमाना और नियम विरुद्ध बताते हुए राजस्व सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को वारासिवनी खैरलाँजी क्षेत्र के राजस्व अधिकारी कनिष्ठ प्रशासनिक तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने मध्य प्रदेश शासन के मुख्य सचिव और

राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव के नाम विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन सौंपा है। और इस आदेश को तत्काल प्रभाव स्थगित करने की मांग की है। जिसके पश्चात विधायक विवेक पटेल ने उन्हें आश्वस्त किया है कि इस आदेश को निरस्त करने प्रदेश के मुख्यमंत्री के चर्चा करेंगे। इस दौरान तहसीलदार अनुराग मड़ावी, नायब तहसीलदार दुलारेलाल परते, कन्हैयालाल टेकाम, कृष्णा नायक, टी पी अक्षरीय, श्रीमती वंदना कुसराम, मंजूला महोबिया, छबि पंत मौजूद रहें। तहसीलदार व नायब तहसीलदारों के द्वारा अपने संगठन के माध्यम से ६ अगस्त से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले गए है। जिससे वे शासन की ओर से न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन कार्य विभाजन किए जाने का विरोध जाता रहे और इसे शासन का मनमाना आदेश बताया जा रहा है। जिला प्रशासन को इस संबंध में पूर्व में ही हड़ताल पर जाने को लेकर सूचना पत्र प्रेषित किया जा चुका है हड़ताल पर जाने के बाद आम जनता के काम में भी रूकावट हो रही है जिससे उनके काम नहीं होने पर नाराजगी जताई है। राजस्व सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने मोर्चा खोलते हुए कहा कि सरकार के राजस्व विभाग ने राजस्व अधिकारियों के न्यायालयीन कार्यों का विभाजन किया है। जिसमें कलेक्टर ने इसको लेकर निर्देश जारी करते हुए न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन कार्यों के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंपे है। जिसमें बताया है कि कौन अधिकारी न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन कार्य करेंगे जिसे तहसीलदार और नायब तहसीलदार बिना किसी अध्ययन और बिना किसी सिफारिश के लागू करना बता रहे। तहसीलदारों का कहना है कि कार्य विभाजन बिना किसी उद्देश्य की स्पष्ट और पारदर्शी मापदंडो ना बताते हुए इसे मनमानी ढंग से नियम के विरुद्ध लागू किया गया है। जो सही नहीं हैं कार्य विभाजन से तहसील स्थित राजस्व न्यायालयो की संख्या में कमी की जा रही है और कोई समुचित दिशा निर्देश भी जारी नहीं किए गए। जबकि जब वे इस पद पर भर्ती हुए थे तो उन्होंने दोनों कार्यों की ट्रेनिंग ली थी।

राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के नेतृत्व में पुतला दहन कार्यक्रम आज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के जय स्तंभ चौक पर राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के तत्वाधान में १३ अगस्त को पुतला दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उक्त संबंध में जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष जावेद अली ने बताया कि वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी के आरोप पर नेता विपक्ष राहुल गांधी सहित विपक्षी सांसदों के द्वारा संसद से चुनाव आयोग तक निकाले जा रहे शांतिपूर्ण पैदल मार्च को पुलिस के द्वारा बल पूर्वक रोका गया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, श्रीमती प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव सहित मार्च में उपस्थित विपक्षी नेताओं की गिर तारी कर उन्हें थाने ले जाया गया। इसके विरोध स्वरूप तानाशाह सरकार के खिलाफ१३ अगस्त की दोपहर ३.३० बजे स्थानीय जय स्तंभ चौक पर पुतला दहन किया जाएगा। जिसमें सभी राहुल गांधी विचार मंच कार्यालय में एकत्रित होकर जहां से रैली के माध्यम से निकालकर यह कार्यक्रम किया जायेगा। इस अवसर पर कांग्रेसजनों से अपील है कि वह आधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पुतला दहन में अपनी अहम भूमिका अदा कर सरकार को मुंहतोड़ जवाब दें।

भक्ति के मेले में बिखरी साँसें

हमारे समय का एक विडंबनापूर्ण दृश्य यह है कि मनुष्य, जिसने अंतरिक्ष की गहराइयों में झांकने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संवाद करने की क्षमता हासिल कर ली है, वह अपने ही पैरों तले कुचलकर भगवान के दर्शन करने के लिए दौड़ रहा है। मध्य प्रदेश के सीहोर स्थित कुबरेश्वर धाम में दो महिलाओं की मौत, कई घायल, यह न तो कोई पहला हादसा है, न आखिरी होने जा रहा है। यह केवल एक घटना नहीं, हमारी सामूहिक चेतना की उस दरार का प्रमाण है जिसमें आस्था, व्यवस्था और विवेक का संतुलन बिखर चुका है और ऐसे में सवाल यही है कि क्या हम आस्था के उस उन्मादी दौर में हैं, जहां किसी की जान की कोई कीमत नहीं? यह सवाल इसलिए भी है, क्योंकि मंदिर या तीर्थस्थल पर जाने से किसी के घर का चिराग बुझ जाए या चूल्हा जलना बंद हो जाए। तो इससे अधिक त्रासदीपूर्ण वेदना कोई दूसरी नहीं हो सकती है। वैसे भी आस्था, जब तक वह आत्मानुशासन और विवेक से जुड़ी रहती है, जीवन को उन्नत करती है। परंतु जब वह भीड़ की बेख़बर लय में बहने लगती है, तो वह एक उन्मादी प्रवाह बन जाती है, जिसमें व्यक्ति का व्यक्तित्व, बुद्धि और स्वतंत्र निर्णय शक्ति डूब जाती है। भगदड़ दरअसल भीड़ की शारीरिक टक्कर नहीं है। यह सोच की भी टक्कर है, जहां विज्ञान और व्यवस्था की समझ, परंपरा के अंधविश्वास से हार जाती है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार, पिछले पच्चीस वर्षों में देश के भीतर 3000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इनमें से अधिकांश घटनाएं धार्मिक स्थलों या आयोजनों से जुड़ी हैं। हाथरस में 121 लोग, रतनगढ़ में 115, चामुंडा देवी में 224, नैना देवी में 146, मंधार देवी में 258, दिल्ली स्टेशन 18, ये सब हमें एक ही बात कह रहे हैं कि भगवान भीड़ में नहीं मिलते, विवेक में मिलते हैं। लेकिन इक्कीसवीं सदी का मानव है कि इसे समझने को तैयार नहीं और इन सभी घटनाओं का पैटर्न लगभग एक जैसा रहा। क्षमता से कई गुना अधिक भीड़, अपर्याप्त निकासी मार्ग, आपातकालीन प्रबंधन का अभाव और अफवाह की एक चिंगारी, जो पलों में मृत्यु की लपट बन जाती है। यह भीड़ का मनोविज्ञान है। जिसमें व्यक्ति अपनी सोच खो देता है और एक अज्ञात भय या लालसा में, दूसरों को धकेलते हुए आगे बढ़ने लगता है। यह वह क्षण होता है जब मनुष्य, जो तर्कशील होने का दावा तो करता है, फिर अपने सबसे आदिम स्वभाव में लौट आता है कि 'पहले मैं'। धार्मिक आयोजनों में यह प्रवृत्ति और गहरी हो जाती है, क्योंकि उसमें 'पुण्य' और 'मोक्ष' जैसे अदृश्य पुरस्कार जुड़े होते हैं, जो लोगों को यह विश्वास दिलाते हैं कि समय गंवाना पाप है, और रुकना हानि। सबसे बड़ा दोष इस सोच का है कि भगवान सब देख रहे हैं, वे बचा लेंगे। यह विचार न केवल बौद्धिक आलस्य है, बल्कि जिम्मेदारी से भागने का भी एक साधन है। जीवन रक्षा का विज्ञान कहता है कि किसी भी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्पष्ट प्रवेश और निकास मार्ग, भीड़ की गणना का वैज्ञानिक आकलन, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था, और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की अनिवार्यता। पर हमारे यहां धार्मिक आयोजनों में यह सब 'श्रद्धा' के आगे गौण मान लिया जाता है। आयोजक इसे भगवान की 'कृपा' के भरोसे छोड़ देते हैं, और प्रशासन इसे 'भावनात्मक' मामला समझकर कठोर कदम उठाने से बचता है। इस मानसिकता का नतीजा यह है कि हर हादसे के बाद हम वही पुराना चक्र दोहराते हैं दुख, शोक, जांच समिति, सिफारिशें, और फिर भूल। अगले आयोजन में फिर वही लापरवाही, फिर वही लापता विज्ञान, और फिर वही संभावना कि भीड़ एक बार फिर किसी का घर उजाड़ दे। हमारे संविधान के अनुच्छेद 51 - ए में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद और सुधार की भावना को नागरिक कर्तव्य के रूप में रखा गया है।

भाग्य अपना अपना है कोई झोपड़ी में खुश है तो महलों में भी रोता है

भाग्य अपना अपना है कोई झोपड़ी में खुश है तो महलों में भी रोता है द्यभाग्य किसी की बपोती नहीं होती कर्म से भाग्य को बदला जा सकता है अच्छे कर्म करते रहिए द्यअपना अपना भाग्य होता है द्य कहते हैं जैसा कर्म करोगे वैसा ही फल मिलेगा द्य कर्म प्रधान होता है इसलिए कर्म करते रहिए। भाग्य किसी को भी मिट्टी में मिला सकता है द्य भाग्य एक पल में किसी को कंगाल बना दे यह किसी को पता नहीं होता द्य दो जून की रोटी को तरसने वाले आज अपना समय भूल चुके हैं अच्छे कर्म करते रहिये जीवन स्वर्ग बन जायेगा द्यद्यआज कुछेक तथाकथित लोग तिगड़म करके ऐसे पदों पर विराजमान है जिसके वे काबिल नहीं है लेकिन सिफारिश के बलबूते स्थान हासिल करने वालों को एक दिन वक्त जरुर धूल चटाता है जब वह प्रतिभा के आगे नहीं टिकता एक कहावत की घर का जोग का बाहर का जोगी सिद्ध आज पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। मगर मानव को एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि मुसीबत में अपने ही काम आते है बाहर के तमाशा देखते हैं। आज अपनों को नीचे गिराया जाता है और बाहर के लोगों को उपर उठाया जाता है भेदभाव किया जाता है प्रतिभा को दबाया जाता है और चंद स्वार्थों के लिए बाहर के लोगों को फायदा पहुंचाया जाता है ।आज कितने ही प्रतिभावान लोग है जिन्हे दरकिनार करके अयोग्य लोगों को मौका दिया जाता है।अनुभवहीन लोग आज इतने बड़े बन जाते है कि दूसरों को पाठ पढ़ाने लगते है कि कौन काम सही है और कौन गलत मगर सच्चाई सौ परदे फाड़ कर बाहर आती है तब ऐसे लोग खाक में मिल जाते है यह वक्त का कैसा तकाजा है कि आज सच्चे व इरादों के पक्के लोगों को मुख्यधारा से बाहर किवक्त एक ऐसा तराजू है जिसके एक पलड़े में जिन्दगी और दूसरे पलड़े में मौत होती है जीवन और मृत्यु में सिर्फ सांसों का फासला है।जब इन्सान जिन्दा होता है तो कोई उसका हाल तक नहीं पूछता लेकिन जब संसार से रुखस्त हो जाता है तो हर आदमी मातम में शामिल होने में अपनी शान समझतें है। जिन्होने जब जिन्दा था तो बात तक नहीं की होंगी। जब जीता है तो एक जोड़ी कपड़ा तक नसीब नहीं होता मगर जब उसके किसी काम का नहीं होता उसके मृत शरीर पर सैंकड़ों चादरें डाली जाती है।जीते जी जिसे घी नहीं मिलता जलाती बार मुहं में शुद्व देशी घी की आहुती दी जाती है जो व्यर्थ है।कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की जीते जी सहायता कि जाए तो वही सच्ची मानवता कहलाएगीद्य आत्मकेन्द्रित लोग बहुत ही घातक होते हैं बस अपना काम हो जाए दुनिया भाड़ में जाए।समाज में ऐसे लोग किसी के नहीं होते है।आज भूखी जुएं अपनी औकात भूलकर ऐसे इतराती है कि जैसे खानदानी रईस हो पर वक्त के पास हर आदमी का लेखा-जोखा है कि कौन रईस था और कौन दाने-दाने को मोहताज था। किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए हर आदमी से समानता का व्यवहार करना चाहिए।कभी भी भेदभाव नहीं करना चाहिए।वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए।किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए।क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है।ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है।गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बददुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है इसलिए हर मानव को हमेशा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए।मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के रुप में हमेशा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए।आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर का खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लोगों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है।प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है।मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गांरटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गांरटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएं।रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है मगर किसके लिए आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है।मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिए।प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती प्रतिभा कभी झुकने नहीं देतीद्य प्रतिभायें शिखर पर जरूर पहुंचाती है द्यकहते है कि हाथ से छिना जा सकता है मगर भाग्य को नहीं छिना जा सकता। जो भाग्य में है वह जरुर मिलेगा।देर जरुर है मगर सच ही पुरस्कृत होता है। सच्चाई के रास्ते पर चलते रहिए सच्चाई की हमेशा जीत होती है। सच कभी नहीं हारता द्य सच्चा मित्र वही होता है जो कभी भेदभाव नहीं करता मित्र गलत भी हो तब भी साथ नहीं छोड़ता द्यएक विचारक ने कहा था की दोस्ती बराबर की होनी चाहिए अगर दोस्ती बराबर की न हो तो टूट जाती है द्य आजकल दोस्ती हैसियत देखकर की जाती है की उसका जीवन स्तर कितना ऊँचा है स्टेटस क्या है क्या जॉब करता है क्या उसके पास गाड़ी है बंगला है आलीशान मकान है यह दोस्ती का पैमाना है। करीब अमीर की दोस्ती बहुत कम होती है क्यूंकि अमीर अपनी पैसे की धौंस जमाते है और गरीबों को दबाते हैं इग्नोर करते हैं और नीचा दिखाते हैं। कहते हैं सच्चे व पक्के दोस्त नसीब वालों को ही मिलते हैं आज सच्चे मित्र मिलना बहुत ही कठिन है। वास्तव में सच्चा मित्र वह होता है जो हमेशा हर दुःख सुख व मुसीबत में हमारे साथ खड़ा रहता है द्य दुःख सदा नहीं रहते। सुख दुःख जीवन की धूप छावं होते हैं और जीवन में इनका आना जाना एक सतत प्रक्रिया है। जीवन मे एक ही मित्र काफी होता है जो हर संकट मे कंधे से कंधा मिला कर चले और कहे दोस्त कोई बात नहीं मै हूँ न घबराओ मत अंतिम सांस तक साथ निभाउंगा द्य आधुनिक इंटरनेट युग में ऐसे दोस्त विलुप्त हो चुके हैं। आज मतलबी दोस्त हो गए हैं मतलब खत्म दोस्ती खत्म हो जाती है। दोस्ती निस्वार्थ होनी चाहिए स्वार्थ नहीं होना चाहिए द्य अक्सर देखा गया है की आज मतलबी दोस्तों की संख्या बढ़ती जा रही है ऐसे उदाहारण बहुत हैं की जो लोग कभी सच्चे दोस्त थे आज अच्छी जॉब पर लग गए तो अपने दोस्तों को भूल गए और पहचानने से इंकार करते हैं लेकिन इतिहास साक्षी है की जो अपनी औकात भूल जाते हैं वक्त उनको तहस नहस कर देता है द्य नए नए दोस्त जब बन जाते हैं तो पुराने दोस्त भुला दिए जाते हैं एक शायर ने कहा था की जिंदगी में हर चीज अच्छी होती है लेकिन दोस्त पुराने ही अच्छे होते हैं जो हर परिस्थिति से वाकिफ होते हैं। नए दोस्त सिर्फ नौ दिन चलते हैं जबकि पुराने ताउम्र चलते हैं द्य आज कुछ लोग अमीर बन गए तो पुराने दोस्तों को अनदेखा करते हैं अपना समय भूल गए हैं। गरीब के साथ रिश्ता छुपाते हैं। गरीब का स्वाभिमान बहुत बड़ा होता है वह स्वाभिमान से जीता है किसी को इग्नोर नहीं करता दिन रात बिना स्वार्थ के तत्पर रहता है लेकिन लोग उसका आदर नहीं करते द्य गरीब आदमी बेईमान नहीं होता नमक से खा लेता है किसी के आगे हाथ नहीं फैलाता द्य स्वाभिमान से जिओ।

- नरेंद्र भारती

आओ नारी शक्ति को भारत की सफ़लता की गाथा बनाएं

वैश्विक स्तरपर भारतीय नारी की गाथा बहुत ही सम्मानजनक रूप से गाई जाती है, क्योंकि आदि अनादि काल से ही भारतीय नारी शक्ति की अनेक मान्यता प्राप्त कहानियों कथाओं से भी हमें पता चलता है कि नारी शक्ति की शक्ति तो देवी-देवताओं को भी करनी पड़ी थी, हम तो इस कलयुग में इंसान मात्र हैं। इसलिए हमें चाहिए कि नारी शक्ति का सम्मान कर उनको कार्यबल प्रदान करें जिसको भारत के विकास में प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित कर एक फ़रवरी 2026 को आने वाले बज़ट में ऐसी योजनाओं स्कीमों को लाया जाना चाहिए ताकि नारी शक्ति को कार्य बल में उचित भागीदारी मिले और भारत के तेज़ी से विकसित हो रहे पथ को अधिक तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। साथियों बात अगर हम नारी शक्ति को कार्यबल के रूप में चिन्हित करने की करें तो, हमने कई क्षेत्रों में देखे हैं कि नारी कार्यबल अपेक्षाकृत रूप से अधिक सशक्त व प्रभावी रिजल्ट देता है। हम अगर नर नारी के कार्यबल की गुणवत्ता का विश्लेषण करें तो, मेरा मानना है कि नारी बल गुणवत्ता में अधिक कुशल दिखेगा। जिसका मैंने खुद ने ग्राउंड रिपोर्टिंग कर सत्यता परखी है। मैंने अनेक शोरूम ऑफिसेस दवाखाना वकील सीए अनेक प्रोफेशनल जगह कंपनियों में वहां के प्रमुख संचालकों, मैनेजरों अधिकृत व्यवस्थापकों से बात की तो उन्होंने भी नारी कार्यबल को अपेक्षाकृत अधिक सशक्त इमानदार रेगुलर जिम्मेदार ज़वाबदेही में अवल बताया और नारी कार्यबल को प्राथमिकता देने की बात स्वीकार की, क्योंकि नकारात्मक आदतें नारी कार्यबल में नहीं देखने को मिलती जितनी नर कार्यबल में देखने को मिलती है। उसी तरह नेतृत्व शक्ति में भी नारी कार्यबल अधिक उच्च गुणवत्ता में अग्रणी ही है इसका उदाहरण हमें वैश्विक स्तरपर मूल भारतीय महिलाओं कल्पना चावला कमला हैरिस सहित अनेकों का नाम लिया जा सकता है। साथियों बात अगर हम 1 फ़रवरी 2026 को आने वाले बजट में नारी शक्ति कार्यबल के एंगल से देखें तो आज इसकी कार्य शक्ति बढ़ाने के लिए अधिक बजट एलोकेशन की आवश्यकता है। कुछ ऐसी योजनाएं, इंसेंटिव, छूट दी जानी चाहिए ताकि नारी कार्यबल को प्राथमिकता दिए जाने पर प्रोत्साहन मिले। वैसे भी हम अभी अनेकों निजी कंपनियों में देखते हैं कि वहां नारी कार्यबल को प्राथमिकता दी जाती है जो वर्तमान समय की जरूरत भी है अब वक्त आ गया है कि नारी शक्ति के कार्य बल को बढ़ाने आरक्षण का बंधन भी तोड़ने की ज़रूरत है और उच्च कौशल्या के आधार पर नारी कार्यबल की सेवा राजनीतिक, औद्योगिक शैक्षणिक सहित हर क्षेत्र में ली जानी चाहिए। भारतीय कौशल नारी सबपर भारी की थींम को आगे बढ़ाया जाए। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम नीति आयोग में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रीयों व विशेषज्ञों से बातचीत की करें तो उन्होंने भी,नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित किया और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को और सक्षम बनाने के साथ-साथ उसे बढ़ावा देने के लिए प्रयास जारी रखने का आग्रह किया, उन्होंने आज नीति आयोग में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।विचार-विमर्श वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भारत का विकास और दृढ़ता विषय पर आधारित था। अपनी टिप्पणी में कहा कि, जहां जोखिम थे, वहीं उभरता हुआ वैश्विक वातावरण डिजिटलीकरण, ऊर्जा, स्वास्थ्य देखभाल और कृषि जैसे क्षेत्रों में नए और विविध अवसर प्रदान करता है। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र को तालमेल का लाभ उठाने और लीक से हटकर सोचने की जरूरत है। उन्होंने भारत डिजिटल की सफलता की गाथा और देश भर में फिनटेक को तेजी से अपनाने, और समावेशी विकास और इसके दृढ़ संकल्प की क्षमता की सराहना की। बैठक में प्रतिभागियों ने उन तरीकों पर व्यावहारिक उपायों की पेशकश की, जिनसे भारत अपने विकास की गति को विवेकपूर्ण ढंग से बनाए रख सकता है। कृषि से लेकर विनिर्माण तक विविध विषयों पर प्रधानमंत्री के साथ विचार और सुझाव साझा किए गए। यह स्वीकार करते हुए कि अंतर्निहित वैश्विक प्रतिकूलताएं जारी रहने की संभावना है, भारत की दृढ़ता को और मजबूत करने के लिए रणनीतिक सिफारिशें भी साझा की गईं। इस बात पर सहमति कायम हुई कि अपने लचीलेपन के कारण, भारत अशांत वैश्विक मंच पर एक उज्ज्वल स्थान बनाकर उभरा है। यह सुझाव दिया गया था कि सभी क्षेत्रों में समग्र विकास के माध्यम से इस नींव पर नए सिरे से विकास पर जोर देने की आवश्यकता होगी। हर नारी अपनी प्रतिभा के साथ न्याय कर पाये , अपने अरमानो को पंख लगाने का जज्बा रखे और उन्हें पूरा करने का होंसला रखे । किसी से कोई खैरात नहीं, कोई पक्षपात नहीं , अपने बलबूते पर मंजिल हांसिल करने माद्दा रखे।

साथियों बात अगर हम बड़ी संख्या में अभी भी महिलाओं की वर्तमान स्थिति की करें तो, वर्तमान युग में महिलाओं को मात्र भोग विलास की वस्तु बना कर रख दिया गया है। जिसका मूल काम घर में रहकर चूल्हा चौका करना तथा परिवार की देखभाल करना रह गया है। आज के समय जहां विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है वहीं दूसरी तरफ महिलाओं का कुछ ऐसा वर्ग भी है जिन्हें उनके मूल अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। इस कुप्रथा को दूर करने के लिए हर किसी को अपनी मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। जब तक हम अपनी मानसिकता को नहीं बदलकर स्त्रियों को साथ नहीं लेंगे तब तक राष्ट्र का सर्वांगीण विकास मुमकिन नहीं हो पाएगा।भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था क्योंकि उसके विकास में पुरुष तथा स्त्रियों का समान प्रयास हुआ करता था। लेकिन जैसे-जैसे स्त्रियों के विकास का अनुपात कम होता गया वैसे वैसे भारत का गौरव भी धूमिल पड़ता गया।भारतीय महिलाओं का इतिहास में योगदान अप्रतिम रहा है। सिर्फ स्वाधीनता संग्राम के समय को देखा जाए तो भारतीय महिलाओं का योगदान अगणनीय ही प्राप्त होगा। स्वाधीनता संग्राम के दौरान महारानी लक्ष्मीबाई, विजयालक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, सरोजिनी नायडू, कमला नेहरु, सुचेता कृपलानी, मणीबेन पटेल अमृत कौर जैसी स्त्रियों ने आगे आकर अपना अप्रतिम योगदान दिया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय कौशल नारी सबपर भारी। आओ नारीशक्ति को भारत की सफ़लता की गाथा बताएं। नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित करने की योजनाएं बनाना ज़रूरी। बजट 2026 में नारी शक्ति को चिन्हित कर कार्यबल में भागीदारी की योजना स्कीम लाना समय की मांग है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

मालेगांव बम कांड पर अदालती फैसला- क्राइम बट नो पनिशमेंट

सन् 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले का लंबे समय से प्रतीक्षित फैसला मुंबई की विशेष अदालत ने सुना दिया है। फैसले में सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया गया है। यह इस हमले में मारे गए लोगों के परिवारजनों और घायलों के लिए एक बड़ा धक्का है। हिन्दुत्वादियों के लिए यह जश्न का सबब है। कई लोगों का पहले से ही लग रहा था कि फैसला इसी तरह का होगा। पिछले 17 सालों में जांच एजेंसियों ने अपना रूख बदल लिया, खासकर 2014 के बाद। बम विस्फोट करने वालों ने इसे एक मोटरसाईकिल के जरिए अंजाम दिया था। बम विस्फोट में इस्तेमाल किया गया आरडीएक्स उस समय फटा जब आसपास मुसलमानों की भीड़ जमा थी। विस्फोट में 6 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए। यह घटना रमजान के महीने में हुई थी। भोपाल से भाजपा की पूर्व लोकसभा सदस्य प्रज्ञा सिंह ठाकुर, सेना के सेवारत अधिकारी ले। कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय उन सात लोगों में शामिल थे जिन्हें आरोपी बनाया गया और गिरफ्तार किया गया।

शुरू में इस मामले की जांच महाराष्ट्र के आतंक विरोधी दस्ते (एटीएस) के हाथ में थी। फिर सन 2011 में यह प्रकरण राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया। अदालत ने कहा कि प्रकरण में आरोपियों का हाथ होने का गहरा संदेह है लेकिन अभियोजन इसे शंका के परे सिद्ध नहीं कर सका है इसलिए सभी आरोपियों को बरी किया जा रहा है। हिंदू दक्षिणपंथियों ने इस फैसले की काफी सराहना की और साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर भगवा आतंकवाद का नैरेटिव स्थापित करने का आरोप भी लगाया, जिसके चलते कई दक्षिणपंथी को कठघरे में खड़ा किया गया।

इस संबंध में कोई राय कायम करने के पहले इस घटना की जांच के बारे में कुछ बातों की ओर ध्यान दिया जाना जरूरी है। मामले की जांच करने वाले अधिकारी हेमंत करकरे ने इसकी शुरूआत एबीव्हीपी की पूर्व कार्यकर्ता साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की मोटरसाईकिल से की। जांच आगे बढ़ने पर आरोपियों की भूमिका सामने आई और उन्हें गिरफ्तार किया गया।

महाराष्ट्र के इस इलाके में सबसे पहले विस्फोट अप्रैल 2006 में नांदेड में हुआ था। राजकोंडवार के मकान में एक बम फटा। इस मकान में एक बम तैयार किया जा रहा था और किसी गलती के चलते वह फट गया। राष्ट्र सेवादल के पूर्व अध्यक्ष डॉ। सुरेश खैरगार के नेतृत्व वाले एक नागरिक जांच दल ने इस मामले की जांच की। इस घटना में दो युवक - हिमांशु पानसे (27) और नरेश राजकोंडवार (26) मारे गए और तीन - योगेश देशपांडे (24), मारूति वाघ (23) और गुरूराज टुपटेवार (25)- गंभीर रूप से घायल हुए। इस मकान पर बजरंग दल का झंडा फहरा रहा था। मौके पर नकली दाड़ी-मूंछ और पायजामा कुर्ता भी पाए गए।

इसी दौरान परभणी, पनवेल और जालना में भी कुछ बम विस्फोट हुए। चूंकि हेमंत करकरे मालेगांव के 2008 के बम विस्फोट की बारीकी से जांच कर रहे थे और आरोपियों को गिरफ्तार कर रहे थे, इसलिए भाजपा के सहयोगी दल अविभाजित शिव सेना के प्रमुख बाल ठाकरे ने अपने अखबार सामना में लिखा कि हिंदू विरोधी क्रियाकलापों के कारण 'हम करकरे पर थूकते हैं'। तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष लालकृष्ण आडवानी ने कहा था कि आरोपियों को यातनाएं दी जा रही हैं।

26/11/2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले में हेमंत करकरे मारे गए, जिसके बाद नरेन्द्र मोदी, जो उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे, एक करोड़ रूपये का चैक करकरे की विधवा पत्नि को देने के लिए पहुंचे, जिन्होंने विनम्रतापूर्वक उसे स्वीकार करने से इंकार कर दिया। इन्हीं मोदी ने करकरे के बारे में कहा था कि वे राष्ट्रीय हितों के विपरीत कार्य कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने प्रज्ञा ठाकुर और अन्यों को गिरफ्तार किया था। और अब मार डाले जाने के बाद उन्हीं करकरे को शहीद बताया बताया जा रहा था। जांच के दौरान हिंदुत्ववादियों द्वारा इस तरह की टिप्पणियां किए जाने से व्यथित होकर करकरे अपनी ही जमात के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी जूलियो रिबेरो, जो एक बहुत ईमानदार और श्रेष्ठ अधिकारी रहे थे, से मिलने गए थे। रिबेरो ने उनके उत्तम एवं निष्पक्ष कार्य की सराहना करते हुए उनसे कहा था कि वे अपना काम पूर्ण व्यावसायिक दक्षता से जारी रखें।

करकरे की दु:खद मौत के बाद प्रज्ञा ठाकुर ने पूरे घटनाक्रम का अपने अनुसार विवरण पेश किया। उनकी वाहवही कर रहे भाजपा नेताओं से घिरी प्रज्ञा ठाकुर ने पत्रकार वार्ता के दौरान करकरे को 'राष्ट्र विरोधी' और 'धर्मविरूद्ध' बताया। उन्होंने कहा "केवल सवा महीने बाद आतंकियों ने उनकी हत्या कर दी"।

आतंकी विस्फोटों के अन्य मामलों (अजमेर, मक्का मस्जिद एवं समझौता एक्सप्रेस) में स्वामी असीमानंद को गिरफ्तरी किया गया था। उन्होंने गिरफ्तारी के बाद मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष इन मामलों में अपने शामिल करने की बात स्वीकार की थी। उनकी स्वीकारोक्ति स्वेच्छा से की गई थी और तीस हजारी न्यायालय के मेट्रोपोलिटन मस्जिट्रेट के समक्ष सीआरपीसी की धारा 164 के प्रावधानों के तहत 18 दिसंबर को दर्ज की गई थी। स्वामी का बयान उनके 48 घंटे न्यायिक हिरासत में रहने के बाद दर्ज किया गया था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे यह बयान किसी दबाव या धमकी के चलते न दे रहे हों। अपने बयान में उन्होंने स्वीकार किया कि वे और अन्य हिन्दुत्व कार्यकर्ता मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर हुए बम विस्फोटों में शामिल थे क्योंकि वे हर इस्लामिक आतंकी घटना का जवाब 'बम के बदले बम' की नीति के तहत देना चाहते थे।

कुछ समय बाद वे अपने कथन से यह कहते हुए पीछे हट गए कि उन्होंने ऐसा दबाव के चलते कहा था। यह दावा अत्यंत आश्चर्यजनक है क्योंकि हम जानते हैं कि पुलिस अधिकारियों के समक्ष दिया गया बयान तो दबाव की वजह से हो सकता है लेकिन जज के सामने ऐसा होना बिल्कुल अलग बात है। न्यायिक हिरासत के 48 घंटे में वे पूरे मामले के हर पहलू पर विचार कर सकते थे। यह अपने सहयोगियों और पितृ संगठन को बचाने के उद्धेश्य से बाद में चली गई सोची-समझी चाल लगती है। विधिक सहायता मिलने के बाद वे अपने वक्तव्य से पीछे हट गए।

ये बयान कैरावान में प्रकाशित होने के बाद काफी खलबली मची। स्वामी असीमानंद कैरावान के संवाददाता को दिए गए साक्षात्कारों में कही गई बातों से पीछे हट गए। पत्रिका के संवाददाता और संपादक अपनी बातों पर कायम रहे और उन्होंने साक्षात्कार की सामग्री की सत्यता की पुष्टि करने के लिए आडियो रिर्काडिंग के कुछ हिस्से भी सार्वजनिक कर दिए। कैरावान में प्रकाशित सामग्री से न केवल न्यायालय में उनके द्वारा कही गई बातों की दुबारा पुष्टि हुई बल्कि मामले के कई नए आयाम सामने आए। (द बिलीवर्- स्वामी असीमानन्दस रेडिकल सर्विस टू द संघ, लीना गीता रघुनाथ, 1 फरवरी 2014) हाल के समय में एक अन्य ब? मामले में फैसला आया जो मुंबई में ट्रेनों में हुए विस्फोटों से संबंधित था। इसमें मुस्लिम आरोपियों को दोषमुक्त घोषित करते हुए रिहा किया गया और सरकार ने तुरंत इस फैसले के खिलाफ अपील कर दी। नांदे? मामले में अदालत के फैसले को लेकर दक्षिणपंथियां में जश्न का माहौल है और सरकार द्वारा इसके खिलाफ अपील किए जाने के कोई संकेत नहीं हैं। दिलचस्प बात यह है कि अदालत का फैसले की निर्धारित तिथि के ठीक पहले गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। ऐसा कहकर उन्होंने आतंकवाद को धर्म से जोड़ दिया। उन्होंने जानबूझकर यह बात भुला दी कि महात्मा गांधी का हत्यारा गोडसे और राजीव गांधी की कातिल धानु और बहुत से अन्य आतंकी हिंदू धर्म के थे। हालाँकि यह बात पूर्णतः सत्य है कि आतंकवाद का किसी भी धर्म से कोई नाता नहीं है।

-राम पुनियानी

पूंजीगत व्यय में मध्यप्रदेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन, समृद्धि की लगाई छलांग

भोपाल/इंदौर। मध्य प्रदेश ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में पूंजीगत व्यय में वृद्धि वाले देश के शीर्ष तीन राज्यों में अपनी जगह बना ली है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (ष्ट्रत्र) के आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश ने इस अवधि में 41प्रति. की वृद्धि दर्ज की है, जो गुजरात (65प्रति.) और उत्तर प्रदेश (42प्रति.) के बाद तीसरे स्थान पर है। यह राज्य के लिए साल-दर-साल सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन है। केंद्र सरकार ने भी वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में पूंजीगत व्यय को 52प्रति. बढ़ाकर 2,75,132 करोड़ कर दिया है, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में एक बड़ी उपलब्धि है।

समृद्धि और आर्थिक प्रगति

मध्य प्रदेश ने पिछले एक दशक में आर्थिक समृद्धि में एक बड़ी छलांग लगाई है।

प्रति व्यक्ति आय वित्त वर्ष 2011-12 में प्रदेश का प्रति व्यक्ति शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद 38,497 था, जो 2023-24 में बढ़कर 67,300 हो गया है। इसकी औसत वार्षिक वृद्धि दर 4.8त्न रही, जो महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे समृद्ध राज्यों से भी अधिक है। सकल घरेलू उत्पाद (GDP) = वर्ष 2023-24 में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 13,53,809 करोड़ था, जो 11.05प्रति. की वृद्धि के साथ अब बढ़कर 15,03,395 करोड़ हो गया है। सरकार ने वर्ष 2028-29 तक सकल घरेलू उत्पाद को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

वर्तमान प्रति व्यक्ति आय = वर्ष 2024-25 में प्रचलित भावों पर प्रति व्यक्ति आय 1,52,615 हो गई है, जबकि स्थिर भाव पर यह 70,434 है। इन आंकड़ों से यह साबित होता है कि मध्य प्रदेश, विभाजन के झटके से उबरते हुए, कृषि पर निर्भर एक राज्य से एक मजबूत और प्रगतिशील अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है।

भारत का पवन ऊर्जा सेक्टर तेज़ विकास की ओर, सुज़लॉन को फायदा

नई दिल्ली। भारत का पवन ऊर्जा क्षेत्र आगामी वर्षों में तेजी से बढ़ने वाला है। सरकार की लोकल मैन्युफैक्चरिंग नीति, फैक्ट्री क्षमता में वृद्धि और नए प्रोजेक्ट्स के कारण 2030 तक पवन ऊर्जा क्षमता को वर्तमान 51.6 गीगावाट से बढ़ाकर 100 गीगावाट करने का लक्ष्य है। अगले पांच वर्षों में लगभग 48.4 गीगावाट नई पवन ऊर्जा जोड़नी होगी, जिसमें से 25.5 गीगावाट के प्रोजेक्ट्स पहले से काम में हैं और नई नीलामी से विकास और तेज होगा। सरकार ने पवन टरबाइन के आवश्यक पार्ट्स का घरेलू उत्पादन अनिवार्य कर दिया है। ब्लेड, टावर और गियरबॉक्स तो देश में बनते हैं, लेकिन जेनरेटर और बियरिंग के लिए अभी भी कच्चा माल आयात करना पड़ता है। इससे छोटे आयात-निर्भर प्लेयर कम होंगे और बड़ी कंपनियों को फायदा होगा। देश की टरबाइन निर्माण क्षमता 18 गीगावाट सालाना है, पर इसका मात्र 20-25 फीसदी ही उपयोग हो रहा है। हालांकि चुनौतियां भी हैं, जैसे चीन पर कच्चे माल की निर्भरता, टेक्नोलॉजी रिसर्च की कमी और ट्रांसमिशन नेटवर्क में देरी। लेकिन गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की ट्रांसमिशन प्लानिंग में तेजी आ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुज़लॉन एनर्जी इस क्षेत्र में सबसे मजबूत स्थिति में है। कंपनी को वित्तीय वर्ष 2026 में लगभग 4 गीगावाट के नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिनमें 1.5 गीगावाट एनटीपीसी से होंगे। लोकल मैन्युफैक्चरिंग नियमों से सुज़लॉन को लाभ होगा, क्योंकि उसके पास पूरी तरह एकीकृत उत्पादन सेटअप है। इसके कारण कंपनी का ऑर्डर बुक 6.5 गीगावाट तक पहुंच सकता है।

जुलाई में यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। जुलाई 2025 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने एक बार फिर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में कुल 19.47 अरब ट्रांजैक्शन हुए, जिनकी कुल राशि 25.08 लाख करोड़ रही। सबसे ज्यादा लेनदेन ग्रॉसरी और सुपरमार्केट्स जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हुए, जहां 3.03 अरब ट्रांजैक्शन से 64,882 करोड़ का भुगतान किया गया। डेट कलेक्शन एजेंसियों ने भी बड़ा योगदान दिया, जहां 161 मिलियन ट्रांजैक्शन से 93,857 करोड़ का कर्ज और ईएमआई चुकाया गया। फास्ट फूड और रेस्टोरेंट्स ने भी लोगों की जेब से अरबों निकाले, फास्ट फूड पर 13,794 करोड़ और रेस्टोरेंट्स पर 18,212 करोड़ खर्च किए गए। पेट्रोल पंप पर यूपीआई से 35,188 करोड़ का भुगतान हुआ, जबकि डिजिटल गेम्स पर 10,077 करोड़ और ड्रग स्टोर्स पर 11,825 करोड़ का लेनदेन हुआ। ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स पर 12 करोड़ बार पेमेंट हुआ, जिसकी कुल राशि 8,054 करोड़ रही।

अमेरिका-चीन व्यापार समझौते को ट्रंप ने 90 दिनों के लिए बढ़ाया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के साथ चल रहे व्यापारिक समझौते की समय सीमा को 90 दिनों के लिए और बढ़ा दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब यह समझौता मंगलवार देर रात समाप्त होने वाला था। अगर यह समय सीमा खत्म हो जाती, तो अमेरिका चीन से आयात पर पहले से लग रहे 30 प्रतिशत शुल्क को और बढ़ा सकता था, जिससे चीन की ओर से भी जवाबी करों की आशंका थी। इस टकराव से वैश्विक बाजारों में भारी अस्थिरता आ सकती थी। ट्रंप ने इस विस्तार की जानकारी अपने सोशल मीडिया मंच पर दी और कहा कि उन्होंने इसके लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि समझौते की बाकी शर्तें यथावत रहेंगी। इस विस्तार से अब अमेरिका और चीन को अपने व्यापारिक मतभेदों को सुलझाने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। इस कदम का अमेरिकी कारोबार जगत ने स्वागत किया है। अमेरिका-चीन व्यापार परिषद के अध्यक्ष सीन स्टीन ने कहा कि इससे दोनों देशों को बातचीत का अवसर मिलेगा, जो दीर्घकालिक व्यापारिक स्थिरता के लिए अहम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे अमेरिकी कंपनियों को चीन में बाज़ार पहुंच बढ़ाने और व्यापारिक योजनाएं बनाने में भरोसा मिलेगा। इस निर्णय ने न सिर्फ एक बड़े आर्थिक टकराव को टाल दिया है, बल्कि यह भी संकेत दिया है कि वर्ष के अंत तक ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच एक उच्च स्तरीय शिखर बैठक हो सकती है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको किसी नई नौकरी से बुलावा आ सकता है, जहां आपको बेहतर सैलरी मिलेगी। आप अपनी सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी बरतनी होगी, इसलिए आप बाहर के खानपान से थोड़ा परहेज रखें। किसी कानूनी मामले को लेकर आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरा कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छा रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में कोई नया प्रोडक्ट लॉन्च कर सकते हैं, जिसके लिए आपकी मेहनत अधिक रहेगी। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को किसी बचत की योजना में इन्वेस्टमेंट करने का मौका मिलेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोगों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है, जिससे आपका मन काफी खुश रहेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए इनकम में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने बजट पर पूरा ध्यान देंगे, इसलिए खर्च भी लिमिट में करेंगे। आप अपनी वाणी पर थोड़ा संयम रखें। किसी विपरीत परिस्थिति में भी आपको धैर्य बनाए रखना होगा। आपकी जल्दबाजी के कारण आपका कोई भारी नुकसान हो सकता है, इसलिए आपको थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। आप अपने घर किसी प्रॉपर्टी की डील को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे, जो आपके लिए समस्या बन सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपके जीवनसाथी के साथ रिश्ते भी बेहतर रहेंगे। कुछ पारिवारिक और पुरानी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। आप किसी अच्छी स्कीम में इन्वेस्टमेंट करने की सोच सकते हैं। आप अपने सहयोगियों से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश करेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए कोई निर्णय सोच समझकर लेने के लिए रहेगा। आप जल्दबाजी में कोई गड़बड़ी कर सकते हैं। आप अपने कामों को कल पर टालने से बचें। आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें, इसलिए आप किसी से मांगकर बिल्कुल वाहन न चलाएं। ऑफिस में आपको किसी जूनियर से कम को लेकर मदद लेनी पड़ सकती है। आपने यदि किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो उसे भी उतरने की पूरी कोशिश करेंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपकी किसी नए काम को करने की रुचि जागृत हो सकती है और आपके मन में किसी काम को लेकर यदि संशय हो, तो उस काम में आप बिल्कुल आगे ना बढ़ें। आप अपने पारिवारिक जिम्मेदारी पर पूरा ध्यान देंगे। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको किसी सामाजिक कार्यक्रम से जोड़ने का मौका मिलेगा, जिससे आपकी छवि और निखरेगी और आपके जन समर्थन में भी इजाफा होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने खर्चो को भी थोड़ा कंट्रोल करने की कोशिश करें। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है और किसी दूर रह रहे परिजन से आप मेल मिलाप करने जा सकते हैं। नौकरी को लेकर यदि आप परेशान चल रहे थे, तो आपको किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आने से आपका मन काफी खुश रहेगा।

वृश्चिक- आज आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आप अपने माताजी को किसी धार्मिक यात्रा पर लेकर जा सकते हैं और आप अपने घर में किसी नए वाहन को लेकर आएंगे, जिसके लिए आप कोई लोन भी ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको अपने बॉस से रिश्तों को बेहतर बनाए रखना होगा, क्योंकि कोई बेवजह की लड़ाई झगड़े की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको अपने काम के साथ-साथ सेहत पर भी पूरा ध्यान देना होगा, इसलिए खानपान में लापरवाही बिल्कुल ना करें। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। आपकी किसी नए काम को करने की इच्छा जागृत हो सकती हैं। आप अपनी इन्कम को बढ़ाने के सोर्स पर ध्यान देंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रुप से फलदायक रहने वाला है। आपकी कोई पुरानी गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती हैं। राजनीति में आपको किसी बड़े पद की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश होगा। किसी नई नौकरी को आप तुरंत ज्वाइन कर सकते हैं। आपको अपने घर से संबंधित मामलों को लेकर टेंशन बनी रहेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर निपटाने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला आपको समस्या देगा।

मीन- आज आपको अपने कामों को लेकर एक नई राह मिलेगी। आपके रिश्ते में नयापन आएगा और आप कमियों को दूर करेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आप अपनी किसी पुरानी बीमारी को लेकर परेशान रहेंगे। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचाना होगा। आपको नौकरी में मनपसंद काम मिल सकता है।

शब्दजाल - 7989

म	अ	मु	न	मू	ल्य	वा	न	ग	ल	ट
रा	वि	प	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	भा
चु	मे	ष	ह	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ग्य
इं	को	ब	न	ल	वा	स	थु	ल	ष	वा
डि	च	मी	भ	ग	वा	न	क्रो	न	भ	न
य	वा	न	र	रा	क	न	ती	ण	य	र
द	न	र्निं	ग	ट्रे	न	र	स	सा	श	स
क	ह	ऊ	द	द	ब	क	फ	ग	वा	क
रा	म	तु	ला	या	म	प	क	वा	न	आ
क	गॉ	ल	प	लि	वा	कुं	भ	न	प	द
ज्ञा	न	वा	न	या	क	न	व्य	ब	त	म

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वान' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

कोचवान, भगवान, मूल्यवान, पकवान, यशवान, ज्ञानवान, भाग्यवान, दयावान, सागवान, पहलवान

शब्दजाल - 7988 का हल

अ	का	र्या	ल	य	द	मं	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	त्रा	द	इ	ता	ली
गि	सू	शे	ल	बा	छ	ल	ता	रा	क	क
री	ज	च	दो	दे	ज	य	ह	न	त	चि
मे	खु	दो	ना	वा	लं	का	म	ग	व	कि
घा	द	ल	प	ल	ख	पू	ना	हि	र	त्सा
ल	लो	म	ड़ी	य	य	र	शौ	र	र	ल
य	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	चा	लो	श	य
ने	बा	म	न्न	ब्रा	न्या	या	ल	य	प	क
तें	भो	ज	ना	ल	य	र्त	य	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	वि	द्या	ल	य	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6933

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरुख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6932

क्या	क	ह	ना		जं	ग		मि	
	सू		रा	जा	जी		हे	ल	न
अ	र	बा	ज		र	ह	मा	न	
भि		गी		अ		व			चा
मा	ला		दे	व		स	सु	रा	ल
न		डॉ		ता	ल		हा		बा
	जा	न	व	र		र	ग	बा	ज
दि	ल		र		गैं	ग		जी	
ल		अं	दा	ज			सं	ग	म
गी	त		न		कां	टे		र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8457

बाएँ से दाएँ

1. घूमना-फिरना-4
4. पक्षियों का शोर-4
7. धोखाधड़ी, मक्कारी-5
9. भस्म, खाक -2
11. आज्ञापालक, कर्मचारी-2
12. मगन, लीन-2
13. नेत्रावरण-3
15. त्याग, दक्षिणा-2
16. जीभ, जिव्हा-3
17. मक्खन-3
18. पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19. गर्भ-3
21. निवास, रहना-2
23. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. पानी, नीर-2
25. इच्छा पूर्ति करना-5
29. एक मुस्लिम महीना-4
30. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे

1. अनबन, झगड़ा-4
2. भालू-2
3. परिणाम-2
4. प्याला-2
5. बालों का गुच्छा-2
6. वर, इच्छापूर्ति-4
8. नीरज, जलज-3
10. भयानक-5
11. दयालु-5
13. आश्रय, शरण-3
14. करिश्मा, करतब-3
18. तहखाना-4
20. मगरमच्छ-3
22. शलवार, पायजामा-4
25. आनंद-2
26. झुका हुआ-2
27. पत्र, चिट्ठी-2
28. नासिका, घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -8456 का हल

	ल	बा	दा		स	ल	बा	र
प			न	सी	ब			त
ल		र	वी		क	ल		ज
क	म	त	र	ता		त	म	गा
	द		ता		रा		ग	
म	न	का		मो	ह	त	र	मा
र		ला	र		दे	र		म
ह			प	र	ख			ला
म	र	घ	ट		ना	पा	क	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	05.56 बजे से
चंद्र	मीन में	कन्या	08.08 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.18 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.33 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.49 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	16.54 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.14 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.44 बजे से
राहुकाल		वृष	23.24 बजे से
12.00 से 1.30		मिथुन	01.22 बजे से
बजे तक		कर्क	03.36 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 225 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 06.37 बजे तदनन्तर पंचमी 04.24 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 10.33 बजे को समाप्त। **योग** धृति 16.06 बजे को समाप्त। **करण** बालव 06.37 बजे, कौलव 17.31 बजे तदनन्तर तैतिल 04.24 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 14° 39' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872435 **जूलियन दिन** 2460900.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 18

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः मन की ताकत

गणेश शंकर विद्यार्थी अपने समय के जाने-माने पत्रकार थे। वह राष्ट्रीय एकता और आम आदमी के हक के लिए हमेशा संघर्षरत रहे। जिन दिनों वह कानपुर में थे, उन दिनों वहां कुछ शरारती तत्व शहर का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने पर लगे थे। शहर की हालत से गणेश शंकर विद्यार्थी बेहद परेशान थे और किसी तरह शांति स्थापित करना चाहते थे। उन्होंने दंगा-फसाद करने वालों को सबक सिखाने की ठान ली। विद्यार्थी जी शरीर से दुबले-पतले थे, मगर आत्मविश्वास और साहस उनमें कूट-कूट कर भरा हुआ था। एक दिन वह लोगों को शांत कराते हुए जनरल गंज की ओर निकल गए। वहां पहुंचकर उन्होंने देखा कि पहलवान जैसा दिखने वाला एक आदमी जूते की दुकान को लूट रहा है। वह जूतों को एक बोरे में भर रहा था और दुकानदार उसके सामने हाथ जोड़े गिड़गिड़ा रहा था। यह देखकर विद्यार्थी जी जोर से बोले, 'ठहरो।' वहां कई लोग खड़े थे। वे यह देखकर हैरान रह गए कि एक दुबला-पतला व्यक्ति भीमकाय शरीर वाले बदमाश को ललकार रहा है। बदमाश विद्यार्थी जी की ओर लपका तो वह उसे दुत्कारते हुए बोले, 'तुम्हें शर्म नहीं आती? दुकान का माल क्या मुफ्त का है? इतने तगड़े होकर भी सेवा या मदद तो कर नहीं रहे, उलटे दूसरों को लूट रहे हो।' बदमाश यह सुनकर शर्म से गड़ गया और सारा सामान छोड़कर वहां से चंपत हो गया। उसके जाने के बाद लोग विद्यार्थी जी से बोले, 'वह व्यक्ति आपसे तगड़ा था, आपको उससे डर नहीं लगा?' विद्यार्थी जी बोले, 'वह तगड़ा कहां था! सिर्फ शरीर से तगड़े को मैं तगड़ा नहीं मानता। मन से वह दुर्बल था, तभी तो गलत काम कर रहा था। गलत काम करने वाला शरीर से भले ही मजबूत हो, मन से बहुत कमजोर होता है। यदि हम मनुष्य होकर भी मनुष्यता से दूर भागते हैं तो मनुष्यता का अर्थ ही क्या रह जाता है?' विद्यार्थी जी की इस बात पर वहां उपस्थित सभी लोग शर्मिंदा हो गए।

सूडोकु नवताल- 7242

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7241 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंकिंग सहित कई क्षेत्रों में बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 368.49 अंक टूटकर 80,235.59 और 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 97.65 अंक नीचे आकर 24,487.40 पर बंद हुआ। इसके साथ ही वित्तीय सर्विसेज इंडेक्स एक फीसदी से अधिक नीचे आया। वहीं एफएमसीजी, रियल्टी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा इंडेक्स बढ़कर बंद हुए। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 154.15 अंक गिरकर 56,324.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 6.40 अंक बढ़कर 17,498.10 पर आ गया। सेंसेक्स पैक में मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, एमएंडएम, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाइटन, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी और एचसीएल टेक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक, इटरनल और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती कारोबार में गिरावट देखने को मिली, लेकिन बाद में आईटी शेयरों की मजबूती के चलते शेयर बाजार में तेजी लौटी। अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर जारी अनिश्चितता ने निवेशकों को सतर्क बनाए रखा है। इसके चलते बाजार में उतार-चढ़ाव का माहौल देखा जा रहा है। बीएसई सेंसेक्स 100 अंकों की गिरावट के साथ 80,508 पर खुला, जबकि निफ्टी50 ने भी कमजोरी के साथ शुरुआत की। शुरुआत में सेंसेक्स 276 अंक चढ़कर 80,880 पर पहुंच गया और निफ्टी भी 89.70 अंक बढ़कर 24,674 पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के बाजारों में भी तेजी रही। वहीं अमेरिका के प्रमुख सूचकांक सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए क्योंकि निवेशक सीपीआई डेटा का इंतजार कर रहे हैं। डाउ जोन्स, एसएंडपी 500 और नैस्डैक में हल्की गिरावट दर्ज की गई।

खरीफ सीजन में धान की बुवाई में 12 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। चालू खरीफ सत्र 2025 में देशभर में फसलों की बुवाई पिछले वर्ष की तुलना में तेज गति से हो रही है। कृषि मंत्रालय द्वारा 8 अगस्त तक जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, धान की बुवाई इस वर्ष अब तक 12 प्रतिशत बढ़कर 364.80 लाख हेक्टेयर पहुंच गई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक यह आंकड़ा 325.36 लाख हेक्टेयर था। खरीफ मौसम में कुल बुवाई क्षेत्र बढ़कर 995.63 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 38.48 लाख हेक्टेयर अधिक है। इसमें मुख्य रूप से धान, मोटे अनाज और गन्ने की बुवाई में इजाफा हुआ है। मोटे अनाजों की बुवाई 170.96 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 178.73 लाख हेक्टेयर हो गई है, जबकि गन्ने की बुवाई 55.68 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 57.31 लाख हेक्टेयर दर्ज की गई है। दलहन क्षेत्र में मामूली वृद्धि हुई है, जो अब 106.68 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। हालांकि, कुछ फसलों में गिरावट भी देखी गई है। तिलहन की बुवाई 182.43 लाख हेक्टेयर से घटकर 175.61 लाख हेक्टेयर रह गई, वहीं कपास का रकबा भी घटकर 106.96 लाख हेक्टेयर हो गया है। भारतीय मौसम विभाग ने इस वर्ष मानसून सामान्य से अधिक रहने का अनुमान जताया है, जिससे आगामी हफ्तों में फसलों की बुवाई और उत्पादन में और सुधार की उम्मीद है।

भारत में ऑटोमोटिव चिप निर्माण की दिशा में क्वालकॉम का बड़ा कदम

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित चिप डिज़ाइन कंपनी क्वालकॉम अब भारत में ऑटोमोटिव मॉड्यूल के निर्माण का स्थानीयकरण कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि क्वालकॉम अपने शीर्ष वैश्विक साझेदारों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थानांतरित करने में मदद कर रही है। इसका उद्देश्य भारत में ऑटोमोटिव सप्लाई चेन को मजबूत बनाना और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देना है। क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज के ऑटोमोटिव, औद्योगिक और एम्बेडेड आईटीओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनी भारतीय ऑटो कंपनियों को तकनीकी सहयोग देने के लिए भारी निवेश कर रही है। वर्तमान में कंपनी के कई मॉड्यूल चीन, कोरिया और ताइवान में बनते हैं, लेकिन अब भारत में ही निर्माण की दिशा में तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। कंपनी की यह रणनीति विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चिपसेट उत्पादन पर केंद्रित है। क्वालकॉम पहले ही भारत की प्रमुख ऑटो कंपनियों टाटा मोटर्स, महिंद्रा, मारुति सुजुकी और हुंदै के साथ साझेदारी कर चुकी है। उन्होंने कहा कि क्वालकॉम एक फैबलेस कंपनी है, यानी वह चिप्स डिज़ाइन करती है, लेकिन उनका निर्माण तीसरे पक्ष द्वारा किया जाता है। भारत में निर्माण को प्रोत्साहित करने से क्वालकॉम को अपनी आपूर्ति श्रृंखला को और अधिक सुदृढ़ करने का अवसर मिलेगा। कंपनी के भारत में करीब 22,000 कर्मचारी कार्यरत हैं, जो उसके वैश्विक कार्यबल का लगभग 60 फीसदी हैं। यह दिखाता है कि भारत क्वालकॉम के लिए रणनीतिक रूप से कितना महत्वपूर्ण बाजार बन चुका है।

रासायनिक खाद की किल्लत : पुलिस व्यवस्था के बीच बांटा खाद

रासायनिक खाद यूरिया के लिए भारी संख्या में किसानों का हुआ जमावड़ा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के किसान बंधु एक बार फिर खाद सोडा के लिये परेशान होते नजर आ रहे है। पूर्व से किसानों को शासन के द्वारा खाद सोडा यूरिया की आपूर्ति नही कर पा रही है। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित केन्द्र लांजी जिसमे डबल लॉक के नाम से जाना जाता है जो कि संपूर्ण क्षेत्र में खाद सोडा का किसानों को वितरण करता है। 12 अगस्त को लगभग 500 से 600 किसान उक्त विपणन केन्द्र पंहुचे जहां वे खाद सोडा के लिये अपनी अपनी भूमि के दस्तावेज लेकर आये थे। लेकिन उक्त केन्द्र में इन किसानो को आपूर्ति के लिये पर्याप्त मात्रा में खाद सोडा उपलब्ध नही था। सुबह 4 बजे से आये यह किसानों को दोपहर 12-30 बजे तक एक भी बोरी खाद सोडा उपलब्ध केन्द्र नही कर पाया था। जिससे किसानों को आक्रोश व्याप्त हुआ तथा केन्द्र में अफरा तफरी मच गई। स्थानीय जनप्रतिनिधि के द्वारा एसडीएम लांजी को उक्त संबध में सूचित किया गया तथा लांजी एसडीएम के द्वारा पुलिस प्रशासन को व्यवस्था बनाये जाने हेतु आदेशित किया गया।

लांजी थाना प्रभारी एवं बल ने पंहुचकर बनाई व्यवस्था

डबल लॉक में खाद सोडा यूरिया लेने आये किसान सुबह 4 बजे से पंहुचे हुये थे जैसे ही केन्द्र खुला वैसे ही कार्यालय में किसानों की अधिक मात्रा में भीड़ लग गई जिसके चलते कर्मचारी गण व्यवस्था को बनाने में असमर्थ नजर आये। जिस पर लांजी थाना प्रभारी व्यंकट टांडिया एवं लांजी पुलिस बल वितरण केन्द्र पंहुचा तथा महिला एवं पुरूष किसानों की अलग अलग लाईन लगाकर व्यवस्था बनाते नजर आये उसके बाद किसानों को खाद का वितरण किया गया।

एक दिन में मात्र 100 किसानों को ही खाद वितरण

डबल लॉक केन्द्र में एक ही पीओएस मशीन है जो कि एक दिन में मात्र 100 किसानों को ही खाद उपलब्ध करा पाती है। ऐसे में यदि सैकड़ो किसान केन्द्र में पंहुच जाये तो उनके लिये कोई व्यवस्था नही है। इसलिये किसान सुबह 4 से 5 बजे केन्द्र पंहुचकर अपनी अपनी बारी का इंतजार करते नजर आते है लेकिन केन्द्र के कर्मचारियों के द्वारा व्यवस्था नही बनाये जाने के कारण अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो रहा है। दुसरी ओर केन्द्र में पर्याप्त मात्रा में खाद सोडा भी उपलब्ध नही हो पा रहा है जिसके कारण भी किसान साथी खासे परेशान है अब किसान करे तो क्या करे।

इनका कहना है

उक्त संबध में जनपद पंचायत सभापति दिनेश लाडे ने कहा कि 12 अगस्त को सुबह 4 बजे से 500 से अधिक किसान केन्द्र में आये हुये है लेकिन दोपहर 12 बजे तक एक भी किसान को खाद सोडा का वितरण नही किया गया है। फिर हमने वितरकर से पूछा की आपके बांटने की प्रक्रिया क्या है तो उन्होने कहा कि हम प्रथम 100 किसानो को खाद वितरण करेंगे। मूल समस्या यह कि जितने किसान है उनके अनुसार आवंटन नही हो पा रहा है। शासन इस विषय पर ध्यान दे की क्षेत्र में जितने किसान खेती करते है उनके रकबे के अनुसार खाद सोडा की व्यवस्था की जानी चाहिये। सरकार गिरदावली करवा रही है गिरदावली में यह ज्ञात हो जाता है कितने किसान सिंचित है कितने असिंचित है। ये सरकार के पास आंकडे उपलब्ध है। दुसरी ओर जो निजी खाद दुकानों में पर्याप्त मात्रा में ,खाद सोडा उपलब्ध हैं लेकिन शासकीय वितरण केन्द्र में नही है इस बात पर भी सरकार को जवाब देना चाहिये। वहीं आपने वितरण केन्द्र में किसानो के लिये बैठने की व्यवस्था नही है पानी की व्यवस्था नही है किसानों को कोई सुविधा प्रदान नही की जा रही है इस बात पर शासन प्रशासन उक्त संबध में कृषि विस्तार अधिकारी कुलदीप गणवीर ने बताया कि आज 13 अगस्त या 14 अगस्त को 2600 मिट्रीक टन सूरिया की रैक आने वाली है। इसी के साथ 4 से 5 दिन में चंबल मे डीएपी की रैक आने वाली है। आपने बताया कि इस बार यूरिया आवंटन में परेशानी है लेकिन जल्द ही 57000 बोरिया बालाघाट जिले को मिलेगी। जिससे लगभग आपूर्ति पुरी हो जायेगी किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद मिल पायेगा।

हर घर तिरंगा अभियान

समूह की दीदियों, जनपद पंचायत के कर्मचारियों ने निकाली तिरंगा रैली

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश शासन के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत कलेक्टर महोदय एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट के निर्देशानुसार दिनांक 02 अगस्त 2025 से 15 अगस्त 2025 तक चलाया जा रहा है,जिसमें प्रतिदिवस की गतिविधियों हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी द्वारा कैलेंडर जारी किया गया है। इस अभियान के तहत 12 अगस्त को जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ऐतिहासिक किले में समूह की दीदियों एवं जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा हर घर तिरंगा अभियान में तिरंगा रैली एवं साफ सफाई कार्यक्रम आयोजित कर अभियान चलाया गया।कार्यक्रम में लेखराम रामटेककर बीपीओ, राजाराम परते बीसी एनआरएलएम, राजेन्द्र तांडेकरपीसीओ, महेन्द्र सिरामें पीसीओ, दीपेश खर्डेकर एएओ, अनिल गेडाम बीएस सोशल ऑडिट, महेश मेश्राम, सुरेश कुहाने ,लांजी किले में कार्यरत कर्मचारी,समूह की दीदियां एनआरएलएम का स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी,अधिकारी उपस्थित रहे। बतादे कि हर घर तिरंगा अभियान अन्तर्गत लांजी जनपद क्षेत्र की समस्त पंचायतो में जनप्रतिनिधियों ग्रामीण एवं स्कूली बच्चो शिक्षकों एवं समूह की दीदीयों के माध्यम से तिरंगा रैली का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही स्वच्छता ही सेवा के अन्तर्गत ग्राम पंचायतो के अन्तर्गत सार्वजनिक स्थलों पर पंहुचकर साफ सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत आज भी ग्राम पंचायातो में तिरंगा रैली का आयोजन किया जायेगा।

निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को समर्पित त्योहार रक्षा बंधन की धूम पूरे क्षेत्र में देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में नगर के आमगांव मार्ग स्थित निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ इस पर्व को मनाया। संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके लंबे जीवन और सफलता की कामना की, जबकि भाइयों ने बहनों को सुरक्षा और समर्थन का वचन दिया। यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने वाला साबित हुआ, बल्कि छात्रों के बीच एकता और सद्भावना को भी बढ़ावा दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह के समय हुई, जहां संस्थान की छात्राओं ने पारंपरिक तरीके से छात्रों की आरती उतारी। इसके बाद माथे पर तिलक लगाकर और कलाई पर रंग-बिरंगी राखियां बांधकर बहनों ने अपने भाइयों को आशीर्वाद दिया। छात्राओं की आंखों में अपार स्नेह और छात्रों के चेहरों पर मुस्कान देखते ही बनती थी। राखी बंधन के बाद सभी छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को मिठाइयां, श्रीफल (नारियल) और रूमाल भेंट किए। यह आदान-प्रदान न केवल त्योहार की मिठास को बढ़ाता है, बल्कि छात्रों के बीच पारस्परिक सम्मान को भी दर्शाता है। संस्थान के डायरेक्टर प्रणय कुमार ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ￥उत्तम शिक्षा और उत्तम संस्कार को आत्मसात कर छात्रों के सर्वांगीण विकास की शुभकामनाएं देता हूं। भाई-बहन का प्यारा पर्व रक्षा बंधन हमें सिखाता है कि रेशम की डोर में बहन भाई के लिए ढेर सारा प्यार लाती है, जबकि भाई हमेशा बहन को सपोर्ट करने और सुरक्षित रखने के लिए आगे रहता है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को भारतीय संस्कृति से जोड़ते हैं और उन्हें जीवन के मूल्यों को समझने में मदद करते हैं। डायरेक्टर कुमार ने संस्थान की ओर से सभी छात्र-छात्राओं को रक्षा बंधन की बधाई दी और कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक हैं। कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों ने अपनी भावनाएं साझा कीं। एक छात्रा ने बताया, रक्षा बंधन हमारे लिए सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते की मजबूती का प्रतीक है। यहां संस्थान में हम सभी एक परिवार की तरह हैं, और आज का दिन हमें और करीब लाया है। वहीं, एक छात्र ने कहा, बहनों द्वारा बांधी गई राखी हमें जिम्मेदारी का एहसास कराती है। हम वादा करते हैं कि हमेशा उनकी रक्षा करेंगे। निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी, जो कंप्यूटर शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण के लिए जाना जाता है, ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करता है। संस्थान के प्रबंधन का मानना है कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि छात्रों को नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों से भी जोड़ना जरूरी है। इस वर्ष रक्षा बंधन का आयोजन विशेष रूप से यादगार रहा, क्योंकि इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुईं और परिसर में उत्सव का माहौल बना रहा। रक्षा बंधन का यह त्योहार पूरे देश में भाई-बहन के अटूट बंधन को मजबूत करने का संदेश देता है। लांजी जैसे छोटे कस्बे में ऐसे आयोजन न केवल स्थानीय समुदाय को प्रेरित करते हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की सीख देते हैं। संस्थान के इस प्रयास की सराहना करते हुए स्थानीय निवासियों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। अंत में, डायरेक्टर प्रणय कुमार ने सभी को फिर से शुभकामनाएं दीं और कहा कि ऐसे पर्व हमें जीवन में प्यार, सम्मान और जिम्मेदारी के महत्व को याद दिलाते हैं। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोजन और गीत-संगीत के साथ हुआ, जो छात्रों के बीच खुशी और एकजुटता का प्रतीक बना।

नगर परिषद ने नगर विकास के अहम मुद्दों पर चर्चा कर लिए प्रस्ताव

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी में 12 अगस्त को प्रातः 11.00 बजे से कार्यालय के सभाकक्ष में परिषद की सामान्य बैठक आयोजित कर मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयुर वाहने द्वारा परिषद की बैठक में 51 एजेण्डे रखे गये। उक्त बैठक का आयोजन अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले की अध्यक्षता एवं लांजी-किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे की उपस्थिति में स्वागत पुष्पगुछ से करते हुए बैठक प्रारंभ किया गया। परिषद की सामान्य बैठक में 51 एजेण्डों में विस्तृत चर्चा परिषद गण के द्वारा करते 49 एजेण्डों को स्वीकृत किया गया एवं 02 एजेण्डों को आगामी बैठक हेतु रखे जाने हेतु मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान एजेण्डों में 15 अगस्त (स्वतंतत्रता दिवस) 2025 कार्यक्रम मनाये जाने पर चर्चा की गई एवं नगर में स्वागत गेट, सुभाष चौक बस स्टैण्ड में स्थापित सुभाषचंद्र बोस प्रतिमा, रानी अवंती बाई प्रतिमा, बिरसा मुंडा प्रतिमा स्थल का सौंदर्यीकरण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट, गौशाला निर्माण कार्य एवं नगर के वार्ड क्रमांक 01 से 15 तक विभिन्न निर्माण कार्य किये जाने पर विचार विर्मश कर निर्णय लिये गये एवं स्वीकृति दी गई। बैठक के दौरान विधायक कर्राहे के द्वारा कोटेश्वर धाम मंदिर परिसर में पेयजल आपुर्ति की व्यवस्था किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त बैठक में उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, सभापति/पार्षद किशोर रामटेक्कर, विजय गोस्वामी, दिनेश कचवाहे, श्रीमती शिखा गोस्वामी, श्रीमती कस्तुरा वाकडे एवं पार्षदगण संजय सैय्याम, श्रीमती विभा तिवारी, श्रीमती पूनम आसटकर, श्रीमती प्रेमलता खोब्रागढे, श्रीमती कल्पना डोलस, श्रीमती तेजेश्वरी गोधुले, सौरभ(मोनू) पशीने, मुकेश रणदिवें एवं सांसद प्रतिनिधि ताराचंद कालबेले, तथा कार्यालय नगर परिषद के अधिकारी/कर्मचारी उपयंत्री अमित नगपुरे, श्रीमती वंदना भार्गव सहायक ग्रेड-1 , संतोष भार्गव, तेजराम आसटकर एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल की छात्रा मोहिनी पिलारे का नवोदय में चयन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगॉव से जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2023-24 में 5 बच्चों का चयन कक्षा 6वी के लिए हुआ था। बता दे की छात्रा मोहिनी पिता दिनेश पिलारे ग्राम टेमनी का प्रतीक्षा सूची से कक्षा सातवीं के लिए चयन हुआ है। इन बच्चों ने अपने अथक परिश्रम एवं शिक्षको की मेहनत से अपने माता-पिता के साथ स्कूल का नाम गौरवांवित किए है। इनकी सफलता पर स्व. महेश कुशले शिक्षा एवं जनकल्याण समिति के अध्यक्ष बलराम बड़घैया, उपाध्यक्ष सुभाष कुशले सचिव राजाराम कुशले स्कूल संचालक ए. आर. कुशले प्रधानपाठिका श्रीमतो ममता कुशले पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे, विजय पटले, उपाध्यक्ष प्रकाश पटले, रोहितलाल बिलधैया सचिव भुमेश्वर तुरकर, गणेश बाहे सहसचिव दुलीचन्द कावडे, खुशराज राहंगडाले महिला संघ समिति में अध्यक्ष श्रीमती सविता मिसारे, योगिता राहंगडाले उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का भरें, सुजाता रामटेके सचिव वर्षा पटले, सीमा इनवाती सहसचिव श्रीमती कविता कुशले, पदमा एवं शिक्षक कमलेश ठाकरे, रोहित चंदेल, शुभम मेश्राम, सुरेन्द्र देवाहे, नरेन्द्र कटरे, सुनिता नखाते, सीमा येरपुड़े व समस्त शिक्षक / शिक्षिकाओं ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये बधाई दी है।

छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

लांजी (पद्मेश न्यूज)। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के बीच अटूट रिश्ते का प्रतीक है। यह विश्वास और सुरक्षा का पर्व माना जाता है। इस पर्व पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनसे सुरक्षा की अपेक्षा करती हैं। लांजी क्षेत्र के भानेगांव स्थित एडवेंचर पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल की छात्राओं ने छात्रों को राखी बांधी। इस कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवी तक के सभी विद्यार्थियों ने एवं साथ ही अध्यापिकाओं ने अध्यापकों को भी राखी बांधी। उन्होंने उन्हें धर्म का भाई मानकर भविष्य में संकट के समय सुरक्षा की अपेक्षा व्यक्त की।

सरूबाई सोनवाने का निधन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड क्रमांक 10 निवासी चैतराम सोनवाने की धर्मपत्नी श्रीमती सरुबाई सोनवाने का 85 वर्ष की आयु में 12 अगस्त को दोपहर 1बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे पुत्र श्रीराम सोनवाने, हरिराम सोनवाने, योगेश सोनवाने, पुत्री विद्या तिड़के, ऊषा रणदीवे, वीणा रामटेककर का भरा पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गई। इनका अंतिम संस्कार आज 13 अगस्त को सुबह 11 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया जाएगा। इनके निधन पर समाज के पदाधिकारियों, परिजनों, नाते रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिवार को गहन दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

उत्कृष्ट विद्यालय ने निकाली सायकल तिरंगा रैली

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी के द्वारा मंगलवार को भव्य सायकल तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरुआत विद्यालय परिसर से हुई, जिसमें विद्यालय के प्राचार्य डी.के फुल्लारे व अन्य शिक्षक साथी आर जी नगपुरे, एम डी मेश्राम, धर्मेंद्र सुलाखे, एच दसरिया एवं बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी सायकलों पर तिरंगा सजाकर जोश और उमंग के साथ देशभक्ति के नारे लगाए। रैली विद्यालय से होते हुए सुभाष चंद्र बोस चौक तक पहुँची और नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान देशभक्ति का माहौल चारों ओर छा गया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, एकता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था।

योजनाओं की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी नए हाथों में

मुख्यमंत्री के प्राथमिकता वाले कामों पर संभाग प्रमुखों का विशेष फोकस

भोपाल । सरकार की योजनाओं का मैदानी स्तर पर ठीक से क्रियान्वयन हो सके इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को संभाग स्तर पर जिम्मेदारी देने का सिलसिला सवा साल पहले शुरू किया था। जिसका बेहतर परिणाम भी मिला। इसको देखते हुए सरकार ने संभाग स्तर पर विकास कार्यों की समीक्षा, योजनाओं के क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग के लिए अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अफसरों की नए सिरे से जिम्मेदारी तय की है। इसके लिए नए सिरे से अपर मुख्य सचिवों को संभागों का आवंटन किया गया है। जहां राज्य सरकार की सभी तरह की योजनाओं और मुख्यमंत्री के प्राथमिकता वाले कामों की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी इन अफसरों की रहेगी। इस तरह की संभागीय मॉनिटरिंग की व्यवस्था सरकार ने पहले से लागू कर रखी है। इस नए आदेश में कई नए अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मोहन यादव सरकार बनने के बाद संभाग स्तर पर समीक्षा के लिए सवा साल पहले संभाग स्तर पर अफसरों की तैनाती की गई थी। इसमें से कई अपर मुख्य सचिव पूर्व में रिटायर हो चुके हैं और जेएन कंसोटिया इसी माह रिटायर होने वाले हैं। इसलिए सामान्य प्रशासन विभाग ने मुख्यमंत्री कार्यालय की अनुमति के बाद संभागों का आवंटन प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव स्तर के अफसरों को नए सिरे से किया गया है। दस संभागों में से आठ संभागों में अपर मुख्य सचिव और दो संभागों में प्रमुख सचिव स्तर के अफसरों को संभागीय प्रभारी बनाया गया है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को संभाग प्रभारी अधिकारी के रूप में नियुक्त करने का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न संभागों में विकास कार्यों की प्रभावी निगरानी, क्रियान्वयन और पर्यवेक्षण सुनिश्चित करना है। संभाग के प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति सीएम डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर की गई है।

संभागों में ये काम करेंगे अधिकारी

जिन अधिकारियों को संभागों का प्रभारी बनाया गया है उनके पास कई बड़े काम होंगे। इन अफसरों को संभाग स्तर पर मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन कराना होगा। जिलों में अगर कोई विषय राज्य स्तर के विभिन्न विभागों के समन्वय से संबंधित है तो उस संबंध में विभागों से समन्वय कराकर निराकरण कराना और इसे मुख्य सचिव के संज्ञान में लाना। दो माह में कम से कम एक बार संभाग के जिलों का भ्रमण करना और हर माह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संभागीय विकास कार्यों की समीक्षा करना, मुख्यमंत्री द्वारा संभाग के अंतर्गत जिलों के संबंध में समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का पालन कराना, जिलों में चिह्नित प्रमुख योजनाओं, परियोजनाओं और विकास कार्यों की मॉनिटरिंग और सुपरविजन करना और मुख्यमंत्री द्वारा संभाग स्तर पर ली जाने वाली बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना आदि प्रमुख है।

इसलिए बदले संभागों के प्रभारी अधिकारी

सरकार ने आईएएस अफसरों के संभागों के प्रभार में बदलाव इस लिए किया है कि पूर्व में जिन अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों को संभाग का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया था, उनमें से चार सेवानिवृत्त हो गए और एक आईएएस अफसर ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआएस) ले ली है, इसलिए उनके स्थान पर दूसरे आईएएस अफसरों को संभाग का प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। डॉ. मोहन यादव ने दिसंबर, 2023 में मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के दस दिन बाद 10 सीनियर आईएएस अधिकारियों को अलग-अलग संभागों की जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्हें संभागों का प्रभारी अधिकारी बनाया गया था। संभागों का प्रभार मिलने के बाद अधिकारियों ने समय-समय पर अपने प्रभार वाले संभागों का दौरा कर अफसरों के साथ बैठकें की थीं। तत्कालीन एसीएस मोहम्मद सुलेमान भोपाल संभाग, विनोद कुमार जबलपुर, जेएन कंसोटिया रीवा, एसएन मिश्रा सागर, मलय श्रीवास्तव इंदौर, अजीत केसरी नर्मदापुरम, डॉ. राजेश राजौरा उज्जैन, अशोक बर्णवाल शहडोल, मनु श्रीवास्तव चंबल व केसी गुप्ता ग्वालियर संभाग के प्रभारी अधिकारी बनाए गए थे। इनमें से मो. सुलेमान ने वीआरस ले लिया है, जबकि विनोद कुमार, एसएन मिश्रा, मलय श्रीवास्तव व अजीत केसरी सेवानिवृत्त हो गए हैं। चूंकि अपर मुख्य सचिव गृह जेएन कंसोटिया 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, इसलिए उनसे रीवा संभाग का प्रभार वापस ले लिया गया है।

अब इन अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश कुमार राजौरा के संभाग के प्रभार में बदलाव नहीं किया गया है। उनके पास उज्जैन संभाग का प्रभार यथावत रहेगा। इसके अलावा अशोक वर्णवाल ग्वालियर संभाग, मनु श्रीवास्तव चंबल संभाग, संजय दुबे जबलपुर, नीरज मंडलोई नर्मदापुरम, अनुपम राजन इंदौर, संजय शुक्ला भोपाल संभाग, रश्मि अरुण शमी रीवा, प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी सागर संभाग और शिवशेखर शुक्ला शहडोल संभाग के प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। पूर्व में अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता के पास ग्वालियर संभाग का प्रभार था। अब ग्वालियर संभाग का प्रभारी अधिकारी अशोक वर्णवाल को सौंपा गया है। गुप्ता के पास अब किसी संभाग का प्रभार नहीं है।

देश को इसी महीने मिलेगी पीएम मित्रा पार्क की सौगात

- प्रधानमंत्री मोदी 25 को करेंगे शुभारंभ

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 अगस्त को मध्यप्रदेश आएंगे और धार जिले के बदनावर क्षेत्र में बनने वाले देश के पहले पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन कर प्रदेश को विकास की एक और सौगात देंगे। इस सौगात के लिए हमने केंद्र सरकार से निरन्तर समन्वय किया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क का निर्माण पूरा होने पर सम्पूर्ण मालवा क्षेत्र के विकास को नए पंख लगेंगे। धार जिले का यह क्षेत्र पीथमपुर की तरह अब दूसरा वृहद औद्योगिक केंद्र (इन्डस्ट्रियल हब) बनने जा रहा है। इस पार्क की स्थापना से पूरे मालवा क्षेत्र के कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा और करीब 3 लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से स्थाई रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार जिले का बदनावर क्षेत्र इंदौर मेट्रोपॉलिटन सिटी एरिया का हिस्सा भी बनेगा। इससे इस क्षेत्र को मेट्रोपॉलिटन एरिया की सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा। यहां अपना उद्योग स्थापित करने वाले सभी निवेशकों, उद्योग समूहों और कम्पनियों को फोर लेन रोड, रेल और एयर कनेक्टिविटी सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क का निर्माण इस क्षेत्र के किसानों और श्रमिकों की जिंदगी बदलने का अवसर है। पीएम मित्रा पार्क बनने पर बड़ी तादाद में कुशल श्रमशक्ति की आवश्यकता होगी। इसलिए मालवा क्षेत्र के सभी जिलों में कारीगरों/बुनकरों के लिए ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट या स्किल डेवलपमेंट सेंटर प्रारंभ कराने के लिए अभी से प्रयास करें। पाकजू में काम करने के लिए भारी संख्या में आने वाली श्रमशक्ति के आवास-निवास के लिए भी अभी से काम प्रारंभ करें। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की चारों दिशाओं से कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयास करें। बदनावर से थांदला रोड एनएचएआई द्वारा मंजूर कर ली गई है। इस रोड से पार्क एरिया को सीधी कनेक्टिविटी मिल जायेगी। पीएम मित्रा पार्क क्षेत्र से उज्जैन में बनने वाले एयरपोर्ट की दूरी मात्र 70 किमी है। इस क्षेत्र को इंदौर इंटरनेशनल एयरपोटजू से भी कनेक्टिविटी मिलेगी। वर्तमान में रतलाम से भी रोड कनेक्टिविटी उपलब्ध है। भूमिपूजन कार्यक्रम के लिए सीमावर्ती जिलों से समन्वय किया जा रहा है।

पोस्ट डीआईजी की, काम कर रहे एसपी का

मप्र में 7 माह से पोस्टिंग की बाह जोह रहे 4 अधिकारी

भोपाल। राज्य सरकार ने एक जनवरी 2025 से चार पुलिस अधीक्षकों को पदोन्नत कर डीआईजी बनाया और चार डीआईजी को आईजी के पद पर पदोन्नत किया। डीआईजी के पद पर पदोन्नत चारों अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर सात माह बाद भी सरकार निर्णय नहीं ले पाई है। अधिकारियों का पदनाम तो बदल गया, पर काम वही कर रहे हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। संगठित अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस पर हमले भी हो रहे हैं, इसके बाद भी सरकार सात माह में पदस्थापना नहीं दे पाई है।

जिन्हें डीआईजी बनाया गया था, उनमें एसएसपी रेडियो विजय कुमार खत्री, एसपी धार मनोज कुमार सिंह, पुलिस मुख्यालय में एआईजी राकेश सिंह और विनीत जैन शामिल हैं। इसके बाद राजेश चंदेल और शचींद्र चौहान को पदोन्नत कर डीआईजी बनाया है। इनमें चंदेल को रीवा डीआइजी बना दिया गया है, पर चौहान को अभी उच्च पद पर पदास्थापना की प्रतीक्षा है। वह अभी 32वीं वाहिनी उज्जैन में सेनानी हैं। इसी तरह सचिन अतुलकर, कृष्णावेनी, कुमार सौरभ और जगत सिंह राजपूत को डीआइजी से आइजी के पद पदोन्नत किया गया था। इनमें जगत सिंह राजपूत को छोड़ सभी को नई जगह पदस्थापना मिल गई है। राजपूत पुलिस मुख्यालय में योजना शाखा में डीआईजी थे। उनका भी सिर्फ पदनाम बदला काम नहीं। वह अगस्त में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इनमें कृष्णावेनी को छोड़ दें सचिन अतुलकर और कुमार सौरभ को जून में नई पदस्थापना मिली। दतिया एयरपोर्ट के उद्घाटन में आइजी सुशांत सक्सेना और एसपी वीरेंद्र मिश्रा के बीच कहासुनी के बाद इन दोनों अधिकारियों के अतिरिक्त कुमार सौरभ को हटाकर पुलिस मुख्यालय में आइजी और अतुलकर को सक्सेना की जगह चंबल रेंज का आइजी बनाया गया।

पदोन्नति में आरक्षण मामले में सुनवाई 14 को होगी

- शासन के जवाब पर तय होगी प्रमोशन की राह

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के लोक सेवा पदोन्नति नियमों के खिलाफ जबलपुर हाईकोर्ट में 14 अगस्त को सुनवाई होना है। इस दौरान राज्य सरकार कोर्ट में जवाब पेश करेगी। कोर्ट में पिछली सुनवाई के दौरान सरकार अपना पक्ष मजबूती से नहीं रख पाई थी और जवाब पेश करने के लिए कोर्ट से समय मांगा गया था। दिल्ली से सीनियर एडवोकेट के जरिए सरकार अपना पक्ष रख सकती है, ऐसी कवायद भी चल रही है।

इससे पहले कोर्ट ने 7 जुलाई को कोर्ट ने मुख्य सचिव सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। साथ ही आदेश दिया था कि इस मामले में स्थिति स्पष्ट होने तक कोई भी पदोन्नति नहीं दी जा सकेगी। इसके चलते 31 जुलाई तक पदोन्नति दिए जाने के राज्य सरकार के तमाम प्रयास नाकाम हो गए हैं। कोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट को आश्वासन दिया था कि अगली सुनवाई तक किसी को नई नीति के तहत पदोन्नति नहीं दी जाएगी। मामले में भोपाल निवासी डॉ. स्वाति तिवारी सहित अन्य याचिकाकर्ताओं ने दलील दी है कि हाईकोर्ट पहले ही साल 2002 के प्रमोशन नियमों को आरबी राय केस में रद्द कर चुका है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने नए सिरे से वही नीति लागू कर दी जबकि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और वहां यथास्थिति बनाए रखने का आदेश जारी है।

17 जून को कैबिनेट ने दी थी मंजूरी

नए पदोन्नति नियमों को मोहन यादव कैबिनेट ने 17 जून को मंजूरी दी थी और इसके बाद सरकार ने 19 जून 2025 को नए नियम बनाकर अधिसूचना जारी कर उसे लागू कर दिया है लेकिन न तो सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका वापस ली और न ही पुराने नियम से पदोन्नत हुए कर्मचारियों को पदावनत किया। इसी कारण जब इन नियमों के विरोध में हाई कोर्ट याचिका दायर की गई तो कोर्ट ने नए और पुराने नियम के अंतर को स्पष्ट करने के साथ इस बात पर सरकार से जवाब मांग लिया कि सरकार की ओर से दायर याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस क्यों नहीं ली गई। जब नियम तैयार हो रहे थे, तब भी यह विषय उठा था लेकिन इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। अब इस मामले में सरकार द्वारा दिए जाने वाले जवाब से तय होगा कि पदोन्नति का रास्ता खुलेगा या पदोन्नति अटकी रहेगी। बताया जाता है कि सरकार कोर्ट में मजबूती से अपना पक्ष रखने के लिए गुरुवार को पूर्व अतिरिक्त सालिसिटर जनरल सीएस वैद्यनाथन को बुला सकती है।

फ्लैट देने के बहाने करोड़ों की ठगी

भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू), भोपाल ने शहर के बिल्डर और होमटेक कंस्ट्रक्शंस के मालिक अनवार बेग के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत के गंभीर आरोपों के तहत मामला दर्ज किया है। बिल्डर पर कई शिकायतकर्ताओं से फ्लैट के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि अनवार बेग ने भोपाल के अदनान कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग समेत अन्य जगहों पर फ्लैट बेचने के लिए शिकायतकर्ताओं से अनुबंध किए। शिकायतकर्ताओं ने भुगतान किए, लेकिन न तो उन्हें फ्लैट की रजिस्ट्री मिली और न ही उनके पैसे वापस हुए। ईओडब्ल्यू की जांच में खलील उस्मानी से 14 लाख रुपये, उमर रऊफ से 5 लाख रुपये, सैयद इकबाल हसन से लगभग 8 लाख 10 हजार रुपये, रईस अली से 13 लाख रुपये और मसरूर ने उनकी पत्नी के नाम से फ्लैट खरीदने अनवार बेग को 10 लाख रुपये दिए थे, लेकिन बेग ने उनको पैसे लेने के बावजूद ना तो रजिस्ट्री कराई ना फ्लैट दिया। इसके अलावा, कई अन्य शिकायतकर्ताओं से चेक और नकद राशि के रूप में करोड़ों रुपये लिए गए। कुछ मामलों में, अनवार बेग ने शिकायतकर्ताओं से संपत्ति के बदले संपत्ति देने का आश्वासन दिया और उनकी संपत्तियों की रजिस्ट्री करा ली। ऐसे पांच शिकायर्तकर्ताओं के साथ 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी अनवार बैग द्वारा की गई। ईओडब्ल्यू ने प्रारंभिक जांच के बाद अनवार बेग के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 406 (अमानत में खयानत) के तहत मामला दर्ज किया है।

वाहन डीलर्स अच्छे नंबरों को कर रहे 'ब्लॉक'

वाहन खरीदने जा रहे लोग और परिवहन अधिकारी परेशान

भोपाल। परिवहन विभाग द्वारा वाहनों के नंबरों से लेकर रजिस्ट्रेशन तक की सारी व्यवस्था डीलर्स को सौंप दी गई है। इसके बाद से डीलर्स अकसर कई नंबरों को ब्लॉक कर रहे हैं, जिससे वे नंबर लोग चाहकर भी नहीं ले पा रहे हैं और सीरिज खत्म हो जाने के बाद उन नंबरों को ले पाना संभव भी नहीं हो पा रहा है। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने परिवहन आयुक्त को पत्र लिखते हुए सिस्टम में बदलाव की मांग की है।

अधिकारियों ने बताया कि वाहनों के लिए नंबर जारी करने की तीन व्यवस्थाएं मौजूद हैं। हर सीरिज में उपलब्ध कुल 9999 नंबरों में से करीब 500 नंबरों को वीआईपी घोषित किया गया है, जिन्हें नीलामी के माध्यम से खरीदा जा सकता है। इनकी कीमत 5 हजार से 1 लाख तक है। इसके बाद च्वाइस नंबर की व्यवस्था है, जिसके तहत शेष बचे नंबरों में से वाहन मालिक वाहन खरीदते वक्त कोई भी नंबर पसंद कर सकता है। दोपहिया में इसके लिए 2100 रुपए और चार पहिया व अन्य वाहनों के लिए 5100 रुपए की व्यवस्था है। आखिरी में 00 होने पर यह शुल्क और बढक़र 5 से 15 हजार तक पहुंच जाता है। वहीं आखिरी में आती है रेंडम नंबर की व्यवस्था, जिसमें वाहन मालिक द्वारा उक्त दोनों व्यवस्था में से किसी को भी न चुनने पर सिस्टम अपने आप वाहन को रनिंग सीरिज से नंबर दे देता है। अब इस व्यवस्था के तहत च्वाइस नंबर की व्यवस्था पूरी तरह डीलर्स के हाथ में है, जहां डीलर्स नंबरों को ब्लॉक कर रहे हैं।

कैसे होते हैं नंबर ब्लॉक

परिवहन विभाग के वाहनों के रजिस्ट्रेशन के लिए बनाए गए 'वाहन' पोर्टल पर जब डीलर्स किसी नंबर को किसी वाहन के लिए लेना चाहते हैं तो वे बिना वाहन नंबर डाले ही उसे ग्राहक के लिए एड टू कार्ट कर लेते हैं, जिससे ये उनके आईडी के साथ ब्लॉक हो जाता है। अब डीलर्स अपने यहां आने वाले ग्राहकों को खास नंबरों के रूप में ऐसे उपलब्ध नंबर दिखाते हैं और यह भी कहते हैं कि ये नंबर आपको और कहीं नहीं मिलेंगे, क्योंकि इन्हें हमने ब्लॉक कर रखा है। सिस्टम की कमी के कारण जब तक डीलर्स इन नंबरों को रिलीज नहीं करते हैं, तब तक ये नंबर उनके आईडी पर ब्लॉक ही रहते हैं।

ब्लॉक होने के कारण उपयोग ही नहीं हो पाए

परिवहन अधिकारियों ने बताया कि डीलर्स द्वारा जब नंबर ब्लॉक किए जाते हैं और अगर वे उसी सीरिज में रहते हुए किसी गाड़ी को दे दिए जाते हैं तब तक तो ठीक है, लेकिन अगर सीरिज खत्म हो जाती है तो ऐसे नंबरों को इसके बाद गाड़ी पर रजिस्टर्ड नहीं किया जा सकता है, क्योंकि सिस्टम उक्त सीरिज के नंबरों को खत्म मान लेता है।

ग्वालियर-भोपाल संभाग में अब कर्मचारियों में होगी प्रतिस्पर्धा

भोपाल । भोपाल, ग्वालियर संभाग के 16 जिलों में काम करने वाले बिजली कर्मचारियों को अब हर माह एम्प्लॉई ऑफ द मंथ पुरस्कार दिया जाएगा। इसके लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने संभाग स्तर पर हर माह जोन और वितरण केंद्र में काम करने वाले और बेस्ट परफार्म करने वाले कर्मचारियों की सिलेक्शन प्रोसेस तय करने का फैसला किया है।

पुरस्कार के दायरे में कंपनी क्षेत्र में काम करने वाले सभी नियमित, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को शामिल किया गया है। यह योजना अगस्त 2025 से शुरू की जा रही है, जो मार्च 2026 तक चलेगी। जिसे जल्द ही कंपनी द्वारा ऑनलाइन संचालित किया जाएगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने और उत्कृष्ट योगदान पर सम्मानित करने के लिए एक नई पहल शुरू की है। अब कंपनी द्वारा प्रत्येक माह एम्प्लॉई ऑफ द मंथ पुरस्कार दिया जाएगा। यह पुरस्कार कंपनी के अंतर्गत संभागीय स्तर पर हर माह जोन एवं वितरण केन्द्र में कार्यरत सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले तीन सर्वश्रेष्ठ कर्मचारियों को दिया जाएगा। कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने बताया कि इस पुरस्कार का उद्देश्य उपभोक्ताओं को संतुष्टि के साथ त्वरित और बेहतर सेवाएं प्रदान करने वाले कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पहचान दिलाना और अन्य कार्मिकों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है।

पांच मापदंडों पर किया जाएगा सिलेक्शन

कंपनी के एमडी सिंघल के अनुसार इस पुरस्कार के लिए कर्मचारियों का चयन कंपनी मुख्यालय द्वारा कंपनी कार्यों के अनुसार निर्धारित पांच मापदंडों के आधार पर किया जाएगा। इसमें सर्कल कार्यालय द्वारा दो अतिरिक्त मापदंड जोड़े जा सकेंगे।

विपक्ष ने किया 'मछली' से किनारा

- सडक़ से लेकर सदन तक ड्रग तस्करी, लव जिहाद के मुद्दों से बच रही कांग्रेस

भोपाल। प्रदेश में जन समस्याओं के अलावा अन्य बड़े मुद्दे हैं, जिनको लेकर विपक्ष का रवैया ढुलमुल हो रहा है। विधानसभा का मानसून सत्र निर्धारित समाप्त हो चुका है। निर्धारित 8 बैठकों में से 6 दिन चली सदन की कार्रवाई में विपक्ष ने सरकार को भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था, अजा-अजा अत्याचार, बेरोजगारी, महंगाई समेत अन्य मुद्दों पर घेरने की कोशिश की। विपक्ष के सदस्य हर दिन सदन की कार्रवाई में हिस्सा लेने के लिए भैंस, किसान बनकर पहुंचे तो कभी धरना पर बैठकर विरोध विरोध किया। तमाम मुद्दों के बीच विपक्ष ने राजधानी ही नहीं मप्र के सबसे चर्चित लव-जिहाद और ड्रग तस्करी के मुद्दे को छुआ तक नहीं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कांग्रेस के अन्य विधायक भोपाल ड्रग तस्करी के आरोपियों को लेकर बोलने से बचते रहे। हालांकि विपक्ष ने किसानों की समस्या, अवैध उत्खनन, खराब कानून व्यवस्था, पुलिस भर्ती का मामला, महिला अपराध, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के मुद्दे, सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण, भ्रष्टाचार के मुद्दे अलग-अलग दिन उठाए। 6 दिन तक कांग्रेस विधायकों ने अलग-अलग विषयों को लेकर प्रदर्शन भी किया। सदन की कार्रवाई के आखिरी दिन विपक्ष स्टांप अधिनियम के खिलाफ सदन से बहिर्गमन भी किया। अनूपूरक बजट से लेकर अन्य विधेयकों पर चर्चा में नेता प्रतिपक्ष सहित कांग्रेस के विधायकों ने हिस्सा लिया।

अब घर से अधिकतम 30 मिनट की दूरी पर मिलेंगी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं

400 से ज्यादा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की नियुक्ति, गांव-गांव पहुंचेगी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं

भोपाल । ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में रहने वाली आबादी को अब अपने घर से अधिकतम 30 मिनट की दूरी पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) मध्यप्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए 400 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) की नियुक्ति की है। खास बात यह है कि ये पद उच्च प्राथमिकता और आकांक्षी जिलों सीधी, सिंगरौली, पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर और डिंडोरी में भरे गए हैं।

एनएचएम अधिकारियों के अनुसार, इन छह जिलों में कुल 415 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की पदस्थापना आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में की जा रही है। इनकी नियुक्ति के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भावस्था देखभाल, बाल व किशोर स्वास्थ्य, संचारी-असंचारी रोग प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धजन देखभाल, मुख, दंत, नेत्र व ईएनटी रोगों के साथ आपातकालीन सेवाएं भी नजदीक में उपलब्ध होंगी।

12 हेल्थ पैकेज, मुफ्त जांच व दवाइयां

राज्यभर में स्थापित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 12 तरह की समग्र स्वास्थ्य सेवाओं का हेल्थ पैकेज लागू है। यहां 17 प्रकार की पैथोलॉजी जांच और 126 तरह की दवाइयां निशुल्क दी जाती हैं। इसके अलावा, योग दिवस, पोषण दिवस जैसे स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। प्रदेश में इस समय 12,551 आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्रियाशील हैं। इनमें से 10,189 केंद्रों पर सीएचओ की आवश्यकता थी, जिनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा पद अब भर चुके हैं। हाल ही में चयनित सीएचओ को एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पदस्थापना स्थल के विकल्प चुनने का अवसर दिया था। दस्तावेज सत्यापन के बाद संबंधित जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अंतिम नियुक्ति आदेश जारी करेंगे।

जीतू पटवारी ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना, बताया भाजपा का तोता, कहा

मप्र में वोट चोरी के खुलासे से पहले बंद कर दी वेबसाइट

भोपाल। राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोप के बाद विपक्ष चुनाव आयोग को जमकर घेर रहा है। एमपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी चुनाव आयोग पर तंज कसा और उसे बीजेपी का तोता बताया। पटवारी ने कहा कि चुनाव आयोग बीजेपी के तोते की तरह काम करता है। चुनाव आयोग बीजेपी का तोता है उसके प्रमाण राहुल गांधी ने पेश किए। जिस तरह से देश में वोटों की चोरी हो रही है, चुनाव आयोग को देश को बताना होगा। चुनाव आयोग को सवालों के घेरे से बचाने के लिए कानून बनाए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में वोटों की चोरी का खुलासा करने से पहले चुनाव आयोग ने वेबसाइट बंद कर दी।

उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश में भी वोट चोरी का खुलासा करने अभियान चलाया जाएगा। प्रदेशभर में 'वोट सत्याग्रह तिरंगा यात्रा' निकाली जाएगी। लोकतंत्र को बचाना है तो वोट के अधिकार में पवित्रता लानी होगी। जीतू पटवारी ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के बयान पर भी पलटवार किया है। उन्होंने कहा, करप्शन का पर्याय भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं।

चयन समिति 19 या 20 अगस्त को कर सकती है भारतीय टीम की घोषणा

एशिया कपः अक्षर-गिल में उपकप्तानी की होड़, बुमराह के खेलने की संभावना

नई दिल्ली,एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल इस सत्र के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं लेकिन अगले महीने यूएई में होने वाले एशिया कप टी20 में भारतीय टीम की उप कप्तानी के लिए उन्हें अक्षर पटेल जैसे दावेदार का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी इस टूर्नामेंट में खेलने की संभावना। अक्टूबर की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए उन्हें आराम दिया जा सकता है।

अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति 19 या 20 अगस्त को एशिया कप के लिए टीम का चयन कर सकती है जो इस बात पर निर्भर करेगा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम सभी खिलाड़ियों का मेडिकल बुलेटिन कब भेजती है जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव की जानकारी भी शामिल है जिन्होंने बेंगलुरु में नेट्स पर बल्लेबाजी शुरू कर दी है।

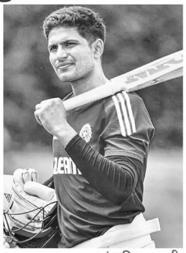

संभावित भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा/ध्रुव जुरेल।

शीर्षक्रम में कई अच्छे खिलाड़ी मौजूद

इस मामले की जानकारी रखने वाले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बताया, अभिषेक शर्मा पिछली आईसीसी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज हैं। संजू सैमसन ने पिछले सत्र में बल्ले और विकेटकीपर दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। इसलिए यह फैसला लेना मुश्किल होगा लेकिन मौजूदा फॉर्म (हालांकि टेस्ट में) को देखते हुए शुभमन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। चयनकर्ताओं के लिए समस्या यह है कि शीर्ष क्रम में कई अच्छे खिलाड़ी मौजूद हैं। शीर्ष क्रम में इतने सारे खिलाड़ियों के साथ यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन के लिए जगह बनाना बहुत मुश्किल होगा।

चयनकर्ता निरंतरता बनाए रखना चाहेंगे

चयन प्रक्रिया में कुछ पेचीदा फैसले होंगे लेकिन भारतीय चयनकर्ता निश्चित रूप से निरंतरता बनाए रखना चाहेंगे। जिसमें सूर्यकुमार के टी20 कप्तान बनने के बाद से उन्हें काफी सफलता दिलाई है। अक्षर भारत की इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उप कप्तान थे जबकि पिछले साल श्रीलंका में जब सूर्यकुमार को पहली बार टी20 टीम का पूर्णकालिक कप्तान नियुक्त किया गया था तब गिल ने यह जिम्मेदारी निभाई थी। यह समझा जाता है कि चयन समिति इस टीम में अधिक बदलाव नहीं करना चाहेगी क्योंकि अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, सूर्यकुमार, तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या शीर्ष पांच में मजबूत खिलाड़ी हैं।

राहुल के नाम पर नहीं होगा विचार

एकदिवसीय प्रारूप में पहली पसंद के विकेटकीपर लोकेश राहुल के नाम पर विचार नहीं किए जाने की संभावना है क्योंकि वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी नहीं करते हैं। हालांकि सैमसन का पहले विकेटकीपर के रूप में चुना जाना लगभग तय है लेकिन दूसरे विकेटकीपर के स्थान के लिए जितेश शर्मा और ध्रुव जुरेल के बीच मुकाबला होगा। जुरेल पिछली टी20 सीरीज का हिस्सा थे जबकि जितेश ने आईपीएल में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

ऑलराउंडर के रूप में हार्दिक पहली पसंद

हार्दिक पंड्या भारत के सफेद गेंद के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में पहली पसंद हैं तो वहीं इंग्लैंड श्रृंखला के दौरान चोटिल हुए नितीश कुमार रेड्डी के समय पर फिट होने की संभावना नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ अच्छी वापसी करने वाले शिवम दुबे को टीम में जगह मिलने की संभावना है। अक्षर और वाशिगटन सुंदर टीम में अन्य दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर होंगे।

तेज गेंदबाजों में अर्शदीप सिंह का खेलना तय

मुख्य संघर्ष तेज गेंदबाजी आक्रमण में होगा जहां बुमराह और अर्शदीप सिंह ने अपनी जगह पक्की कर ली है। तीसरे स्थान के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा के बीच मुकाबला होगा। वहीं स्पिनर में कुलदीप और वरुण की पिछले प्रदर्शन के आधार पर जगह पक्की है।

वॉर्नर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवे खिलाड़ी बने

मैनचेस्टर । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने इंग्लैंड में जारी द हंड्रेड प्रतियोगिता के दौरान ओरिजिनल्स के खिलाफ अपनी टीम लंदन स्पिरिट्स की ओर से अर्धशतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब वार्नर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवे खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही ही उन्होंने भारत के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। अब 419 टी20 मैचों में वार्नर के 36.80 की औसत और 140 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 13,545 रन हो गये हैं। जिसमें 8 शतक और 113 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 है। दूसरी ओर भारतीय बल्लेबाज विराट ने 414 मैचों और 397 पारियों में 41.92 की औसत, 134.67 की स्ट्राइक रेट, 9 शतक और 105 अर्द्धशतकों के साथ 13,543 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 122 है। टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी वेस्टइंडीज के क्रिस गेल हैं जिन्होंने 463 मैच खेले हैं जिनमें 455 पारियों में 36.22 की औसत, 144.75 की स्ट्राइक रेट, 22 शतक और 88 अर्द्धशतक के साथ 14,562 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रहा है।

यह वार्नर का पहला द हंड्रेड सीजन है और वह तीन मैचों में 75.00 की औसत, 141.50 की स्ट्राइक रेट और दो अर्धशतकों के साथ 150 रन बनाकर शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

मैच की बात करें तो मैच के दौरान वॉर्नर ने 51 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 71 रनों की शानदार पारी खेली और 139 से ज्यादा की औसत से रन बनाए। हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम मैनचेस्टर द्वारा बनाए गए 164 रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंच सकती है भारतीय टीम - आकाश चोपड़ा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है भारतीय टीम 2027 में खेले जाने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंच सकती है। चोपड़ा के अनुसार शुभमन गिल की कप्तानी में हाल में जिस प्रकार युवा टीम ने प्रदर्शन किया है उससे भी टीम की उम्मीदें बढ़ी हैं पर वह भी बदलाव के दौर से गुजर रही है और ऐसे में उसे परिणाम अच्छे नहीं होने पर भी समर्थन की जरुरत रहेगी। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई 5 मैच की टेस्ट सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराने में सफलता हासिल की थी।

ये डब्ल्यूटीसी टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की भारत की पहली सीरीज थी। भारत को इसके बाद दो और टेस्ट सीरीज विदेशी धरती पर खेलनी है, वहीं तीन सीरीज घर पर खेलनी होगी। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि भारत के डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को लेकर बहुत अधिक आशावादी भी नहीं हो सकते हैं पर टीम एक मजबूत दावेदार रहेगी। आकाश चोपड़ा ने कहा, भारतीय टीम को घरेलू सीरीज ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से खेलनी है। मेरा मानना कि शुभमन की टीम ये तीनों सीरीज जीतेगी हालांकि यह इतना आसान नहीं होगा क्योंकि हम भी बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं।उन्होंने आगे कहा, हमारी एक विदेशी सीरीज श्रीलंका के खिलाफ भी है। मुझे उम्मीद है कि हम वहां बड़ी जीत के साथ ही काफी अंक हासिल करेंगे। वहीं न्यूजीलैंड से मुकाबला कठिन रहेगा है। मुझे लगता है कि हम ठीक रहेंगे। हम एक बार फिर दौड़ में होंगे। हम शीर्ष तीन या चार में होंगे। इसका कारण है कि हम बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं इसलिए ये पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि टीम फाइनल में पहुंचेगी।

एलेक स्टेवार्ट के नाम नहीं हैं एक भी दोहरा शतक

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर एलेक स्टेवार्ट अपने समय के दिग्गज बल्लेबाज रहे हैं। उनके उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 8000 से ज्यादा रन हैं। इस क्रिकेटर ने अपने एक दशक से अधिक समय तक चले करियर में पारी की शुरुआत से लेकर सातवें नंबर तक खेला है। स्टेवार्ट विश्वक के एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 8463 रन टेस्ट क्रिकेट में बनाए पर एक बार भी दोहरा शतक नहीं लगा पाये।

साल 1990 से 2003 तक कुल 133 टेस्ट मैच खेलने वाले स्टेवार्ट 235 पारियों में 21 बार नाबाद रहे और उनके नाम कुल 8463 रन बनाए। उनका टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक स्कोर 190 रन था, ये उन्होंने एजबेस्टन में साल 1992 में पाकिस्तान के खिलाफ बनाया था। इसके बाद वह कभी भी इस आंकड़े से आने नहीं निकल पाये।

स्टेवार्ट ने 39.54 के औसत से अपने टेस्ट करियर में रन बनाए थे। इसमें 15 शतक और 45 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 1121 चौके लगाये पर वह केवल 10 छक्के ही लगा पाये। वहीं 170 एकदिवसीय में उनके नाम 4 शतक और 28 अर्धशतक के साथ ही कुल 4677 रन हैं।

रोहित को साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में शामिल करें -लाड

नई दिल्ली । भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि उन्हें साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। पिछले कुछ समय से ये अटकलें हैं कि रोहित को विश्वकप के लिए टीम में जगह नहीं मिलेगी। एकदिवसीय विश्वकप में अभी दो साल हैं और ऐसे में बढ़ती उम्र के कारण उनकी फिटनेस तब तक कैसी रहती है ये भी देखना होगा। इसी बीच ये भी रिपोर्ट आई कि अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के बाद उनपर एकदिवसीय प्रारुप से संन्यास का दबाव रहेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का हालांकि अभी तक इस मामले में कोई बयान नहीं आया है।

वहीं कोच लाड के अनुसार रोहित में अभी भी टीम के लिए योगदान देने की भूख है। लाड ने , रोहित को निश्चित रूप से 2027 एकदिवसीय विश्वपकप में खेलना चाहिए। ट्रॉफी जीतना हमेशा से ही उनका सपना रहा है हालांकि वह साल 2011 की विजयी टीम में जगह नहीं बना पाये थे। लाड ने कहा कि उन्हें विश्वकप के लिए टीम में रखा जाना अच्छा रहेगा चाहे वह कप्तान रहें या न रहें क्योंकि अभी भी उनमें काफी क्रिकेट बाकि है। उन्होंने कहा, चाहे वह टीम का नेतृत्व करें या नहीं यह बीसीसीआई और चयनकर्ताओं पर निर्भर है पर उसमें अभी भी रनों की भूख और दृढ़ता है, इसलिए उन्हें 2027 विश्व कप टीम का हिस्सा होना चाहिए। रोहित ने 273 एकदिवसीय मैचों में 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं. जिसमें 32 शतक और 58 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने इस प्रारुप में तीन दोहरे शतक भी लगाये हैं। इससे पहले रोहित ने कहा था कि उनका लक्ष्य एकदिवसीय विश्वकप जीतना है। इससे पहले साल 2023 में टीम उनकी कप्तानी में फाइनल में पहुंचकर हार गयी थी जिससे वह बेहद निराश थे।

एशिया कप में मिल सकती है जितेश, शिवम सहित इन खिलाड़ियों को जगह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अब अगले माह होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में उतरेगी। इसी माह 19 या 20 अगस्त को अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति एशिया कप के लिए टीम का चयन करेगी। इस टूर्नामेंट में बल्लेबाज शुभमन गिल और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का खेलना भी तय है। टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास है। सूर्यकुमार को हालांकि फिटनेस टेस्ट पास करना होगा क्योंकि सर्जरी के बाद से ही वह खेल से दूर रहे हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी फिट होने पर ही इस सीरीज से वापसी करेंगे। इस सीरीज में विकेटकीप की जिम्मेदारी संजू सैमसन के पास रहेगी। वहीं दूसरे विकेटकीपर के

तौर पर जितेश शर्मा या ध्रुव जुरेल में से किसी एक को जगह मिल सकती है। जुरेल पिछली टी20 सीरीज में शामिल थे जबकि जितेश ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

वहीं ऑलराउंडर के लिए पंड्या के विकल्प के तौर पर शिवम दुबे को टीम में जगह मिलने की संभावना है क्योंकि नितीश कुमार रेड्डी अभी फिट नहीं है। वहीं अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर को स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के लिए जगह मिल सकती है। इस टूर्नामेंट के लिए बुमराह के फिट होने की उम्मीद है। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का खेलना भी तय है। टीम में तीसरे तेज गेंदबाज के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा के बीच मुकाबला होगा।

एशिया कप के लिए संभावित टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा/ध्रुव जुरेल।

वीरांगना रानी अवन्ति बाई जयंती का आयोजन 20 को

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में

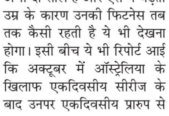

वीरांगना रानी अवंति बाई जयंती का आयोजन परसवाड़ा विधानसभा के सामुदायिक भवन गुजरी चौक हट्टा में 20 अगस्त को दोपहर 12 बजे से आयोजित हैं।जिसमे मुख्य रूप से दुर्गेश बिसेन प्रभारी बसपा जिला बालाघाट व पूर्व जिला पंचायत सदस्य बालाघाट इंजिनियर महेंद्र जिलाध्यक्ष बसपा बालाघाट उपस्थित होंगे। विशेष अतिथी मुकेश कुमार आनंद वैध प्रभारी विधानसभा परसवाड़ा हेमलता लिल्हारे उपाअध्यक्ष बसपा विधानसभा परसवाड़ा लेखराम विश्वकर्मा ,सुल्तान अहमद सिद्धकी सचिव विधानसभा परसवाड़ा अध्यक्षता प्रमोद बोरकर अध्यक्ष विधानसभा परसवाड़ा की उपस्थिति होंगी। इस जयंती समारोह को सफल बनाने की अपील समस्त सेक्टर अध्यक्ष सेक्टर महासचिव पोलिंग अध्यक्ष ने की हैं।

हर घर तिरंगा अभियान, मुलना स्टेडियम से निकाली गई तिरंगा रैली

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता जन जागरूकता अभियान के तहत 12 अगस्त को नगर के मुलना स्टेडियम मैदान परिसर से तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। जिला एथलेटिक्स संघ, सीबीसी बालाघाट, खेल और युवा कल्याण विभाग कराते सेन्टर, एबी फिटनेस अकैडमी के तत्वाधान में तथा खिलाडियों एवं आम नागरिकों की उपस्थिति में यह तिरंगा रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारे, जिला कराते खेल प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन, ओमप्रकाश दमाहे ऐबी फिटनेस क्लब, इकाई प्रभारी अजय बैस, विजय सूर्यवंशी साहित्य युवाओं की उपस्थिति में प्रारंभ हुई।

देश प्रेम भावना और तिरंगे झंडे के प्रति जन जागरूकता अभियान के उद्देश्य से इस रैली का आयोजन किया गया। जिसमें सभी खिलाडियों एवं स्टेडियम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया तथा हर घर स्वच्छता की शपथ ली। इस दौरान जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष श्री धुवारे ने युवाओं से इस अभियान में शामिल होने की अपील की। यह तिरंगा रैली मुलना स्टेडियम से अंबेडकर चौक, काली पुतली, जय स्तंभ चौक, विश्वेश्वरैया चौक होते हुए वापस मुलना स्टेडियम मैदान में समाप्त की गई। कार्यक्रम में शैलेंद्र यादव औल्याकन्हार क्लब लालबर्रा, अभियान परिषद से विजय सूर्यवंशी, योगेंद्र पटले एवं धीरज डोंगरे खैल विभाग कार्यालय प्रभारी, स्टेडियम प्रशासक श्री शंकर लाल राहंगडाले

हट्टा मे मनाया गया भुजलीया पर्व

हट्टा(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी रक्षाबंधन के दूसरे दिन कोष्टि समाज की महिलाओं द्वारा भुजलियां पर्व को धूमधाम से ग्राम हट्टा मे 10 अगस्त को मनाया गया । इस अवसर पर व्रत कर नव विवाहिताये अपने दोनों ही परिवारों की खुशहाली के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती है और भुजालियों का विसर्जन करती है इस दौरान भुजली पर्व के दिन उजैना की रस्म पर दामादों का आत्मीय स्वागत करने की संस्कृति आज भी विद्यमान है और दामाद अपनी पत्नी का ध्यान रखते हुए उनके झाल के साथ रास्ते भर चलते हैं ग्राम हट्टा स्थित कबीर कुटी से निकली शोभा यात्रा में महिलाओं की टोली के साथ ग्राम के गनमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई ।

साथ ही महिलाओं के झालो के साथ ही वह भी वह भी स्थानीय देवी तालाब पर पहुंचे। इस अवसर पर बड़े झाल के साथ अन्य छोटी-छोटी कन्याए भी अपने सिर पर सुंदर टोकरियों में भुजालियों को लेकर विसर्जन के लिए निकली इन सभी टोकरियों और झाल को देवी तालाब में विसर्जित किया गया। इस अवसर पर ग्राम के सभी वर्ग ने अपनी उपस्तिथि दर्ज करवायी और एकता का संदेश दिया।

आज भाजपा मंडल लामता में तिरंगा यात्रा बाईक रैली का हुआ भव्य आयोजन

लामता(पद्मेश न्यूज)। भाजपा प्रदेश संगठन व भाजपा जिला संगठन के आव्हान पर जिले के प्रत्येक मंडल में तिरंगा यात्रा बाईक रैली की जानी है इसी कड़ी में लामटा मंडल में आज दिनांक 12/8/25 दिन मंगलवार को तिरंगा यात्रा बाईक रैली निकाली गई, जो लामटा से 11 बजे प्रारंभ होकर , बुढिया गांव,घुनाडी , चमरवाही ,होते हुए चांगोटोला पहुंची यहां भाजपा पदाधिकारियों ने रैली का भव्य स्वागत किया । ग्राम पंचायत घुनाडी में भी स्कुली बच्चों के साथ पंचायत प्रतिनिधियों ने इस रैली का भव्य स्वागत किया चांगोटोला नगर भ्रमण कर यहां से वापस लामटा गांधी चौक में रैली का समापन हुआ , इस तिरंगा यात्रा बाईक रैली में

लामटा मंडल के अध्यक्ष योगेश खैरवार , जिला प्रतिनिधि राजेश मेश्राम , लामटा सरपंच हुलासमल कोचर , युवा सर्व समाज सेवी तपन राजा चौधरी के साथ सभी बूथ अध्यक्ष , महामंत्री ,बि एल ऐ , शक्ति केन्द्र प्रभारी संयोजक,सह संयोजक , मिडिया प्रभारी, भाजपा मंडल लामटा के पदाधिकारियों , युवामोर्चा पदाधिकारियों , मोर्चों के पदाधिकारियों जेष्ठ श्रेष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं की इस बाइक रैली में सहभागिता रही

भारतीय किसान संघ की हुई बैठक

तहसील और ग्रामीण समितियों के गठन को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी में पाथरवाडा रोड़ स्थित एक हाल में भारतीय किसान संघ की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया. मंगलवार को दोपहर 03 बजे संभागीय संगठन मंत्री पूरन लाल शर्मा, जिला मंत्री धरम लिल्हारे, नगर अध्यक्ष गिरधारी लाल, जनपद सदस्य पूरन लाल चौधरी, प्रितम खटवानी की प्रमुख उपस्थिति में यह बैठक हुई. बैठक में किसानों की लंबे समय से लंबित समस्याओं सहित स्थानीय समस्याओं और तहसील, ग्रामीण समितियों के गठन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक की शुरुआत में भारत माता, भगवान बलराम और भारतीय किसान संघ के

संस्थापक दत्तोपंत ठेंगनी के छायाचित्र का पूजन किया गया. बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि कांग्रेस हो या फिर भाजपा या फिर अन्य कोई दल इन्होंने किसानों के साथ छलावा किया है. राजनीतिक दलों ने अपने-अपने किसान विंग बना रखे है जब जिस पार्टी की सत्ता होती है उस पार्टी का किसान विंग किसानों की समस्याओं से दूरी बना लेता है. राजनीतिक दल किसानों के साथ फूट डालो और शासन करो की नीति पर काम कर रहे है. किसान संघ का नारा है कि देश के हम भंडार भरेंगे, और कीमत पूरी लेंगे. देश का अन्नदाता देश का भंडार भरता है तो उसे पूरी कीमत लेने का भी अधिकार होता है. प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रवादी होता है, जो राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर कार्य करता है. इस दौरान बैठक में राजकुमार चौधरी, डॉ ज्वाला सिंह बघेल, महेतलाल बिसेन, रामकिशोर बोपचे, जय प्रकाश ठाकरे, गणेश चौधरी, धनसिंह पटले, शिव प्रसाद पटले, कोमल पटले, राजकुमार बोपचे मौजूद रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी में अव्यवस्थाओं का आलम, मरीज ही नहीं स्वास्थ्यकर्मी भी परेशान

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। कभी बेहतर रखरखाव, स्वच्छता और स्वास्थ्य, सहायता सेवाओं, कचरे का प्रबंधन, स्वच्छता का प्रचार, संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण, पर्यावरण के अनुकूल सुविधा और चारदीवारी से घिरा सुरक्षित परिसर होने की वजह से जिस अस्पताल को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत कायाकल्प अवार्ड से नवाजा था आज वह अस्पताल अव्यवस्थाओं से घिरा हुआ है. जिस कारण ना सिर्फ मरीजों को परेशानी हो रही ही है बल्कि स्वास्थ्य कर्मचारी भी हर दिन समस्याओं से दो-चार हो रहे है. बात तो रही है बालाघाट जिले के विकासखंड कटंगी के आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी की. जहां एक समय में कटंगी के बाद सर्वाधिक प्रसव हुआ करते थे. अब यहां पर चिकित्सक की कमी के कारण ग्रामीणों को उपचार के लिए भटकना प? रहा है. गरीबों की मेहनत की मोटी कमाई इलाज के नाम पर खर्च हो रही है. यहां पदस्थ चिकित्सक डॉ भूपेन्द्र गजभिए को कोरोना काल के दौरान कटंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अटैच किया गया तब से लेकर अब तक वह कटंगी अस्पताल में ही सेवाएं दे रहे है. जबकि उनकी तनख्वाह बम्हनी स्वास्थ्य केंद्र में सेवाएं देने के नाम पर अदा की जा रही है।

सीएम हेल्पलाइन से भी नहीं निकला निराकरण

बम्हनी में चिकित्सक नहीं होने से परेशान ग्रामीण लगातार सीएम हेल्पलाइन में शिकायत कर डॉ भूपेन्द्र गजभिए को मूल पदस्थापना वाले अस्पताल में वापस भेजने की मांग कर रहे है लेकिन सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ट अधिकारी अनाप-शनाप जवाब बनाकर ग्रामीणों की शिकायतों को विलोपित कर रहे है. गांव के स्थाई पटेल जितेन्द्र सिंह रावत बताते है कि चिकित्सक नहीं होने से करीब दर्जन भर गांवों के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है. गांव की महिला उपसरपंच ललीता राउत ने बताती है कि चुनाव के दौरान विकास यात्रा गांव पहुंची तो उन्होंने अस्पताल में चिकित्सक नहीं होने की समस्या रखी, जो जवाब मिला उसके बाद उन्होंने कुछ और बोलना उचित ही नहीं समझा. जवाब मिला कि गांव के अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं रहना चाहता. इसलिए यहां किसी की नियुक्ति नहीं हो रही है जबकि बम्हनी अस्पताल में डॉ भूपेन्द्र गजभिए अपनी सेवाएं रहे थे और ग्रामीण जनता को स्वास्थ्य लाभ भी मिल रहा था. ग्रामीणों का कहना है कि सप्ताह में कम से कम दो दिन डॉ भूपेन्द्र गजभिए को बम्हनी में सेवाएं देने के लिए भेजा जाना चाहिए. बम्हनी अस्पताल में चिकित्सक नहीं होने से चाकाहेटी, अर्जुनटोला, सतीटोला, जामुनटोला, नीमटोला, सादाबोड़ी, रामजी टोला, आंजनबिहरी, दिग्धा, कोड़बी, हरदोली, पुलपुट्टा, छतेरा, टुईयापार, महकेपार और गोरेघार के ग्रामीणों को परेशानी होती है. खासतौर पर प्रसुति महिलाओं को प्रसव के लिए कटंगी, बालाघाट जाना पड़ता है।

आवासीय समस्या से जूझ रहा स्वास्थ्य स्टाफ

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी में पदस्थ स्टाफ नर्स, एनएनएम से लेकर फार्मासिस्ट कई तरह की दिक्कतों से जूझ रहे है. यहां पर स्वास्थ्य कर्मचारियों के आवास के लिए जो कमरे बने हुए है उनकी हालत बहुत खराब है. छतों से पानी टपकता है और बिजली उपकरण बंद पड़े है. आरोग्य समिति ने पुराने क्वार्टर को मरम्मत के नाम पर खोला लेकिन आज तक सुधार कार्य नहीं हो पाया है. जिससे स्वास्थ्य कर्मचारियों को और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है. बीते दिनों अस्पताल की बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त होकर गिर गई थी. जिसकी मरम्मत आज तक नहीं की गई. ऐसे में खेत के रास्ते सांप-बिच्छू और अन्य जहरीले कीट अस्पताल परिसर में प्रवेश करते है. खासतौर से प्रसव कक्ष के आसपास हमेशा अनहोनी का खतरा बना रहता है. उपसरपंच ने बताया कि गांव में गरीब आबादी निवास करती है. सरकारी अस्पताल में चिकित्सक नहीं होने से गरीबों को प्राइवेट अस्पतालों में मंहगा इलाज करवाने के लिए जाना पड़ता है कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि गरीबों को उपचार नहीं मिलने से उनकी मौत भी हो गई. दरअसल स्वास्थ्य सेवाओं की इस बदहाली के लिए सत्ताधारी दल के नेता, अफसर दोषी है जो गरीब जनता के जीवन से खिलवाड़ कर रहे है. गांव में स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर बुनियादी ढांचे तो तैयार हो रहे है लेकिन वहां चिकित्सक नदारद है।

जर्जर हुई अस्पताल की इमारत

वर्ष 2016 में बनकर तैयार आयुष्मान आरोग्य मंदिर की इमारत भी जर्जर होने लगी है. अभी इस इमारत को बने 10 साल भी पूरे नहीं हुए है किंतु इमारत की दशा बहुत खराब हो चुकी है जगह-जगह से दीवारें धसक रही है और अनहोनी का खतरा मंडरा रहा है. स्वास्थ्य कर्मचारियों को कई तरह की दिक्कतें हो रही है लेकिन फिर भी वह कुछ भी बोलने से बचते है. डर है कि अगर मीडिड्डया से कुछ बोल दिया और छप गया तो फिर वरिष्ट अफसरों की खरी-खोटी ना सुननी पड़ जाए इसलिए स्वास्थ्य कर्मचारी जान जोखिम में डालकर मजबूरी में नौकरी करने को तैयार है।

इनका कहना है-

अस्पताल में चिकित्सक नहीं होने से ग्रामीणों को उपचार के लिए भटकना पड़ता है मैंने और कई ग्रामीणों ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत कर चिकित्सक को वापस भेजने की मांग की अधिकारी अनाप-शनाप जवाब बनाकर शिकायत को विलोपित कर देते है।

जितेन्द्र सिंह रावत
स्थाई पटेल बम्हनी

चुनाव के दौरान जब गांव में विकास यात्रा आई तो मेरे द्वारा अस्पताल में चिकित्सक का विषय रखा गया मुझसे कहा गया कि गांव के अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं रहना चाहता. इस जवाब के बाद मुझे कुछ और बोलना ठीक नहीं लगा. ग्रामीण चिकित्सक नहीं होने से बहुत परेशान है।

ललीता राउत
उपसरपंच बम्हनी

बाघ के शव को जलाकर नष्ट करने वालो की जमानत याचिका खारिज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। दक्षिण सामान्य वन मंडल वन परिक्षेत्र लालबर्रा अंतर्गत वन्य प्राणी बाघ के शव को जलाने के मामले में गिरफ्तार ६ आरोपी शिवकुमार धुर्वे ,देवसिंह कुमरे ,शैलेष धुर्वे, हरिलाल इड़पाचे ,अनुज सिरसाम,मानसिंह सलामे की वारासिवनी की न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में जमानत याचिका खारिज कर दी गई। वहीं इस मामले में आरोपी को फॉरेस्ट रिमांड के बाद जेल भेज दिया गया है। मामले की आगे जांच प्रधान मुख्य वन संरक्षक भोपाल के आदेश पर स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की जबलपुर इकाई के द्वारा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालबर्रा वन परिक्षेत्र में राष्ट्रीय वन्य प्राणी बाघ के शव को जंगल में ही कुछ दिन छुपा कर उसे जला दिया गया था। यह कार्य ६ लोगों के द्वारा परिक्षेत्र सहायक और वनरक्षक के निर्देश पर किया गया था। जो की प्रथम दृष्टियां वन्य जीव संरक्षण

अधिनियम १९७२ तथा संशोधित २०२२ के विभिन्न धाराओं के अंतर्गत आपराधिक कृत्य है। उक्त अपराधिक कृत्य में लिप्त दो शासकीय सेवक सहित आठ आरोपियों के विरुद्ध अपराध प्रकरण क्रमांक १६०३६/०६ दिनांक २ अगस्त २०२५ को पंजीबद्ध कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव भोपाल मध्य प्रदेश के द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उक्त प्रकरण की अग्रिम विवेचना प्रकरण का हस्तातंरण ५ अगस्त २०२५ को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की जबलपुर इकाई को किया गया है। इस मामले में गिरफ्तार ६ आरोपी शिवकुमार पिता सुरपसिंह धुर्वे ,देवसिंह पिता गनपतसिंह कुमरे, शैलेष पिता ज्ञानसिंह धुर्वे ,हरिलाल पिता सितकुर इड़पाचे,अनुज पिता मिठ्ठनसिंह सिरसाम ,मानसिंह पिता दीपसिंह सलामे को गिरफ्तार किया गया है और दो शासकीय सेवक टीकाराम हनोते वनपाल और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे फरार है। इसमें वारासिवनी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दिव्या सिंह की अदालत में गिरफ्तार ६ आरोपी की जमानत याचिका पेश की गई थी। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर के द्वारा की गई सटीक विवेचना एवं अभियोजन पक्ष के द्वारा दी गई दलील और अपराध की गंभीरता प्रकरण में तथ्यों एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय वारासिवनी के द्वारा आरोपियों की जमानत याचिका धारा ४८० भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत निरस्त कर दी गई। वहीं ६ आरोपियों की फॉरेस्ट रिमांड समाप्त होने पर उन्हें न्यायालय से जेल भेज दिया गया लिया गया है। इस मामले की आगे विवेचना स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर इकाई के द्वारा की जा रही है।

पेड़ पोषण सुरक्षा और भविष्य प्रदान करते है-मनोज भालाधरे

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के कार्यक्रम में एक पेड मॉ के नाम अभियान के अंतर्गत चंदन नदी वारासिवनी पुल मेंहदीवाड़ा के किनारे प्राकृतिक सुंदरता व पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से नदी के किनारे कटहल, अशोक, गुलमोहर, अमरूद, काजु, बादाम, जामुन, करंजी, चितावर, कदम, अमलतास सहित अन्य पौधो का रोपण किया गया। शासकीय हाई स्कुल चिल्लौद के माध्यमिक शिक्षक मनोज भालाधरे ने स्वयं व बच्चों के साथ मिलकर पहले भी नदी के तट पर पौधारोपण किया था। इसी तरह इस वर्ष भी चंदन नदी के तट पर शिक्षक मनोज भालाधरे द्वारा अपने स्कूल के छात्रों द्वारा मिलकर वृक्षारोपण किया गया।

शिक्षक मनोज भालाधरे ने छात्रों से आव्हान किया कि वे जिस गांव में भी रहते हो वहां प्रत्येक छात्र एक पेड़ अवश्य लगाये और उसका संरक्षण करें। पेड़ हम सबको ऑक्सीजन देते है और विभिन्न प्रकार की औषधी भी पेड़ो से प्राप्त होती है। पेड़ जीवन को बनाये रखते है और एक मॉ की तरह वे अगली पीढी के लिये पोषण व सुरक्षा और भविष्य भी प्रदान करते है। इस दौरान स्कूली बच्चे व पालकगण उपस्थित रहे।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में तिरंगा रैली निकाली गई

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। जो सिकन्द्रा, पटेलटोला, कालेजटोला, पिपलटोला तथा मदनपुर रोड़ से गुजरते हुये पुनः स्कूल पहुंचकर समाप्त हो गई। रैली में तिरंगा झंडा लिये हुये राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंय सेवक एवं स्वंय सेविकायें देशभक्ति पूर्ण नारे लगा रहे थे। इस रैली में स्कूल संचालक एवं प्राचार्य निरंजन बिसेन, सुश्री अफसा खान ,राकेश कुमार मिश्रा,श्रीमती अनिता मिश्रा,यू के कटरे मौजूद रहे। इससे पूर्व उक्त अभियान के अंतर्गत सैनिकों एवं पुलिस जवानों को पत्र लेखन प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी, देश भक्ति गीतों के कार्यक्रम सहित अनेक प्रतियोगितायें संपन्न हुई।

हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता थीम पर स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में आयुष विभाग के सहयोग से परियोजना स्तरीय कार्यक्रम हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता थीम पर 12 अगस्त को आंगनवाड़ी केंद्र क्र. 22 मेन बोर्ड स्कूल परिसर में स्वच्छता अभियान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपाली चौके द्वारा समस्त बच्चे, किशोरियों एवं गर्भवती, धात्री वृद्ध महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें दवाइयां दी गई।

कोबरा बटालियन जवानों ने हर घर तिरंगा यात्रा के माध्यम से राष्ट्रभक्ति का दिया गया संदेश

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। देशभर में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान के तहत 208 कोबरा बटालियन, के.रि.पु.बल, बड़गाँव, किरनापुर, जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा भव्य हर घर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया । इस यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रध्वज के प्रति जन-जन में सम्मान, एकता और देशभक्ति की भावना को और प्रबल करना है।यात्रा का शुभारंभ प्रमोद चौधरी द्वितीय कमान अधिकारी 208 कोबरा बटालियन द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को

लहराकर किया गया। इसमें सभी अधिकारीगण जवान स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि, स्कूली छात्र-छात्राएँ एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। देशभक्ति गीतों, नारों और तिरंगे की छटा से यात्रा का वातावरण पुरी तरह राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो उठा।इस कार्यक्रम के दौरान जवानों को राष्ट्रीय ध्वज की महत्व के बारे में जानकारी दिया गया और प्रत्येक नागरिक से अपने-अपने घर पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया।सीआरपीएफ सदैव राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है और हर घर तिरंगा जैसी बहुआयामी पहलों के माध्यम से देशभक्ति का संदेश आमजन तक पहुँचाती रहेगी।

मां कालीपाठ मंदिर पहुंचे कालीचरण महाराज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। तीन दिवसीय प्रवास के आखिरी दिन 11 अगस्त को कालीचरण महाराज, जिले की प्रसिद्ध सिद्धस्थल मां कालीपाठ मंदिर पहुंचे। यहां भक्तों ने उनके जल से पैर पखारकर, उनका स्वागत किया। मां कालीपाठ मंदिर में कालीचरण महाराज ने मां काली स्तुति के साथ ही भगवान शंकर और मां काली का पूजन कर उनकी आरती उतारी। इस दौरान कालीचरण महाराज ने मंदिर में मौजूद भक्तो को संबोधित करते हुए कहा कि मां काली बलिष्ठता, पराक्रम, निडरता, खुबसुरती और सुंदरता की अधिष्ठात्री है। जिसे खुबसुरती चाहिए, उसे मां काली का ध्यान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि भगवान महादेव ने भी बोला कि जो मां

काली के ओम काली मां के तीन अक्षरों का जाप करेगा उसकी सभी कामना पूर्ण हो जाएगी। तीन अक्षरों का मंत्र सभी कामनाओं का पूर्ण करने वाला कल्पवृक्ष है।

आपको बताए कि तीन दिवसीय प्रवास में विगत 9 अगस्त को कालीचरण महाराज बालाघाट पहुंचे थे। यहां उन्होंने विभिन्न कार्यक्रम में हिस्सा लिया। लांजी के कोटेश्वर धाम में सावन मास से प्रारंभ, एकल अभियान के अखंड रामायण पाठ के समापन में वे 10 अगस्त को शामिल हुए। यहां उन्होंने 108 परिवारो के पार्थिव शिवलिंग पूजन और 108 गौमाता पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। जिसके बाद वे 11 अगस्त को बालाघाट के सिद्धपीठ स्थल मां कालीपाठ मंदिर, रात में पहुंचे थे। यहां उन्होंने मातारानी का पूजन किया गया।इस दौरान कालीभक्त संयोग कोचर, विहिप विभाग संघचालक वैभव कश्यप, एकल अभियान जिलाध्यक्ष गौरव दुबे, महिला समिति उपाध्यक्ष राजुल चौरड़िया, सचिव दीक्षा शर्मा और एकल श्रीहरि अभियान के सहमंत्री अंकुश बिसेन सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

नगरी क्षेत्र में चीतल मिलने की सूचना पर भी नहीं किया गया रेस्क्यू

वन्यजीव प्रेमी के दखल के बाद आए 03 वनकर्मी भी बैरंग लौटे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंगलवार को नगर के वार्ड नंबर 10 में जंगल से भटक कर एक वन्य प्राणी चीतल नगर के रिहायशी इलाके वार्ड नंबर 10 में आ गया, जो ममता कॉलोनी के पीछे स्थित झाड़ियो में वार्ड वासियों को दिखाई दिया। वार्डवासी इस घटना की जानकारी देने के लिए सुबह से ही अधिकारियों कर्मचारियों को फोन लगाते रहे लेकिन रेंजर से लेकर एसडीओ, डीएफओ यहां तक कि सीसीएफ तक ने वार्ड वासियों के फोन कॉल रिसीव नहीं किया।जिस पर वार्ड वासियों द्वारा वन्यजीव प्रेमी अभय कोचर से संपर्क कर उन्हें वस्तु स्थिति बताई गई। जिन्होंने मामले की सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दी।जिनकी सूचना करीब 11:30 बजे तीन कर्मचारी चीतल को देखने के लिए मौके पर तो पहुंचे, लेकिन उन्होंने चीतल का रेस्क्यू नही किया और वे बैरंग लौट आए।

सुबह कहा था, शाम को करेंगे रेस्क्यू, रात हो गई पर टीम नही आई

बताया गया कि वन्यजीव प्रेमी से सूचना मिलने पर मौके पर पहुचे वनकर्मियों द्वारा सुबहा 11,30 बजे वार्डवासियों से कहा गया था कि वे शाम को आकर चीतल का रेस्क्यू करेंगे। लेकिन सुबह से दोपहर और दोपहर से शाम व रात होने के बावजूद भी कोई भी कर्मचारी चीतल का रेस्क्यू करने के लिए नहीं पहुंचा।जिसमें वन विभाग के कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों तक की लापरवाही साफ देखने को मिल रही है। शायद यही वजह है कि आए दिन वन्य प्राणियों के शिकार हो जाते हैं।यदि समय रहते उस चीतल का रेस्क्यू नहीं किया गया, तो हो सकता है कि उसका कोई शिकार कर ले या वहा चीतल आवारा श्वानों का निवाला बन जाए।

आपको बताएं कि यह कोई पहला मामला नहीं है जब वन्य प्राणी चीतल जंगल से या झुंड से भटक कर रिहायशी इलाके में आया हो, बल्कि अक्सर नगर में ऐसे नजारे देखने को मिलते ही रहते है। सुबह से लेकर रात हो जाने पर भी वन कर्मियों द्वारा चीतल का रेस्क्यू नहीं किया गया। जिसको लेकर विभाग की भारी लापरवाही देखने को मिल रही है। ऐसे में चीतल के साथ कोई अप्रिय घटना होने की भी आशंका बनी हुई है। हो सकता है कि कोई असामाजिक तत्व या आवारा श्वानों द्वारा चीतल का शिकार कर लिया जाए।

स्थानीय निवासी मो. नजीर ने बताया कि सुबह के वक्त एक चीतल कालोनी बाउंड्री वॉल के पास झाडियों के नीचे बैठा हुआ दिखाई दिया था। जिसकी सूचना वन विभाग को दे दी गई थी। लेकिन सुबह 11 बजे तक वन कर्मचारी नहीं आए। अन्य लोगों ने भी विभाग वालों को फोन लगाया लेकिन किसी ने फोन कॉल रिसीव नहीं की।

वही मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान वन्य जीव प्रेमी अभय कोचर ने बताया कि यह घोर लापरवाही का मामला है।हमारे द्वारा सुबह जानकारी दिए जाने टीम कर्मचारी आए और देखकर चले गए, उन्होंने चीतल का रेस्क्यू नहीं किया। यह दर्शाता है कि वन विभाग किस तरह से काम कर रहा है। हमारी मांग है कि इस मामले में डिप्टी रेंजर सहित संबंधित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों पर कार्यवाही की जानी चाहिए।

महाविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस छात्र-छात्राओं को दी गई एड्स की प्रति जानकारी

लामता(पद्मेश न्यूज)। शासकीय महाविद्यालय लामता में राष्ट्रीय सेवा योजना और रेड रिबन क्लब के द्वारा आज दिनांक 12 अगस्त 2025 को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सुनीता वैद्य के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के संदर्भ में पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता एवं एड्स जानकारी ही बचाव है के संबंध में जन जागरूकता कार्यक्रम एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया छात्र-छात्राओं के द्वारा पोस्टर निर्माण में मधु, महिमा पारधी, रीना नगपुरे, रीना विश्वकर्मा, माधुरी बिसेन, वैभव असाटी, रूपेश पंचेश्वर, सौरभ मेश्राम मनोरमा ठाकरे ने भाग लिया जिसमें रीना ने प्रथम स्थान मधु ने द्वितीय स्थान रीना विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया निर्णायक के रूप में श्रीमती वंदना मैडम सहायक प्रध्यापक इतिहास श्रीमती चित्रमाला भीमते सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र रहे।

एड्स एक ला इलाज बीमारी है जानकारी ही बचाव है इस संबंध पर विषय विशेषज्ञों के द्वारा जानकारी छात्र-छात्राओं तक पहुंचाई गई रेड रिबन क्लब के सदस्य हरेंद्र बघेल, रीना, मधु, सौरभ, रूपेश पंचेश्वर समस्त सदस्यों के द्वारा इस कार्यक्रम का सफल रूप से संचालन किया गया कार्यक्रम का मार्गदर्शन रेड रिबन प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ डुलेश्वरी टेम्भरे के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में महाविद्यालय से सुंदरलाल बिसेन, श्रीमती वंदना मैडम, श्रीमती चित्रमाला भीमते, निरंजन रंग डाले, प्रवेश यादव, डॉक्टर ढालसिंह गौतम, डॉक्टर यादवेंद्र पटेल, डॉ राजीव सिंह बघेल, डॉ राहुल पटले, यशवंत बिसेन, विजेंद्र तरुने, श्रीमती तुलसी झरिया, डॉ महेश प्रसाद बारिया, डॉक्टर विभूति उद्दे एवं समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा

वैनगंगा नदी में नहाने गए तीन युवक लापता

रामपायली पुलिस ने रेस्क्यू कार्य किया प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत बेनी स्थित वैनगंगा नदी में १२ अगस्त की शाम करीब ४ बजे नहाने गए तीन युवक लापता हो गए हैं। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने रेस्क्यू कार्य प्रारंभ कर दिया है। मामले में नदी में तीन युवकों के डूबने की बात बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बेनी वैनगंगा नदी किनारे स्थित है। जहां पर निवासरत चमन लाल बुरड़े के मकान में उसके नाते रिश्तेदार आए हुए थे। जिनके द्वारा हंसी खुशी रक्षाबंधन एवं भुजली पर्व का त्यौहार मनाया गया। ऐसे में १२ अगस्त की शाम करीब चार से पांच बजे अखिल पिता चमनलाल बुरड़े उम्र २१ वर्ष बेनी निवासी, मोहित पिता महेश बुरड़े उम्र २० वर्ष हट्टा निवासी, राकेश नंदनवार उम्र ३६ वर्ष जिला भंडारा महाराष्ट्र निवासी के साथ कुछ परिजन एवं रिश्तेदार नदी में नहाने के लिए गए हुए थे। नदी में नहाते समय अचानक अखिल बुरडे ,मोहित बुरड़े ,राकेश नंदनवार गायब हो गए। जिसमें एक युवक के द्वारा डूबता हुआ एक युवक को देखा गया था। जिनके द्वारा पतासाजी की गई परंतु उक्त तीनों युवकों का कोई पता नहीं चल पाया इसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी तत्काल रामपायली पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर परिजनों के बतायें अनुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए गोताखोर को बुलाकर रेस्क्यू कार्य प्रारंभ कर दिया गया। किंतु समाचार लिखे जाने तक उक्त लापता तीनों युवकों का कोई पता नहीं चल पाया है। घटना में नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबने की बात परिजनों के द्वारा व्यक्त की जा रही है। घटना की सुचना लगते ही मौके पर विधायक विवेक पटेल के द्वारा उपस्थित होकर परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली गई।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि वैनगंगा नदी के बेनी घाट से तीन युवकों के लापता होने की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर जानकारी ली गई। जिसमें लापता अखिल के पिता चमनलाल ने बताया कि यह नदी के गहरे पानी में डूब गए हैं जिस पर तत्काल रेस्क्यू कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। पतासाजी की जा रही है वहीं आसपास के थानों को भी सूचना दे दी गई है।

दिलीप मौर्य
थाना प्रभारी रामपायली

महिला हितग्राही की मृत्यु के तीन वर्ष बाद रोजगार सहायक ने निकाली आवास योजना की राशि

हितग्राही महिला के पति ने रोजगार सहायक पर लगाए आरोप, मामला लालबर्रा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री का

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री के रोजगार सहायक द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि महिला हितग्राही की मृत्यु के तीन वर्ष बाद निकाल ली गई। जबकि महिला हितग्राही के पति का आरोप है कि ग्राम के रोजगार सहायक द्वारा उन्हें बिना बताए ही, किसी अन्य महिला को उनके नाम पर बैंक ले जाकर दूसरे बैंक खाते में आवास योजना की राशि निकाल ली गई हैं। उन्हें बाद में पता चला कि उनकी पत्नी की मृत्यु के बाद रोजगार सहायक द्वारा गलत तरीके से आवास योजना की राशि निकाली गई है। उन्होंने कलेक्टर के माध्यम से न्याय उचित कार्रवाई करने की मांग की है। आपको बता दे कि अधिकतर नगर पालिका और ग्राम पंचायत क्षेत्र में शासन से आने वाली शासकीय योजना की राशियों को यहां बैठे अधिकारी , कर्मचारी निजी स्वार्थ पाने के चलते , गलत तरीके से हितग्राही को उसका लाभ न देते हुए निकाल लेते हैं। जिसमें कई बार ऐसे मामले भी सामने आए हैं। जहां हितग्राही की मृत्यु होने के बाद भी ग्राम पंचायत , नगर पंचायत में यहां बैठे जिम्मेदार अधिकारी, कर्मचारी उनकी राशि निकाल लेते हैं । ऐसा ही एक ताजा मामला जनपद पंचायत लालबर्रा क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री में मृत महिला हितग्राही की आवास योजना की राशि रोजगार सहायक द्वारा निकाले जाने का आरोप लगा है। ग्राम पंचायत भाण्डामुर्री निवासी दिनेश माहुले द्वारा 12 अगस्त को जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में शिकायत की गई है । जिसमें दिनेश ने बताया कि उनकी पत्नी शांताबाई माहले की मृत्यु वर्ष 2019 के 11 महीने में हो चुकी थी । उनकी पत्नी के नाम पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन किया हुआ था। उन्हें जानकारी भी थी कि उनका आवास योजना में नाम आ चुका है। पत्नी की मृत्यु के बाद वह रोजगार के लिए नागपुर चले गए थे । उन्हें बाद में पता चला कि ग्राम के ही रोजगार सहायक द्वारा उनकी पत्नी की मृत्यु के तीन वर्ष बाद वर्ष 2022 में आवास योजना की पहली किस्त 25000 हजार रूपये निकाल लिये गये है । इसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत सरपंच और रोजगार सहायक से संपर्क किया, लेकिन किसी ने भी उन्हें राशि नहीं लौटाई । उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी का पैसा निकालने के लिए रोजगार सहायक द्वारा दूसरी महिला को बैंक ले जाकर उनके खाते में पैसे डलवा कर पैसे निकाल लिया गया । अब वह संबंधित विभाग से गुहार कर रहे हैं कि इस प्रकार से उनकी पत्नी के नाम पर आए पैसे निकालने वालों पर न्याय उचित कार्रवाई की जाए ।

पिहरी की सब्जी खाने के बाद बिगड़ी तबीयत बालक की जिला अस्पताल में मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पिहरी की सब्जी खाने के बाद अचानक तबियत बिगड़ने से जिला अस्पताल में भर्ती एक बालक की इस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक बालक अंशुल पिता पितांबर चौहान ग्राम ठेमा थाना परसवाड़ा निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंशुल चौहान चौहान जब एक माह का था तभी से उसका पालन पोषण उसका नाना कोमल प्रसाद तुरकर ग्राम ठेमा निवासी कर रहे थे । जिसका पिता पीतांबर चौहान लगमा निवासी है। किंतु शादी के 3 साल बाद ही तलाक होने के बाद अंशुल को उसकी मां अपने साथ अपने मायके ठेमा ला ली थी। 11 अगस्त की रात्रि बालक अंशुल चौहान ने अपने परिवार के साथ खाना खाया और सो गया था। 12 अगस्त रात्रि 1ः30 बजे करीब अंशुल की अचानक तबीयत खराब हो गई ।तब उसे परसवाड़ा के शासकीय अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जहां उपचार के दौरान दो-तीन बजे अंशुल की मौत हो गई। बताया गया है कि 11 अगस्त की रात्रि में अंशुल ने पिहरी की सब्जी खाया था और उसके बाद ही उसकी तबीयत खराब हो गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक सूर्यकांत मरकाम ने मृतक बालक अंशुल चौहान के नाना कोमल प्रसाद तुरकर का बयान लेकर मर्ग कार्रवाई की। बालक अंशुल चौहान का शव 13 अगस्त को पोस्टमार्टम करवाकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

बस की टक्कर से जयसिंह बाहे की मौत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी सालेटेकरी मार्ग पर ग्राम लोढ़ामा के पास एक सड़क दुर्घटना में लोढ़ामा निवासी जयसिंह पिता मोहन बाहे उम्र 61 वर्ष की मृत्यू हो गई। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार बस क्रमांक एमपी 50 जेड एच 8999 का चालक जो कि लापरवाही पूर्वक लांजी से देवरबेली सालेटेकरी की ओर जा बस चलाते जा रहा था। ग्राम लोढ़ामा के पास मुंडीदादर से वृद्ध जयसिंह पिता मोहन बाहे उम्र 61 वर्ष पिहरी तोड़कर वापस अपने घर जा रहा था। लांजी की ओर से आ रही बस के साईड डिक्की खुली हुई थी जो कि बस चालक या परिचालक को नजर नही आई इसी साईड डिक्की के पल्ले के चपेट में वृद्ध जयसिंह आ गया तथा गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं टक्कर मारकर बस चालक बस लेकर मौके से फरार हो गया जिसे देवरबेली मे रोका गया। वहीं वृद्ध जयसिंह को उपचार के लिये सिविल अस्पताल लांजी लाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही जयसिंह की मृत्यू हो गई। देवरबेली पुलिस चौकी के द्वारा मर्ग पंचनामा आदि कर शव का पोस्टमार्टम करवाया जाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। तथा बस को अभिरक्षा में देवरबेली पुलिस चौकी मे रखा गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

उन्नतशील किसानों हेतु आधुनिक जापानी तकनीक के राईस ट्रांसप्लांटर उपलब्ध
Kaira विश्व की नं. 1 धान रोपाई मशीन ...

के.के. इंटरप्राईजेस / सांई ट्रेक्टर्स (पॉवरट्रेक ट्रेक्टर्स)
मोती तालाब रोड़, नर्मदा नगर, बालाघाट
के.के. इंटरप्राईजेस
बालाघाट रोड़, पटेलटोला, बरघाट
मोबा.- 9425138685, 8770334649, 9669674379

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

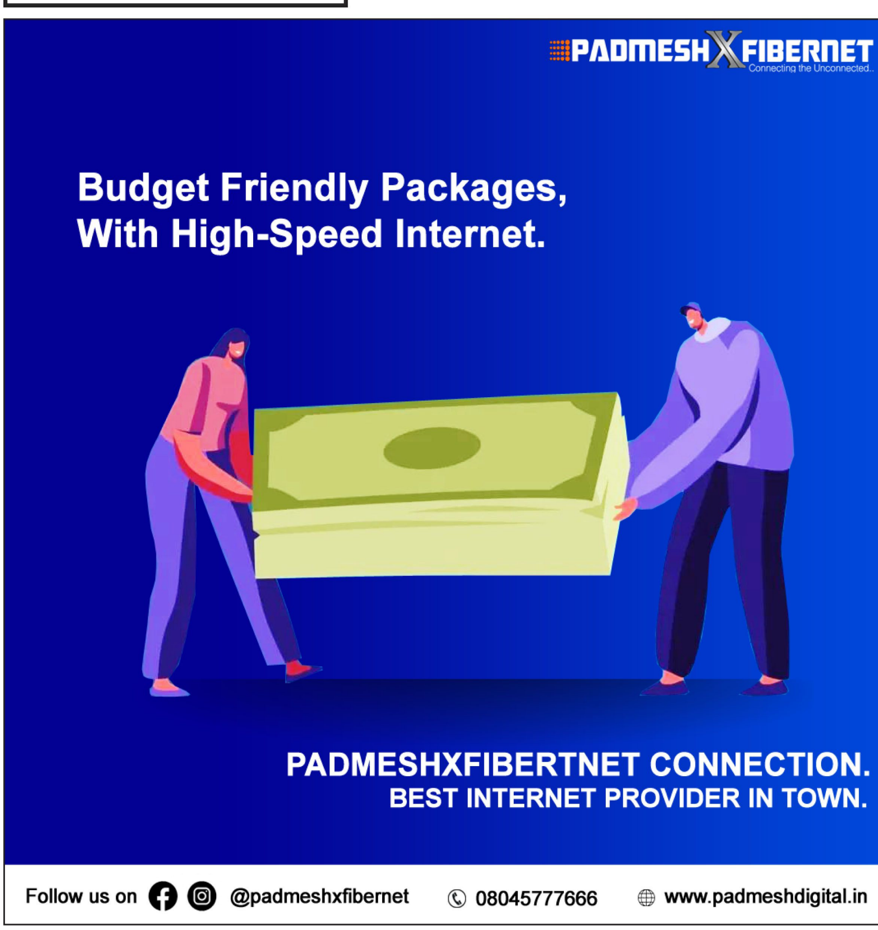

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट